11

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

दिव्य दिनकर

एक निडर सच का दर्पण | पटना और रांची से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 अंक : 266 पटना (बिहार) सोमवार ,28 जुलाई 2025 पेज - 12 मूल्य: 2 R.N.I. No:- BIHHIN/ 2016/72168

अपराध पर बयान देकर सुर्खियां बटोरना फैशन', चिराग पासवान पर संतोष सुमन ने साधा निशाना

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

पटनाः बिहार में बढ़ते अपराध पर एनडीए के दो घटक दल आमने-सामने आ गए हैं. केंद्रीय मंत्री और एलजेपीआर चीफ चिराग पासवान के सवाल उठाने पर केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी के बाद अब उनके बेटे और नीतीश सरकार में मंत्री संतोष कुमार सुमन ने उनको जवाब दिया है. उन्होंने कहा कि अपराध पर बयान देकर सुर्खियां बटोरना फैशन हो गया है. 'अपराध पर बयान देकर सुर्खियां बटोरना फैशन': हम के राष्ट्रीय अध्यक्ष और लघु जल संसाधन मंत्री डॉ. संतोष सुमन ने कहा कि इन दिनों अपराध पर बयान देकर मीडिया की सुर्खियां बटोरने का फैशन हो गया है. अपराधियों को ताम झाम और गाजे-बाजे के साथ पार्टी में शामिल कराने और अपराधियों के लिए मंच से 'जिंदाबाद' और 'अमर रहे' के नारे लगवाने के दौरान नैतिकता कहां चली जाती है? राष्ट्रीय औसत से बिहार आधे परः संतोष सुमन ने कहा कि बिहार कब का संगठित और सत्ता संरक्षित अपराध की दुनियां से बाहर निकल गया है. संगठित अपराध के मामले में बिहार देश में 19वें स्थान पर है. महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराध में राष्ट्रीय औसत से बिहार आधे पर है. अपराधियों को छुड़ाने और बचाने के लिए थानों में फोन करने की बातें गुजरे दिनों की हो गई हैं. हर आपराधिक घटना के खिलाफ त्वरित और कारगर कार्रवाई करने की पुलिस को खुली छूट मिली हुई है. आजकल अपराध पर बयान देकर मीडिया की सुर्खियां बटोरने का फैशन हो गया है. गलत बातों व तथ्यों से जनता को एक बार भ्रमित किया जा सकता है, बार-बार नहीं, क्योंकि उसकी पारखी नजर सबकी खबर रखती है. जनता को बेवकूफ समझने की भूल ऐसे नेताओं को भारी पड़ेगी.- संतोष कुमार सुमन, मंत्री सह हम अध्यक्ष बयान वीर बनने से बचें एनडीए नेताः हम अध्यक्ष ने नसीहत भरे लहजे में कहा कि राजनैतिक दलों के नेताओं को बयानवीर बनने से पहले इन आंकड़ों और पुलिस की कार्रवाई को देखना चाहिए. अनर्गल बयानबाजी से राजनीति की विश्वसनीयता संकट में पड़ रही है. राजनीति की मूल पूंजी भरोसा है, वह अगर एक बार खत्म हो गई तो फिर कभी ऐसे दलों और नेताओं पर जनता विश्वास नहीं करेगी. चिराग को आईना दिखाने की कोशिशः संतोष सुमन ने कहा कि कथनी और करनी के फर्क की वजह से भी राजनीति और राजनेताओं की विश्वसनीयता घटती जा रही है. क्या राजनैतिक दलों में यह हिम्मत है कि वह अपराध की चर्चा करने और सरकार को कोसने से पहले अपने दलों के अराजक और आपराधिक तत्वों को चिह्नित कर उन्हें अपने दल से निकाल बाहर करें? हम चीफ ने कहा कि अपराधियों को पनाह देकर, अपराधियों से घिरे रह कर क्या थोथे बयान देकर मीडिया का कवरेज पा लेने मात्र से अपराध पर नियंत्रण संभव है? क्या अपराध पर प्रवचन देने वाले अपराधी चरित्र के लोगों को टिकट देने से परहेज करेंगे? अगर नहीं तो फिर किस मुंह से बोलेंगे और जनता के बीच जाएंगे? मांझी ने भी साधा निशानाः इससे पहले जीतनराम मांझी ने भी चिराग पर निशाना साधा था. उन्होंने एक्स हैंडल पर लिखा, 'मुझे खुशी है कि मैं बिहार में एक ऐसी सरकार का समर्थन कर रहा हूं, जो अपराध और अपराधियों से कोई समझौता नहीं करती. जो हर अपराधिक घटनाओं का ना केवल खुलासा करती है बल्कि वारदातों में शामिल अपराधियों को सलाखों के भीतर भेजती है. हमें गर्व है कि बिहार में एनडीए नेतृत्व में सुशासन की सरकार है.'

चिराग ने क्या बोला था?: असल में बढ़ते अपराध के सवाल पर शनिवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुए चिराग पासवान ने कहा था कि उनको दुख है कि वह एक ऐसी सरकार को समर्थन देते हैं, जो अपराध को कंट्रोल करने में नाकाम साबित हो रही है. उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि जैसे अपराधियों के सामने प्रशासन नतमस्तक हो चुका है.

मुंगेर यूनिवर्सिटी की बैकलॉग परीक्षा की तारीख बदली, अब इस डेट को होगा एग्जाम

संवाददाता द्वारा

मुंगेर : मुंगेर विश्वविद्यालय ने स्नातक खंड-क्क (प्रशिक्षु) बैकलॉग परीक्षा-2025 की तिथि में बदलाव कर दिया है, जिससे मुंगेर, लखीसराय, शेखपुरा, जमुई और खगड़िया जिलों के 29 कॉलेजों से जुड़े हजारों छात्र-छात्राओं के लिए यह एक महत्वपूर्ण सूचना बन गई है.पहले 30 जुलाई को थी निर्धारित : यह परीक्षा पहले 30 जुलाई 2025 को आयोजित होने वाली थी और इसकी तैयारी विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा अंतिम चरण में थी. लेकिन अब इसे स्थगित कर दिया गया है.विश्वविद्यालय ने दी नई तिथि की जानकारी : विश्वविद्यालय परीक्षा नियंत्रक ने रविवार को छात्रहित में सूचना जारी करते हुए बताया कि अब यह परीक्षा आगामी 2 अगस्त 2025 को आयोजित की जाएगी.अधिसूचना संख्या टवए-1077/2025 के तहत आदेश : शास्त्रीनगर, मुंगेर विश्वविद्यालय द्वारा 27 जुलाई 2025 को जारी अधिसूचना (सूचना सं. टवए-1077/2025) के अनुसार, परीक्षा को अपरिहार्य कारणों से स्थगित किया गया है. परीक्षा केंद्र में नहीं हुआ कोई बदलाव : जारी सूचना के मुताबिक, परीक्षा पूर्व निर्धारित केंद्रों पर ही आयोजित की जाएगी. विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि परीक्षा के शेष सभी निर्देश पूर्ववत ही मान्य रहेंगे. छात्रों को दी गई सलाह : छात्रों को सलाह दी गई है कि वे मुंगेर विश्वविद्यालय की वेबसाइट अथवा संबंधित कॉलेजों के माध्यम से निरंतर अपडेट लेते रहें.

संक्षिप्त समाचार

कैमूर में भाई ने भाई को सिर में मारी गोली, ड्रोन की मदद से शिकंजे में आरोपी

संवाददाता द्वारा

कैमूर : कैमूर जिले में एक भाई ने बड़े भाई के सिर में गोली मार दी. गोली मारने के बाद वह छत पर चढ़कर बंद कर लिया और हथियार लहराता रहा. ये ड्राम घंटों चलता रहा. पुलिस भी आई लेकिन वो भी बेबस दिखी. फिर पुलिस ने ड्रोन की मदद ली.भाई ने भाई के सिर में मारी गोली : मामला रामगढ़ थाना क्षेत्र स्थित रामगढ़ बाजार का है जहां पारिवारिक विवाद ने हिंसक रूप ले लिया. छोटे भाई अंजनी ने बड़े भाई अखिलेश राम को सिर में गोली मार दी. उसे जख्मी हालत में अस्पताल ले जाया गया.घायल भाई को बनारस किया गया रेफर : घटना के बाद घायल को तत्काल रामगढ़ रेफरल अस्पताल ले जाया गया. प्राथमिक इलाज के बाद हालत गंभीर होने पर उसे बनारस रेफर कर दिया गया. छत पर आरोपी का हाई वोल्टेज ड्रामा : घटना के बाद आरोपी भाई छत पर चढ़ गया और दरवाजा बंद कर लिया. सूचना मिलने पर रामगढ़ पुलिस मौके पर पहुंची. लेकिन उसे उतारने में पुलिस के पसीने छूट गए.पुलिस और डीएसपी की कार्रवाई : मोहनिया डीएसपी प्रदीप कुमार घटनास्थल पर पहुंचे और आरोपी को समझाने की कोशिश की. लेकिन आरोपी छत से देसी कट्टा लहराता रहा और घंटों ड्रामा करता रहा.

दुष्कर्म पीड़िता की शिकायत दर्ज नहीं करने पर थानेदार लाइन हाजिर, 4 SHO पर भी गिरी गाज

क्राइम संवाददाता द्वारा

पटनाः राजधानी पटना में एक दुष्कर्म पीड़िता के प्रति थाना प्रशासन की गंभीर लापरवाही के आरोपों ने पुलिस महकमे में हलचल मचा दी है. कंकड़बाग थाने के थानेदार सहित कई अन्य वरीय पुलिस अधिकारियों पर बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई करते हुए उन्हें हटा दिया गया है. पुलिस मुख्यालय ने इस मामले में संबंधित थानेदार पर कड़ी कार्रवाई की है. साथ ही चार अन्य थानाध्यक्षों (एसएचओ) को भी लाइन हाजिर कर दिया गया है. नप गए लापरवाह पुलिस अधिकारीः दरअसल, एक दुष्कर्म पीड़िता अपनी शिकायत दर्ज कराने के लिए कंकड़बाग थाने में पहुंची थी लेकिन आरोप है कि थानेदार मुकेश कुमार ने उसकी शिकायत दर्ज करने की बजाय उसे दानापुर थाने जाने को कहा. यह कार्रवाई विवादों में घिर गई क्योंकि कंकड़बाग पुलिस के पास 'जीरो एफआईआर' दर्ज करने का प्रावधान था. बिहार पुलिस मुख्यालय का सख्त आदेश है कि पीड़ित की शिकायत तुरंत दर्जी जाए. पुलिस लाइन भेजे गए थानेदारः इस घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस मुख्यालय ने तत्काल प्रशासनिक कदम उठाए है. कंकड़बाग थानेदार मुकेश कुमार को उनके पद से हटाकर तुरंत पुलिस लाइन भेज दिया गया है. इसके अतिरिक्त अन्य कारणों और शिकायतों के आधार पर चार अन्य थानाध्यक्षों को भी उनके पदों से हटाकर लाइन हाजिर कर दिया गया है. 4 एसएचओ भी हटाए गएः सुल्तानगंज थानेदार मनोज कुमार, पीरबहोर थानेदार अब्दुल हलीम, चौक थानाध्यक्ष दुष्यंत कुमार सिंह और बेऊर थानेदार अमरेंद्र कुमार को हटाए गए अधिकारियों के स्थान पर त्वरित रूप से नए अधिकारियों को नियुक्त किया गया है. इन पांचों को पुलिस केंद्र (पटना) में नई पदस्थापना मिली है.

कौन है नीतीश के गृह जिले नालंदा का नवीन कुमार? 'मन की बात' में पीएम मोदी ने की जमकर तारीफ

संवाददाता द्वारा

नालंदाः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 124वें एपिसोड में नालंदा जिले के नेपुरा गांव के बुनकर नवीन कुमार का जिक्र किया। पीएम मोदी ने नवीन की मेहनत और परंपरा के साथ तकनीक को अपनाने की उनकी पहल को सराहा। इस घोषणा के बाद गांव में खुशी का माहौल है और बुनकर समाज में एक नई ऊर्जा का संचार हुआ है। पीएम मोदी ने कहा कि नवीन का परिवार पीढ़ियों से बुनाई के कार्य से जुड़ा है और अब उन्होंने आधुनिक तकनीक का उपयोग कर इस कला को और आगे बढ़ाया है। नवीन की आंखें नम :पीएम मोदी की ओर से की गई इस प्रशंसा को सुनने के बाद नवीन की आंखें नम हो गईं। उन्होंने कहा, पहली बार हमें लगा कि कोई हमारी बात सुन रहा है। उम्मीद है कि अब हमारी समस्याओं पर ध्यान दिया जाएगा। नवीन कुमार, जो कि नेपुरा प्राथमिक बुनकर सहयोग समिति के सचिव भी हैं, बताते हैं कि पहले काम पारंपरिक पिट लूम पर होता था, जिसमें जमीन में गड्ढा खोदकर करघा लगाया जाता था। लेकिन अब वस्त्र मंत्रालय की पहल से उन्हें आधुनिक फ्रेम लूम मिले हैं, जो ज्यादा सुविधाजनक और कम जगह में लगाए जा सकते हैं। पीएम मोदी ने यह भी बताया कि नवीन के बच्चे अब हैंडलूम टेक्नोलॉजी की पढ़ाई कर रहे हैं और बड़े ब्रांड्स के साथ काम कर रहे हैं। नवीन के अनुसार, बुनकर कोटे के तहत कई बच्चे NIFT जैसे संस्थानों में प्रवेश पा रहे हैं, जिससे यह कला नई पीढ़ी में भी जीवित रहेगी। हालांकि, नवीन ने चुनौतियों का जिक्र करते हुए कहा कि सबसे बड़ी समस्या बाजार और समय पर भुगतान है। उन्होंने बताया कि हमारा तैयार कपड़ा पटना और दिल्ली के मॉल तक पहुंचता है, लेकिन पेमेंट तभी होता है जब सामान बिकता है। ऐसे में नए ऑर्डर के लिए धागा खरीदना मुश्किल हो जाता है। बाजार व्यवस्था की परेशानी :नवीन ने सरकार से स्थायी बाजार व्यवस्था और समय पर भुगतान सुनिश्चित करने की मांग की। साथ ही, उन्होंने बुनकरों के लिए पेंशन योजना लागू करने की अपील की, ताकि उनका भविष्य सुरक्षित हो सके। ध्यान रहे कि नालंदा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का गृह जिला है। यही के रहने वाले नवीन कुमार की तारीफ पीएम मोदी ने की है। उसके बाद जिले में खुशी की लहर दौड़ गई है। बुनकरों को भरोसा है कि उनकी समस्या का भी निदान बहुत जल्द होगा।

समस्तीपुर में शराब सिंडिकेट का भंडाफोड़ः मुख्य आरोपी समेत चार गिरफ्तार

क्राइम संवाददाता द्वारा

समस्तीपुर :समस्तीपुर पुलिस को वाहन चेकिंग के दौरान बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने कुख्यात शराब सिंडिकेट संचालक नवीन सिंह गिरोह के सदस्य रूपेश चौधरी समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार लोगों में एक किशोर भी शामिल है। इनके पास से दो देसी पिस्टल, कारतूस और बड़ी मात्रा में स्प्रिट बरामद की गई है।

गिरफ्तार बदमाशों में मुसरीघरारी थाना क्षेत्र के फतेहपुर गांव निवासी रूपेश चौधरी, कपूरीग्राम थाना क्षेत्र के बाढ़ी गांव निवासी अभिषेक उर्फ लक्ष्मी, फतेहपुर गांव निवासी विकास कुमार और एक किशोर सुमन सौरभ (निवासी कपूरीग्राम) शामिल हैं। पुलिस अधीक्षक (एसपी) संजय पांडेय ने बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि अपराधी रूपेश चौधरी एक किशोर के साथ स्कूटी पर सवार होकर निकल रहा है। सूचना के आधार पर एनएच पर चेकिंग अभियान चलाया गया। इसी दौरान रूपेश को रोका गया, जिसकी तलाशी में एक देसी पिस्टल और स्प्रिट बरामद हुई।

एसपी ने बताया कि हाल ही में रूपेश की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी, जिसमें वह दो पिस्टल के साथ दिखाई दे रहा था। पूछताछ में रूपेश ने बताया कि पिस्टल उसके साथी अभिषेक के पास है। इसके बाद पुलिस ने अभिषेक के घर छापेमारी की, जहां से विकास और सुमन सौरभ को भी गिरफ्तार किया गया। यहां से एक और पिस्टल बरामद की गई।

पूछताछ में पता चला कि यह गिरोह स्प्रिट से मिलावटी शराब तैयार करता था और उसका अवैध कारोबार करता था। रूपेश का संबंध कुख्यात शराब माफिया ननकी से भी बताया जा रहा है। गिरोह का मकसद इलाके में दबदबा बनाना था, जिसके लिए ये हथियारों के साथ अपनी तस्वीरें वायरल करते थे।

गिरफ्तार रूपेश चौधरी पर हत्या, लूट समेत कुल आठ गंभीर मामले मुसरीघरारी थाना में दर्ज हैं। वर्तमान में वह एक पुराने मामले में जमानत पर था। पुलिस अब कोर्ट से उसकी बेल रद्द करने की अनुशंसा करेगी। वहीं गिरफ्तार किशोर को बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जबकि अन्य तीनों को जेल भेज दिया गया है। एसपी संजय पांडेय ने कहा कि जिले में अपराध और अवैध शराब कारोबार पर सख्ती से कार्रवाई जारी रहेगी। जो भी इसमें शामिल होंगे, उन्हें किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

राज्यरानी एक्सप्रेस में सक्रिय गिरोह के 3 स्नैचर बेगूसराय स्टेशन से गिरफ्तार

क्राइम संवाददाता द्वारा

बेगूसराय :अगर आप राज्यरानी सुपरफास्ट एक्सप्रेस से सफर करते हैं और खासकर गहने पहनकर यात्रा करते हैं, तो यह खबर आपके लिए बेहद अहम है। बेगूसराय रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ और जीआरपी की संयुक्त कार्रवाई में तीन स्नैचर गिरफ्तार किए गए हैं, जो ट्रेन में चढ़ने-उतरने के दौरान यात्रियों को भीड़ में घेरकर कीमती सामान और गहनों की चोरी करते थे। इनके पास से सोने का लॉकेट और दो मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। घटना शनिवार दोपहर की है जब गाड़ी संख्या 12568 राज्यरानी एक्सप्रेस बेगूसराय स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 2 पर पहुंची। यात्रियों के चढ़ने-उतरने के क्रम में अचानक किसी ने चोर-चोर की आवाज लगाई। प्लेटफॉर्म पर मौजूद आरपीएफ इंस्पेक्टर अरविंद कुमार सिंह, जीआरपी थाना प्रभारी सुशील कुमार और अन्य जवानों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए प्लेटफॉर्म 3 की उत्तर दिशा में तीन संदिग्धों को घेराबंदी कर दबोच लिया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में पहला नाम है मो. कादिर, जो बलिया जिले का रहने वाला है। उसके पास से एक सोने का ढोलना (लॉकेट) और डढडड कंपनी का स्मार्टफोन बरामद हुआ। दूसरा आरोपी है बाबू शाह उर्फ छोटू सोनी, निवासी केशावे, थाना रिफाइनरी, जिला बेगूसराय, जिसके पास से नोकिया का कीपैड मोबाइल बरामद हुआ। तीसरे आरोपी मंगल साह, निवासी उजियारपुर, समस्तीपुर, के पास से हालांकि कुछ नहीं मिला, लेकिन पूछताछ में उसने एक और साथी अखिलेश साह का नाम उजागर किया, जो महिला के गहने लेकर मौके से फरार हो गया। गिरफ्तारी के बाद स्मिता कुमारी और निभा देवी नामक दो महिला यात्रियों ने इन आरोपियों की पहचान की और बताया कि ये सभी गाड़ी के दरवाजे पर जानबूझकर भीड़ जमा कर उनके गले से गहने चुरा ले गए। सीसीटीवी फुटेज में भी इन आरोपियों को महिलाओं को घेरते और गहना चुराते साफ देखा गया है। घटना को लेकर आरपीएफ अधिकारी श्रीनिवास कुमार के लिखित आवेदन पर जीआरपी बेगूसराय में एफआईआर दर्ज की गई है। फरार आरोपी अखिलेश साह की तलाश की जा रही है। इस कार्रवाई में आरपीएफ इंस्पेक्टर अरविंद कुमार सिंह, जीआरपी थाना प्रभारी सुशील कुमार, एसआई श्रीनिवास कुमार सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे।

क्या शराबबंदी पर स्टैंड बदलने वाले हैं तेजस्वी? बिहार चुनाव के बाद ये काम करने के संकेत

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

पटनाः बिहार में शराबबंदी को लेकर फखऊ नेता तेजस्वी यादव ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि अगर उनकी सरकार बनती है तो शराबबंदी पर दोबारा विचार किया जा सकता है। तेजस्वी यादव ने कहा कि इस बारे में लोगों और सरकारी अफसरों से बात की जाएगी। उसके बाद ही कोई फैसला लिया जाएगा। बिहार में शराबबंदी 9 साल पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने लागू की थी। तेजस्वी यादव ने कहा, 'अगर किसी भी मुद्दे पर कोई सवाल उठता है, तो उस पर चर्चा होनी चाहिए। वे शराबबंदी के मुद्दे पर खुली चर्चा के लिए तैयार हैं। सरकार बनने पर समाज के बुद्धिजीवियों से भी इस बारे में बात की जाएगी।' शराबबंदी पर स्टैंड बदलने वाले हैं तेजस्वी?:वैसे, जिस वक्त बिहार में शराबबंदी कानून लागू हुआ था, उस वक्त आरजेडी नीतीश सरकार में शामिल थी। तेजस्वी यादव बिहार के डिप्टी सीएम थे। अब राजद विपक्ष में है। तेजस्वी यादव ने अक्सर शराबबंदी के फेल होने और नकली शराब से लोगों की मौत के मुद्दे को उठाते रहते हैं। अब समय के साथ शराबबंदी पर राजद या यूं कहें कि तेजस्वी ने स्टैंड बदलने के संकेत दिए हैं। वैसे, बिहार चुनाव में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे प्रशांत किशोर ने बिना लाग-लपेट के वादा किया है कि अगर उनकी पार्टी सत्ता में आई तो शराबबंदी कानून को हटा देगी। 2016 में लागू हुई थी शराबबंदी कानून :बिहार में 2016 से शराबबंदी लागू है। नीतीश सरकार का दावा है कि इससे सामाजिक समस्याओं को कम करने में मदद मिली है, लेकिन सरकार को राजस्व का नुकसान भी हुआ है। साथ ही, शराब माफिया भी बढ़ गए हैं। ऐसा कहा जाता है कि शराबबंदी से सरकार को हर साल लगभग 3000 करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है। इससे शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी योजनाओं पर असर पड़ रहा है। नीतीश को मिला था महिलाओं का समर्थन :नीतीश कुमार ने जब शराबबंदी लागू की थी, तो महिलाओं ने उनकी पार्टी को बहुत समर्थन दिया था। पहले शराबबंदी की आलोचना भी हुई थी। यहां तक कि हाई कोर्ट ने भी इस कानून को रद्द कर दिया था और इसके नियमों को 'अनुचित और कठोर' बताया था। 2018 में शराबबंदी कानून में दी गई थी ढील :2018 में नीतीश कुमार की सरकार ने कानून में कुछ बदलाव किए थे। उन्होंने शराब की बोतलें मिलने पर परिसर को सील करने या नशे में पाए जाने वाले किसी भी व्यक्ति के घर या गाड़ी को जब्त करने जैसे नियमों में ढील दी थी।

एसएससी परीक्षा रद्द होना प्रशासनिक भ्रष्टाचार का नतीजा- राहुल गांधी

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने देश में कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) की चयन पोस्ट फेज-13 परीक्षा को पहले ही दिन तकनीकी खराबी के कारण कई केंद्रों पर रद्द करने को सरकार और सिस्टम की नाकामी बताया है। उन्होंने कहा कि यह प्रशासनिक भ्रष्टाचार और परीक्षा माफिया के गठजोड़ का नतीजा है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पोस्ट में बिहार में अभ्यर्थियों के 400 से 500 किलोमीटर दूर जाकर परीक्षा देने का जिक्र करते हुए कहा कि सिस्टम की लापरवाही से इतनी दूर से परीक्षा देने आए लोगों और उनके परिवार का समय और मेहनत बर्बाद हो रही है। उन्होंने पिछले 10 सालों में नीट, यूजीसी नेट, यूपीएससी, बीपीएससी और बोर्ड परीक्षाओं में खुलेआम धांधली का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पिछले 10 साल की धांधली में 85 लाख बच्चे प्रभावित हुए हैं। इन धांधलियों को सरकार रोकने में पूरी तरह से नाकाम रही है। भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता और सुधार के उसके बड़े-बड़े वादे खोखले साबित हुए हैं।

सांसद अनुराग ठाकुर ने मां भारती का प्रचंड जयघोष करके जगाई देश भक्ति

नई दिल्ली। पाकिस्तान के खिलाफ 1999 में दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्र कारगिल में लड़ी गई लड़ाई का विजय दिवस शनिवार को राजधानी के डॉ. आंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र में भी मनाया गया। नन्हे-मुन्ने बच्चों ने सेना की वर्दी में रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत करके राष्ट्र भक्ति का जोश भर दिया। मुख्य अतिथि सांसद अनुराग ठाकुर ने मां भारती का प्रचंड जयघोष करके देश भक्ति जगाने का कार्य किया। विशिष्ट अतिथि लेफ्टिनेंट जनरल विनोद खंडारे ने युवा छात्रों को राष्ट्र के लिए योगदान देने की उनकी क्षमता के बारे में बताया। देशभर में आज 26वां कारगिल विजय दिवस मनाया गया, क्योंकि भारत 1999 में ऑपरेशन विजय के दौरान अपने सशस्त्र बलों के अदम्य साहस और सर्वोच्च बलिदान को श्रद्धांजलि अर्पित करता है। उनके अटूट संकल्प ने निर्णायक विजय दिलाई और राष्ट्रीय संप्रभुता को अक्षुण्ण रखा। इसी मौके पर डॉ. अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र (डीएआईसी) में कर्नल आकाश पाटिल की देखरेख में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कारगिल में भारतीय सेना की विजय, देश की विरासत है' टैगलाइन के तहत स्कूली बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किये। सेना की वर्दी में बच्चों ने देशभक्ति का जोश भरा। हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर से सांसद एवं कोयला, खान और इस्पात संबंधी संसदीय स्थायी समिति के अध्यक्ष अनुराग ठाकुर बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। उन्होंने कहा कि कारगिल विजय दिवस हमारे वीर जवानों की अदम्य साहस और शौर्य की गौरव गाथा है। आज का दिन 1999 का वह दिन याद दिलाता है, जब पाकिस्तानी सेना नापाक इरादे लेकर भारतीय सीमा में दाखिल हुई थी ।

प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना पर कांग्रेस नेता जयराम रमेश बोले- घोषणाओं पर अमल नहीं

नई दिल्ली। कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना (पीएमआईएस) पर कहा कि इस योजना के लिए आवंटित फंड का उपयोग लगातार घट रहा है। घोषणाओं पर अमल नहीं हो रहा है और जो इंटर्नशिप पूरी हुई हैं, उनकी संख्या बेहद कम है। यह योजना कांग्रेस की 2024 लोकसभा चुनाव की गारंटी पहली नौकरी पक्की से प्रेरित है, लेकिन इसे एक ऐसी सरकार चला रही है जिसमें प्रशासनिक कौशल का भारी अभाव है। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि योजना के दूसरे चरण में 1.18 लाख इंटर्नशिप अवसर घोषित किए गए, लेकिन केवल 71,458 ऑफर ही दिए गए, जो पहले चरण की तुलना में 13 फीसदी कम हैं। चिंता की बात यह है कि इनमें से सिर्फ 22,584 ऑफर ही उम्मीदवारों द्वारा स्वीकार किए गए, जबकि पहले चरण में यह संख्या 28,000 थी। पहले चरण में ऑफर स्वीकारने वाले छात्रों में से भी केवल 8,725 छात्रों ने ही वास्तव में इंटर्नशिप शुरू की, जो कुल का केवल 7 फीसदी है। रमेश ने कहा कि इस चरण में कितने छात्रों ने इंटर्नशिप जॉइन की, इसकी कोई सार्वजनिक जानकारी अब तक उपलब्ध नहीं कराई गई है। इस योजना के लिए आवंटित फंड का उपयोग लगातार घट रहा है और जो इंटर्नशिप पूरी हुई हैं, उनकी संख्या बेहद कम है, जबकि सरकार ने अगले पांच वर्षों में 1 करोड़ इंटर्नशिप का लक्ष्य रखा है।

एक करोड़ की रंगदारी मांगने वाला आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली। उत्तर-पश्चिम दिल्ली जिला पुलिस ने एक करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने वाले एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। आरोपित खुद को कुख्यात गैंगस्टर नवीन बाली बताकर व्यापारियों को धमका रहा था। पुलिस की संयुक्त टीम स्पेशल स्टाफ और थाना आदर्श नगर ने आरोपित को हरियाणा के सोनीपत से गिरफ्तार किया। उत्तर पश्चिमी जिले के डीसीपी भीष्म सिंह के अनुसार पकड़े गए आरोपित की पहचान सोनीपत निवासी संजय (50) के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपित के पास से एक लिखी हुई पर्ची बरामद हुई है जिसमें एक व्यापारी का मोबाइल नंबर लिखा हुआ था। डीसीपी के अनुसार शिकायतकर्ता ने 24 जुलाई को थाना आदर्श नगर में शिकायत दी कि उसे 3 जुलाई को एक अज्ञात नंबर से कॉल आया था। कॉल करने वाले ने खुद को गैंगस्टर नवीन बाली बताया और एक करोड़ की रंगदारी मांगी।

दुनिया में पीएम मोदी का फिर से बजा डंका, सबसे लोकप्रिय नेता के तौर पर बरकरार

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर वैश्विक मंच पर अपनी लोकप्रियता का परचम लहराया है। बिजनेस इंटेलिजेंस और डेटा एनालिटिक्स कंपनी मॉर्निंग कंसल्ट के जुलाई के एक सर्वे रिपोर्ट के अनुसार, पीएम मोदी को 75 प्रतिशत लोगों की 'अप्रूवल रेटिंग' प्राप्त हुई है, जो उन्हें दुनिया के अन्य सभी नेताओं से आगे खड़ा करती है। यह सर्वेक्षण दुनिया के प्रमुख 20 नेताओं की लोकप्रियता पर आधारित है, जिसमें भारत के प्रधानमंत्री ने अमेरिका, जर्मनी, इटली, ब्राजील और नीदरलैंड्स जैसे देशों के नेताओं को भी पीछे छोड़ दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, पीएम मोदी को जहां 75 प्रतिशत जनता का समर्थन मिला, वहीं सिर्फ 18 प्रतिशत लोगों ने उनके कार्यों को लेकर असहमति जताई और 7 प्रतिशत लोगों ने कोई राय नहीं दी। यह आंकड़ा पीएम मोदी को

उनके समकक्षों में सबसे ऊपर रखता है। पीएम मोदी के बाद दूसरे स्थान पर दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे-मयोंग (59 प्रतिशत) और तीसरे नंबर पर अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर मिली (57 प्रतिशत) हैं। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी (56 प्रतिशत) और ऑस्ट्रेलिया के पीएम एंथनी अल्बानीज (54 प्रतिशत) भी शीर्ष पांच में शामिल हैं।

वहीं, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को केवल 44 प्रतिशत अप्रूवल रेटिंग मिली है और 50 प्रतिशत लोगों ने उनसे असहमति जताई। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी और दक्षिण अफ्रीका के सिरिल रामाफोसा को 54 प्रतिशत नकारात्मक राय झेलनी पड़ी।

स्विट्जरलैंड, पोलैंड, और बेल्जियम जैसे देशों में नेताओं की लोकप्रियता का स्तर 50 प्रतिशत से नीचे रहा। सबसे निचले पायदान पर ब्राजील के लूला दा सिल्वा और नॉर्वे के जोनास गाहर स्टोरे रहे, जिन्हें 60 प्रतिशत लोगों ने अस्वीकार किया।

विशेषज्ञों का मानना है कि पीएम मोदी की अंतरराष्ट्रीय छवि, मजबूत नेतृत्व और घरेलू नीतियों में निर्णायक फैसले उन्हें दुनिया के नेताओं में अलग पहचान देते हैं। ये आंकड़े वैश्विक राजनीति में भारत की बढ़ती साख और पीएम मोदी के नेतृत्व की प्रभावशीलता को दर्शाते हैं।

भारत की कंबोडिया-थाईलैंड सैन्य संघर्ष पर करीबी नजर, नागरिकों को दूतावास से संपर्क की सलाह

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत कंबोडिया और थाईलैंड के बीच में जारी सैन्य संघर्ष पर करीबी नजर बनाए हुए हैं। विदेश मंत्रालय ने इन देशों की यात्रा पर गए भारतीयों को किसी भी सहायता के लिए संबंधित दूतावासों से संपर्क करने का सुझाव दिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक बयान में कहा कि भारत के दोनों देशों से करीबी और मित्रता पूर्ण संबंध है। हम आशा करते हैं कि दोनों पक्ष आपसी शत्रुता समाप्त करने के लिए उचित कदम उठाएंगे ताकि संघर्ष और अधिक न बढ़े। विदेश मंत्रालय ने संबंधित दूतावासों के फोन नंबर भी जारी किए हैं जो इस प्रकार हैं- बैंकॉक, थाईलैंड में भारतीय दूतावास- हेल्पलाइनः +66 61 881 9218 (व्हाट्सएप कॉल के लिए भी)।

नोम पेन्ह, कंबोडिया में भारतीय दूतावास- हेल्पलाइनः +855 92 881 676 (व्हाट्सएप कॉल के लिए भी)। उल्लेखनीय है कि थाईलैंड और

कंबोडिया के बीच सीमा विवाद के चलते हाल के दिनों में सैन्य संघर्ष तेज हो गया है। दोनों पक्षों की ओर से की गयी सैन्य कार्रवाई में सैनिकों और नागरिकों की जान गयी है। हालात को देखते हुए अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने संयम बरतने और बातचीत से समाधान निकालने की अपील की है।

सुप्रीम कोर्ट पहुंची दिल्ली सरकार, पुराने वाहनों पर रोक के आदेश पर पुनर्विचार की मांग

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाकर दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में चल रहे 10 साल से अधिक पुराने डीजल वाहनों और 15 साल से अधिक पुराने पेट्रोल वाहनों पर लगे प्रतिबंध की समीक्षा करने की मांग की। दिल्ली सरकार का तर्क है कि मौजूदा पॉलिसी से मध्यम वर्ग पर अनुचित दबाव पड़ रहा है। रेखा गुप्ता सरकार ने 2018 के उस नियम पर पुनर्विचार करने की मांग की है जिसमें पुरानी गाड़ियों पर प्रतिबंध है। सुप्रीम कोर्ट से अनुरोध किया गया है कि वह केंद्र सरकार या वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) को एक व्यापक वैज्ञानिक अध्ययन करने का निर्देश दे। यह अध्ययन वाहनों की उम्र के आधार पर लगाए गए प्रतिबंध के वास्तविक पर्यावरणीय प्रभाव का आकलन करेगा और मूल्यांकन करेगा कि क्या यह कदम राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में वायु गुणवत्ता सुधार में महत्वपूर्ण योगदान देता है।

याचिका में इस बात पर जोर दिया गया है कि सभी वाहनों पर पूर्ण

प्रतिबंध को लेकर पड़ने वाले असर और निष्पक्षता की दोबारा जांच की जाए। सरकार एक अधिक सटीक, उत्सर्जन-आधारित नियामक ढांचे की वकालत करती है, जो वाहन की उम्र के बजाय उससे होने वाले वायु प्रदूषण और गाड़ी की फिटनेस को ध्यान में रखे। मौजूदा नियम सभी वाहनों के लिए एकसमान अनुपालन की मांग करता है, चाहे वे बहुत प्रदूषण फैलाने वाले हों या अच्छी तरह से रखरखाव किए गए, कम उपयोग वाले वाहन हों। यह क्षेत्र में प्रदूषण के स्तर को प्रभावी ढंग से कम करने के व्यापक लक्ष्य के साथ मेल नहीं खाता। दिल्ली सरकार ने बताया कि बीएस-6 वाहन, जो स्वच्छ उत्सर्जन मानक के तहत लाए गए हैं, बीएस-4 वाहनों की तुलना में काफी कम प्रदूषण फैलाते हैं। सरकार ने तर्क दिया कि वर्तमान में प्रतिबंध से प्रभावित कई वाहन अच्छी तरह से रखरखाव किए हुए हैं और जरूरी मानदंडों का पालन करते हैं। विभिन्न अध्ययनों का हवाला देते हुए सरकार ने कहा है कि कम इस्तेमाल होने वाली पुरानी गाड़ियों से प्रदूषण बहुत कम होता है। यह प्रतिबंध मध्यम वर्ग के लोगों पर अनावश्यक बोझ डाल रहा है, जो इन गाड़ियों का इस्तेमाल सीमित लेकिन जरूरत के अनुसार करते हैं। सरकार चाहती है कि प्रदूषण नियंत्रण के लिए अधिक वैज्ञानिक और निष्पक्ष उपाय किए जाएं।

सामाजिक संस्थाएं समाज की रीढ़ की तरह कार्य करती हैं : मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने उत्तरी दिल्ली के बुराड़ी इलाके में 201 कामकाजी महिलाओं से बातचीत की, जिन्हें अपने व्यवसायों को मज़बूत करने और आजीविका में सुधार लाने के लिए ब्याज मुक्त ऋण मिले। मुख्यमंत्री ने कहा, महिला कल्याण हमारे एजेंडे में सबसे ऊपर है। हम विभिन्न योजनाओं के माध्यम से कामकाजी महिलाओं के आर्थिक उत्थान को सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने राष्ट्र निर्माण में अमूल्य योगदान देते हुए जीवन को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले सामाजिक संगठनों की भी प्रशंसा की। बुराड़ी कार्यक्रम में मुख्यमंत्री का भव्य स्वागत किया गया और एक बयान में कहा गया कि बुराड़ी बाईपास से स्वरूप नगर तक के मार्ग को सजावट से सजाया गया था। उनके पहुँचते ही स्थानीय निवासियों ने उन पर फूल बरसाए और सरकार के समर्थन में नारे लगाए। इस कार्यक्रम में सांसद मनोज तिवारी, विधायक अजय महावर और राजकुमार भाटिया, महापौर राजा इकबाल सिंह और नगर निगम में सदन के नेता प्रवेश वाही उपस्थित थे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य दयानंद, रवि बंसल और किरण चोपड़ा जैसे प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता और सामुदायिक नेता भी उपस्थित थे। इससे पहले, मुख्यमंत्री ने पीतमपुरा के टीपी, वीपी, एलपी और एचडी ब्लॉक में 60 लाख रुपये की लागत से निर्मित नई सीवर लाइनों का उद्घाटन किया। उन्होंने एसपी-1 और एसपी-65 के बीच 11 लाख रुपये के बजट से विकसित एक नवनिर्मित सड़क का भी उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री गुप्ता ने कहा कि एसपी और टीपी ब्लॉक में अन्य गलियों को जोड़ने के लिए 91 लाख रुपये के टेंडर पहले से ही प्रक्रिया में हैं। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि निवासियों के दीर्घकालिक लाभ सुनिश्चित करने के लिए ये कार्य योजनाबद्ध तरीके से किए जा रहे हैं। उन्होंने वीपी और एफपी ब्लॉक में 54 लाख रुपये की लागत वाली इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) पाइपलाइन परियोजना और जेपी और केपी ब्लॉक में 35 लाख रुपये की लागत वाली नई आरएमसी सड़कों का भी उद्घाटन किया। जेपी ब्लॉक में बच्चों के लिए 6 लाख रुपये की लागत से विकसित एक विशेष रूप से डिज़ाइन किया गया खेल का मैदान भी खोला गया। इसके अलावा, जेपी, केपी, एमपी और एलपी ब्लॉक में 1.35 करोड़ रुपये की लागत से आरएमसी सड़कें बनाई जा रही हैं, जबकि जेडी ब्लॉक में 2 लाख रुपये की लागत से एक हाई-मास्ट लाइट लगाई गई है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपने निर्वाचन क्षेत्र में बेहतर प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए 15 नए आरोग्य मंदिर खोलने की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि मैक्स अस्पताल के पास लंबे समय से खाली पड़ी इमारत को जल्द ही एक आधुनिक सुपर-स्पेशलिटी अस्पताल में बदल दिया जाएगा।

राहुल गांधी देश के अच्छे नागरिक बनें : राजीव चंद्रशेखर

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता उदित राज ने राहुल गांधी को ओबीसी समुदाय के लिए दूसरा अंबेडकर बताया है, जिस पर केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने चुटकी लेते हुए कहा कि पहले राहुल गांधी देश के अच्छे नागरिक बनें, लोगों की सेवा करें, उनके हितों के बारे में सोचें, इसके बाद देश की जनता खुद तय कर लेगी कि उन्हें क्या बनाना है।

केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में कहा कि अब यह इंदिरा गांधी का भारत नहीं है, जहां ये लोग हर चीज अपने अनुरूप ढालने की कोशिश करते थे। कल तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने भी इंदिरा गांधी के संदर्भ में कहा था कि वो देवी थीं, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। एक लोकतांत्रिक देश में जनता तय करती है कि मैं कैसा नेता हूं या कोई दूसरा कैसा नेता है। किसी तीसरे व्यक्ति को इस पर टिप्पणी करने का अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि अपने किसी नेता की ओर से कुछ बुलवा लेना कि मैं ये हूं, तो मैं वो हूं। ऐसा नहीं होता

है। शायद ये लोग भूल रहे हैं कि एक लोकतांत्रिक देश में ऐसा संभव नहीं है। एक लोकतांत्रिक देश में जनता तय करती है कि किस नेता को क्या उपाधि देनी है। केंद्रीय मंत्री ने वैश्विक मंच पर बढ़ती प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता पर भी टिप्पणी की और कहा कि निसंदेह इस बात को खारिज नहीं किया जा सकता है कि आज की तारीख में वैश्विक मंच पर पीएम मोदी की लोकप्रियता बढ़ रही है। हर कोई उन्हें सुनने के लिए आतुर है। जब वे कहते हैं कि यह समय युद्ध का नहीं है, तो सभी लोग उनकी बातों को गंभीरता से लेते हैं और उनकी बातों को सुनते हैं। उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी देश में ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में सबसे लोकप्रिय नेता के रूप में उभरकर सामने आए हैं। वे आज लोगों के लिए प्रेरणास्रोत हैं जिन्हें आज हर कोई सुनना चाहता है। विदेश में भी प्रधानमंत्री को लोग सुनना चाहते हैं। इसके अलावा, उन्होंने 'कारगिल विजय दिवस' पर कहा कि आज का दिन हमारे लिए बहुत अहम है, क्योंकि आज से 26 साल पहले आज ही के दिन भारतीय सेना ने पाकिस्तानी सैनिकों को धूल चटाते हुए जीत हासिल की थी। भारतीय सेना ने पाकिस्तानी सेना के नापाक इरादों को नाकाम कर जीत का परचम लहराया था।उन्होंने कहा कि आज के दिन में हर साल मैं नेशनल वॉर मेमोरियल पर आकर वीरगति को प्राप्त हुए सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं, उन्हें सम्मान देता हूं। हमें यह कभी नहीं भूलना चाहिए कि हमारे देश की सुरक्षा के लिए सैनिकों ने अपने प्राणों न्योछावर किए। बता दें कि कांग्रेस नेता उदित राज ने राहुल गांधी की तुलना बाबासाहेब अंबेडकर से की थी। उन्होंने कहा था कि अगर ओबीसी समुदाय राहुल के विचारों का समर्थन करे, तो वे उनके लिए 'दूसरे अंबेडकर' साबित होंगे।

मनोज तिवारी ने भिखारी ठाकुर को भारत रत्न देने की मांग की

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद मनोज तिवारी ने गृहमंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर भोजपुरी गायक भिखारी ठाकुर को भारत रत्न दिए जाने की मांग की है। सांसद तिवारी ने अपने पत्र में कहा है कि भिखारी ठाकुर ने भोजपुरी समाज की पीड़ा, बाल विवाह, विस्थापन, नारी सम्मान, जातिगत भेदभाव और सामाजिक कुरीतियों को अपनी लेखनी, संगीत और रंगमंच के माध्यम से प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। उन्होंने न केवल भोजपुरी भाषा को सांस्कृतिक पहचान दी, बल्कि उसे जनचेतना का सशक्त माध्यम भी बनाया।उनकी कालजयी रचनाएं जैसे बिदेसिया, बेटी बेचवा, गबर घिचोर- आज भी समाज में वैचारिक चेतना उत्पन्न करती हैं। वे केवल एक कलाकार नहीं, बल्कि एक युगपुरुष

थे जिन्होंने लोककलाओं को जनांदोलन का रूप दिया। ऐसे विरले व्यक्तित्व को भारत रत्न से सम्मानित करना न केवल भोजपुरी समाज, बल्कि संपूर्ण भारतीय लोकसंस्कृति के लिए गर्व की बात होगी। यह सम्मान देश की विविधता में एकता को भी बल देगा।

सिनेमाघरों के लाइसेंस की जिम्मेदारी राजस्व विभाग को सौंपी गई, उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने लिया बड़ा फैसला

एजेंसी

नई दिल्ली । राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में व्यापार को आसान और पारदर्शी बनाने की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाते हुए उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने एक महत्वपूर्ण आदेश जारी किया है। इस आदेश के तहत अब सिनेमा हॉल और थिएटरों को लाइसेंस देने की जिम्मेदारी दिल्ली पुलिस से हटाकर दिल्ली सरकार के राजस्व विभाग को सौंप दी गई है। यह कदम 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' को बढ़ावा देने और लाइसेंस प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने के उद्देश्य से उठाया गया है। उपराज्यपाल द्वारा लिए गए इस निर्णय के अनुसार, अब सिनेमा हॉल के लिए लाइसेंस देने की जिम्मेदारी जिला मजिस्ट्रेट (डीएम) या जिला उपायुक्त (डीसी) की अध्यक्षता में गठित एक समिति को दी जाएगी। यह समिति सिनेमैटोग्राफ अधिनियम, 1952 के अंतर्गत लाइसेंस देने के लिए आवश्यक अनुशंसाएं तैयार करेगी। इस समिति में संबंधित नगर निगम जोन के उपायुक्त, लोक निर्माण विभाग द्वारा नामित संरचनात्मक इंजीनियर, दिल्ली अग्निशमन सेवा द्वारा नामित अग्निसुरक्षा विशेषज्ञ, बिजली विभाग द्वारा नामित विद्युत विशेषज्ञ और जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के

प्रतिनिधि शामिल होंगे। इस कदम से पहले, उपराज्यपाल ने ताजा फैसले में सात तरह के व्यवसायों- स्विमिंग पूल, रेस्टोरेंट, होटल, गेस्ट हाउस, डिस्कोथेक, वीडियो गेम पार्लर, मनोरंजन पार्क और ऑडिटोरियम के लाइसेंस जारी करने की शक्तियां भी दिल्ली पुलिस से हटाकर अन्य विभागों को सौंपी थीं। उपराज्यपाल का मानना है कि दिल्ली में व्यापारिक माहौल को प्रोत्साहित करने के लिए लाइसेंसिंग प्रक्रिया से अनावश्यक जटिलताओं और लाल फीताशाही को हटाना अत्यंत आवश्यक है। आदेश में यह स्पष्ट किया गया है कि भारत सरकार 'मिनिमम गवर्नमेंट, मैक्सिमम गवर्नेंस' की अवधारणा को साकार करने के लिए लाइसेंसिंग प्रक्रियाओं को सरल बनाने की दिशा में कार्य कर रही है। इसी क्रम में दिल्ली पुलिस द्वारा सिनेमैटोग्राफ अधिनियम, 1952 और दिल्ली पुलिस अधिनियम, 1978 की धारा 146 के तहत जो लाइसेंस अब तक जारी किए जा रहे थे, वे 9 जनवरी 2015 को जारी अधिसूचना के विरुद्ध हैं। उस अधिसूचना में यह अधिकार राजस्व विभाग को सौंप दिया गया था। आदेश में यह भी उल्लेख किया गया है कि वर्तमान में एक ही कानून के अंतर्गत अनेक प्राधिकरणों द्वारा समान शक्तियों का उपयोग किया जाना 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' के उद्देश्य में बाधा उत्पन्न कर रहा है और इससे अनुपालन बोझ बढ़ रहा है।

तेजस्वी बताएं चुनाव लड़ेंगे या नहीं - शाहनवाज हुसैन

एजेंसी

नई दिल्ली। भाजपा प्रवक्ता शाहनवाज हुसैन ने आगामी बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनजर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने तेजस्वी से स्पष्ट करने को कहा कि वह चुनाव लड़ेंगे या नहीं। भाजपा प्रवक्ता ने दावा किया कि बिहार की जनता ने एक बार फिर एनडीए सरकार को सत्ता में लाने का मन बना लिया है। बातचीत के दौरान भाजपा प्रवक्ता शाहनवाज हुसैन ने बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के पहले चरण के सफल समापन पर चुनाव आयोग की तारीफ की और विपक्ष, खासकर राजद और तेजस्वी यादव पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने मतदाता सूची के पुनरीक्षण को लेकर भ्रम फैलाने की कोशिश की, लेकिन बिहार की जनता ने इसे नजरअंदाज कर दिया।उन्होंने तर्क देते हुए कहा कि नीतीश सरकार की उपलब्धियों का जिक्र किया, जिसमें पिछले 20 वर्षों में बिहार की प्रगति, मुफ्त बिजली योजना, पेंशन को 400 रुपये से बढ़ाकर 1100 रुपये करना, और पत्रकारों की पेंशन में वृद्धि शामिल है। उन्होंने विपक्ष के एसआईआर पर भ्रम फैलाने के प्रयास को असफल बताया। लालू यादव की ओर से तेजस्वी यादव की तारीफ करने पर उन्होंने इसे 'पिता का

पुत्र के प्रति मोह' बताया है। हुसैन ने कहा कि तेजस्वी यादव कैसा पसीना छुड़वाते हैं। लोकसभा में 40 में से 40 सीट क्यों नहीं जीत लेते? लोकसभा में हारे, विधानसभा में भी हारेंगे। लालू यादव अपने पुत्र के मोह में बोल रहे हैं, इससे ज्यादा क्या करेंगे? कारगिल विजय दिवस पर उन्होंने कहा कि आज भी उस पल को याद करके रोंगटे खड़े हो जाते हैं। यह भारत की सैन्य ताकत है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी हमारी सेना ने पाकिस्तान को महज 22 मिनट में पाकिस्तान को घुटने पर ला दिया।

भारत में स्वास्थ्य की दिशा में बड़ा कदम, 10 करोड़ से ज्यादा महिलाओं की हुई सर्वाइकल कैंसर जांच

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत में सर्वाइकल कैंसर और इससे होने वाली मौतों को रोकने के लिए सरकार लगातार कोशिश कर रही है। सरकार ने संसद के मानसून सत्र के दौरान जानकारी दी कि भारत में गर्भाशय ग्रीवा कैंसर यानी सर्वाइकल कैंसर और इससे होने वाली मौतों को रोकने के लिए अब तक देशभर में 30 साल या उससे अधिक उम्र की 10.18 करोड़ से ज्यादा महिलाओं की जांच की जा चुकी है। यह जांच आयुष्मान आरोग्य मंदिरों (एएएम) में की गई, जो सरकार की ओर से शुरू किए गए स्वास्थ्य केंद्र हैं।

बता दें कि दुनिया भर में सर्वाइकल कैंसर से होने वाली मौतों में से 25 प्रतिशत भारत में होती हैं; इसका मुख्य कारण जानकारी देर से मिलना और फिर इलाज भी देर से शुरू होना है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने कहा, 20 जुलाई तक, नेशनल एनसीडी पोर्टल के आंकड़ों से पता चलता है कि भारत में 30 साल या उससे ज्यादा उम्र की कुल 25.42 करोड़ महिलाएं ऐसी हैं जिन्हें कैंसर की जांच की जरूरत है। अब तक 10.18 करोड़ महिलाओं की जांच हो चुकी है। उन्होंने आगे कहा, ये आंकड़े दिखाते हैं कि सरकार आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के जरिए इंस्पेक्शन विद एसिटिक एसिड) नाम की एक आसान और सस्ती जांच विधि से की जाती है। यह जांच आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के तहत बने सब-हेल्थ सेंटर और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) में की

लोगों को बीमारी से पहले ही बचाने और जांच करने की सुविधा दे रही है। यह उपलब्धि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत एक बड़े कार्यक्रम का हिस्सा है, जो पूरे देश की आबादी के लिए चलाया जा रहा है। इसका मकसद जांच करना, बीमारी को रोकना और इलाज करना है। जाधव ने लोकसभा में बताया, यह योजना 30 से 65 साल की महिलाओं को ध्यान में रखकर बनाई गई है। इन महिलाओं की सर्वाइकल कैंसर की जांच वीआईए (विजुअल जाती है। अगर किसी महिला की रिपोर्ट वीआईए पॉजिटिव आती है, तो उसे बड़े अस्पतालों में भेजा जाता है, जहां उसकी आगे की जांच और इलाज होता है। सरकार ने गांव और छोटे इलाकों में सर्वाइवल कैंसर को रोकने के लिए आशा कार्यकर्ताओं को भी जोड़ा है, जो घर-घर जाकर महिलाओं की जांच के लिए उन्हें जागरूक करती हैं और जांच कराने में मदद करती हैं, ताकि बीमारी समय पर पकड़ी जा सके और रोकी जा सके।

मुनक नहर के किनारे विकसित होगा नया रिवरफ्रंट : मुख्यमंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शालीमार बाग विधानसभा क्षेत्र स्थित पीतमपुरा में विभिन्न विकास कार्यों का उद्घाटन व निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि शालीमार बाग विधानसभा स्थित मुनक नहर के ऊपर जल्द ही एलिवेटेड कॉरिडोर बनना शुरू हो जाएगा। इसके पूरा होने के बाद इलाके के लोगों को ट्रैफिक जाम से मुक्ति मिल जाएगी। उन्होंने कहा कि मुनक नगर के किनारे नया रिवर फ्रंट भी विकसित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने इस दौरान पीतमपुरा के अलग-अलग ब्लॉक में नई सीवर लाइन के निर्माण कार्यों का उद्घाटन किया, जिसकी लागत 60 लाख रुपये है। इसके अलावा कॉलोनी की एक सड़क

का उद्घाटन भी किया।

मुख्यमंत्री ने बताया कि 91 लाख रुपये की लागत से एसपी-टीपी की अन्य गलियों का निर्माण जल्द शुरू होगा। इस दौरान मुख्यमंत्री ने प्रेमबाड़ी पुल से सिंगलपुर गांव तक सड़क चौड़ीकरण परियोजना का निरीक्षण किया और इसे जल्द पूरा करने का निर्देश दिया। साथ ही लाला जगत नारायण मार्ग पर एनएसपी से मधुबन चौक पर प्रस्तावित यू-टर्न (लागत 40 लाख रुपये) का शिलान्यास भी किया। एलिवेटेड रोड से जाम की समस्या खत्म होगी मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने निरीक्षण के दौरान मुनक नहर पर एलिवेटेड रोड परियोजना के बारे में बताया कि यह सड़क इंद्रलोक मेट्रो स्टेशन से लेकर दिल्ली बॉर्डर तक बनेगी और आउटर व इनर रिंग रोड के बीच की कनेक्टिविटी को बेहतर बनाएगी। उन्होंने कहा कि इस रोड के बन जाने से जाम की समस्या बहुत हद तक कम होगी। इस योजना में नहर के दोनों ओर सड़क और ऊपर एलिवेटेड रोड का निर्माण प्रस्तावित है, जिससे यह क्षेत्र दिल्ली के सबसे सुंदर इलाकों में गिना जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

बीमा भारती पर मारपीट और धमकी का आरोप, थाना में आवेदन

पूर्णिया,

रुपौली की पूर्व विधायक और राजद प्रदेश उपाध्यक्ष बीमा भारती एक बार फिर विवादों में हैं। उनकी सौतन गुड़िया मंडल ने उन पर मारपीट करने, जान से मारने की धमकी देने और जबरन मोबाइल छीनने का आरोप लगाया है। इस संबंध में गुड़िया मंडल ने भवानीपुर थाना में रविवार को लिखित आवेदन दिया है। आवेदन में गुड़िया ने बताया कि शनिवार शाम करीब साढ़े चार बजे बीमा भारती भवानीपुर वार्ड संख्या नौ स्थित आवास पर पहुंची और थार गाड़ी की चाबी की मांग करने लगी। जब गुड़िया ने कहा कि चाबी उनके पति अवधेश मंडल के पास है, तो बीमा भारती गुस्से में आ गईं और उन्हें गालियां देने लगीं। साथ ही जान से मारने की धमकी भी दी। गुड़िया मंडल ने आरोप लगाया कि बीमा भारती के सहयोगियों–संजय कुमार, पंकज कुमार और बिजली कुमार ने मिलकर उनका हाथ पकड़ लिया और मोबाइल फोन छीन लिया। उन्होंने यह भी बताया कि इससे पहले भी बीमा भारती कई बार उनके साथ दुर्व्यवहार कर चुकी हैं। गुड़िया शर्मा नामक एक अन्य महिला, जो आवेदन देने में साथ थीं, ने भी आरोप लगाया कि बीमा भारती ने उन्हें चप्पल से पीटा और धमकी दी कि यदि वह गुड़िया मंडल के साथ सोईं, तो उन्हें भी जान से मरवा दिया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि ये सभी घटनाएं रामचंद्र मंडल के इशारे पर की गई हैं, जिनकी आपराधिक गतिविधियों की जांच होनी चाहिए। इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए बीमा भारती ने सभी आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि यह उनके खिलाफ रची गई एक साजिश है। उन्होंने बताया कि जब वह थार लेने गई थीं, उस समय पुलिस पदाधिकारी मनोज कुमार और अन्य पुलिसकर्मी भी मौके पर मौजूद थे। भवानीपुर थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने पुष्टि की है कि आवेदन प्राप्त हुआ है और मामले की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि सत्यता की जल्द ही पुष्टि कर ली जाएगी।

जिला परिषद के नाला निर्माण में अनियमितता का आरोप, ग्रामीणों ने जताया विरोध

पूर्णिया,

भवानीपुर प्रखंड के सोनदीप मिलिक पंचायत अंतर्गत भेलवा गांव में जिला परिषद द्वारा कराए जा रहे नाला निर्माण को लेकर स्थानीय ग्रामीणों ने गहरी नाराजगी जताई है। ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण कार्य में बड़े पैमाने पर अनियमितता बरती जा रही है और घटिया सामग्री का उपयोग हो रहा है। दर्जनों ग्रामीणों ने बताया कि भवानीपुर-फलका मुख्य सड़क मार्ग से दुगार्पुर सड़क के किनारे नहर तक नाला निर्माण कराया जा रहा है, लेकिन निर्माण कार्य में पारदर्शता नहीं है। ग्रामीणों के अनुसार कार्यस्थल पर बोर्ड नहीं लगाया गया है और ढलाई मात्र दो इंच की की गई है, जो दो दिनों में ही टूटकर बिखरने लगी है। उन्होंने बताया कि जब इस संबंध में जिला परिषद के पति से बात की गई तो उन्होंने उल्टे ग्रामीणों को धमकाया। स्थानीय लोगों ने उच्च अधिकारियों से मामले की जांच कर कार्रवाई की मांग की है। इस संबंध में प्रशिक्षु बीडीओ विकास कुमार ने कहा कि उन्हें शिकायत मिली है और बहुत जल्द जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने पटना संग्रहालय के नवनिर्मित गंगा गैलरी, पाटली गैलरी एवं प्रेक्षा गृह का किया उद्घाटन

पटना

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रविवार को पटना संग्रहालय के नवनिर्मित गंगा गैलरी, पाटली गैलरी एवं प्रेक्षा गृह का उद्घाटन किया। उद्घाटन के बाद मुख्यमंत्री ने नवनिर्मित भवन का निरीक्षण किया और वहां लगाये गये प्रदर्शों का अवलोकन किया। उद्घाटन सके बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि पटना संग्रहालय का उन्नयन एवं विस्तारीकरण कार्य बेहतर ढंग से किया जा रहा है। यह पुराना संग्रहालय है। यहां पर कई महत्वपूर्ण पुरातात्विक एवं ऐतिहासिक प्रदर्श रखे गए हैं, उनका रखरखाव और बेहतर ढंग से हो इसलिए भवन का विस्तारीकरण किया गया है। उन्होंने कहा कि संग्रह को बेहतर ढंग से प्रदर्शित करने और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार सुविधाएं विकसित करने के उद्देश्य से इस संग्रहालय का विस्तार किया गया है। गंगा गैलरी, पाटली गैलरी एवं प्रेक्षा गृह अच्छा बना है। लोग यहां आकर प्रदर्शों को देख सकेंगे और उन्हें कई विशिष्ट जानकारियां प्राप्त होंगी। मुख्यमंत्री ने पटना संग्रहालय के पूरे परिसर का निरीक्षण किया और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिया। पटना संग्रहालय के नव निर्मित भवन के उद्घाटन के बाद मुख्यमंत्री बिहार संग्रहालय पहुंचे और वहां संग्रहालय के विभिन्न भागों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने विभिन्न प्रदर्शों को भी देखा। मुख्यमंत्री ने बिहार संग्रहालय तथा पटना संग्रहालय को जोड़नेवाली निमार्णाधीन टनल का निरीक्षण कर कार्य की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्माण कार्य बेहतर ढंग से जल्द पूर्ण करने का निर्देश दिया। इस दौरान मुख्यमंत्री को बिहार संग्रहालय के महानिदेशक अंजनी कुमार सिंह ने टनल से बिहार संग्रहालय में प्रवेश की व्यवस्था, पार्किंग, पर्यटकों को मिलनेवाली अन्य सुविधाओं आदि के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि टनल निर्माण का कार्य जल्द पूरा करें,

बिहार में मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क उन्नयन योजना के तहत बनेंगी 2,944 किमी सड़कें

समस्तीपुर, मधुबनी और दरभंगा जिलों में सर्वाधिक प्रगति

पटना,

बिहार के ग्रामीण इलाकों की सूरत लगातार बदल रही है। मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क उन्नयन योजना (एमएमजीएसयूवाई) के तहत राज्य में पड़े पैमाने पर सड़कों का निर्माण करवाया जा रहा है। राज्य सरकार की यह पहल प्रदेश के सुदूर गांवों को मुख्य सड़कों से जोड़ने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क उन्नयन योजना के तहत अभी राज्यभर में 2,944 किलोमीटर सड़कों का निर्माण और होने जा रहा है। इन सड़कों की संख्या 824 है। इसकी प्रशासनिक स्वीकृति विभाग के स्तर

से मिल चुकी है। इन सभी का निर्माण कार्य जल्द शुरू होने जा रहा है। अब तक इस योजना के तहत 4,45 सड़कों का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। उनकी कुल लंबाई 2,148 किलोमीटर है।

दरअसल, राज्य सरकार के स्तर से ग्रामीण बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में चलाई जा रही इस सड़क निर्माण योजना से सिर्फ सड़कों का ही विकास नहीं हो रहा, बल्कि यह गांवों की आर्थिक धड़कन, रोजगार का जरिया और सामाजिक सशक्तिकरण की एक मजबूत कड़ी बन चुकी है। इन सड़कों ने हजारों गांवों की सूरत बदली है। अब हर मौसम में गांवों को निर्बाध संपर्क, बाजारों तक आसान पहुंच, स्कूलों और स्वास्थ्य केंद्रों तक सरल आवागमन जैसी मूलभूत सुविधाएं प्रदान की हैं।

इस योजना के कार्यान्वयन से स्थानीय स्तर पर रोजगार के हजारों अवसर उत्पन्न हुए हैं। कृषि उत्पादों को बड़ा बाजार मिला है। आसान पहुंच से ग्रामीण अर्थव्यवस्था में नगदी प्रवाह बढ़ा है और ग्रामीण परिवारों की आय पर सीधा असर पड़ा है। नई सड़कों ने किसानों को अपनी फसलें अब समय पर बाजारों तक पहुंचाने का रास्ता दिया है। इससे कृषि उपज गुणवत्ता के साथ बाजारों में पहुंच रहे हैं, इससे किसानों को उचित मूल्य मिलने लगे हैं। ग्रामीण इलाकों में छोटे व्यापार, दुग्ध व्यवसाय और ग्रामीण पर्यटन जैसे क्षेत्र भी इससे लाभान्वित हुए हैं।

जिलावार प्रगतिः मधुबनी, समस्तीपुर दरभंगा, पश्चिम चंपारण और गयाजी अग्रणी

समस्तीपुरः 137.36 किमी
मधुबनीः 135.36 किमी
दरभंगाः 115.48 किमी
गयाः 110.79 किमी
पश्चिम चंपारणः 88.86 किमी

हर सड़क है विकास की रेखा : अशोक चौधरी

बिहार के ग्रामीण कार्य विभाग मंत्री अशोक चौधरी ने इस बारे में बताया कि मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क उन्नयन योजना (एमएमजीएसयूवाई) गांवों की जीवनरेखा बन गई है। यह योजना रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक विकास से सीधे जुड़ी है। ग्रामीणों को अब वह सड़क मिली है, जो उन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़ रही है। आने वाले महीनों में शेष सड़कों का निर्माण भी तेजी से पूरा कर लिया जाएगा।

केंद्रीय मंत्रिमंडल से इस्तीफा दें चिराग पासवान पूर्व मंत्री- सुरेश पासवान

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- बिहार सरकार के पूर्व मंत्री एवं राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉक्टर सुरेश पासवान ने कहा है कि चिराग पासवान कहते हैं की मैं शेर का बेटा हूँ,बहुत अच्छी बात है लेकिन जिन्हें वे शेर करते हैं वे (श्री राम विलास पासवान)गोधरा कांड के विरोध में केंद्रीय मंत्रिमंडल से न सिर्फ. इस्तीफा दिये थे बल्कि एक वोट से तत्कालीन वाजपेयी सरकार को केंद्र की सरकार से बेदखल करने का काम किया था,और अपना नाम एक वीर योद्धा एवं मूल्यों की राजनीति करने वाले नेता के रूप में दर्ज कराने का काम किया था। लेकिन आप श्री चिराग पासवान जी जो केंद्र में मोदी मंत्रिमंडल के सदस्य हैं वे बिहार में बढ़ते अपराध पर मोदी के हनुमान बने रहकर दुख होने का पर्वचन तो करते हैं लेकिन सत्ता में चिपके भी रहते हैं ये दोमुँहा राजनीति देश और बिहार की जनता देख रही है। चिराग पासवान जी यदि सच में आप शेर का बेटा है तो,शेर की तरह ही बिहार में बढ़ते अपराध ,महाजंगलराज एवं गहन मतदाता पुनरीक्षण के खिलाफ केंद्रीय मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे करके अपने पिता स्वर्गीय राम विलास पासवान की तरह साहस दिखाने का काम करेंगे। ए बिहार है यहाँ की जनता राजनीति को बहुत बारीकी से समझती भी है और निर्णय भी सुनाती है।इसलिए केवल बिहार सरकार के खिलाफ ब्यान देकर सुर्खियों में बने रहने का नाटक कर रहे हैं उसे बिहार की जनता भली आपको समझ रही है मैं फिर से कह रहा हूँ कि अगर आपके अंदर शेर वाला जज्बा और साहस है तो बिना देर किए केंद्रीय मंत्रिमंडल से इस्तीफा करके मैदान में आना चाहिए और बिहार के चौदह करोड़ लोगों पर हो रहे अत्याचार और अपराध की राजधानी बनी बिहार की जनता को उससे मुक्ति दिलाने का लड़ाई लड़े ,नहीं तो जनता जिस तरह से 2025 के चुनावों में भाजपा जदयू NDA गठबंधन को धूल चटाने का मन बना चुकी है,उसी तरह यदि आप भी NDA के साथ चिपके रह गए तो न घर के रहेंगे न घाट के।

बिहार के नालंदा में ट्रेन की चपेट में आने से बुजुर्ग की मौत

नालंदा, बिहारशरीफ

बिहार में नालंदा जिले के पावापुरी सहायक थाना क्षेत्र अंतर्गत माहुरी स्टेशन के समीप रविवार की दोपहर ट्रेन की चपेट में आने 70 वर्षीय बुजुर्ग की मौत हो गई। मृतक की पहचान माहुरी गांव निवासी दुलार मांझी के रूप में की गई है।मिली जानकारी के अनुसार, उक्त बुजुर्ग अपने परिज के पास जा रहे थे वहीं ट्रेन चढने के क्रम में संतुलन बिगड़ा गया और ट्रेन की चपेट में आ गए जिससे घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई।

जमालपुर के भूमिहीन बेघरों ने अपने हक के लिए निकाला पदयात्रा

बेघर महिलाओं ने कहा कि हमें आश्वासन नहीं पक्का मकान चाहिए

जमालपुर।

करीब 3 वर्षों से जहां सूबे की सरकार ने बेघर गरीबों के लिए बहुमंजिले इमारत बनाकर आवास देने का वादा किया, वहीं स्थानीय नगर परिषद प्रशासन और अंचल जमालपुर प्रशासन की शिथिलता के कारण भूमिहीन एवं आवास विहीन बेघर को अब तक घर नसीब नहीं हुआ। अपनी मांगों को लेकर नगर परिषद जमालपुर क्षेत्र के विभिन्न वार्डों के बेघर लोगों ने रविवार को स्थानीय मारवाड़ी धर्मशाला परिसर से एक विशाल जुलूस के रूप में पैदल मार्च निकाला। जुलूस में काफी संख्या में महिलाएं उपस्थित थी अपने हाथों में बैनर एवं तख्तियां लेकर अपने हक के लिए नारे लगाते हुए धर्मशाला रोड, बराट चौक, सदर फाड़ी, जनता मोड़, भारत माता चौक, छ नंबर गेट, स्टेशन मोड, जुबली वेल, अवंतिका मोड़, शनि मंदिर, होते हुए मारवाड़ी धर्मशाला तक पहुंची। जहां जुलूस सभा में तब्दील हो गई। जुलूस का नेतृत्व समिति के उपाध्यक्ष गीता देवी एवं

इंदु देवी संयुक्त रूप से कर रही थी। तथा संचालन समिति के संयोजक वार्ड पार्षद साईं शंकर ने किया। जुलूस में शामिल बेघर परिवारों की महिलाओं ने भूमिहीन बेघरों को आवास देना होगा, भीख नहीं हक चाहिए बेघरों को घर चाहिए, नगर परिषद प्रशासन खोलो कान नहीं तो होगा चक्का जाम, पहले लड़े थे गोरो से अब लड़ेंगे चोरों से आदि गगन भेदी नारा लगा रहे थे। मारवाड़ी धर्मशाला में सभा को संबोधित करते हुए रेखा देवी ने कहा कि यदि प्रशासन ने जल्द ठोस कदम नहीं उठाएं तो सैकड़ो की संख्या में बेघर परिवारों की महिलाएं सभी सरकारी कार्यालय का तालाबंदी करेगी और चरणबद्ध आंदोलन शुरू किया जाएगा। वही सभा में उपस्थित कामरेड मुरारी प्रसाद, आर के मंडल, विकास कुमार दीपक कुमार आदि ने कहा कि जिला एवं स्थानीय प्रशासन के कार्य शिथिलता के कारण गरीबों को उसका वाजिब हक नहीं मिल पा रहा है। शहर के इन बेघरों की यह आवाज न केवल प्रशासन के लिए चेतावनी है, बल्कि यह सवाल भी है कि जब योजनाएं मौजूद है तो लाभार्थियों तक उनका लाभ कब पहुंचेगा। अब बेघर परिवारों की महिलाएं निर्णायक आंदोलन की राह पर है और उनका कहना है हमें पक्का मकान चाहिए केवल आश्वासन नहीं। मौके पर बॉबी देवी, कौशल्या देवी, संजू देवी, रेखा देवी, जुली कुमारी, आरती देवी, वंदना कुमारी, सुमन कुमारी, बबीता देवी, सोनी कुमारी, सोनम कुमारी, ज्योति कुमारी, रश्मि कुमारी, शर्मिला देवी, पूजा कुमारी, मोनिका कुमारी, नीलम देवी, मीना देवी, चंदा देवी, प्रेमलता देवी, रेणु कुमारी, विद्या देवी, विशाखा कुमारी, आदि सैकड़ो महिलाएं उपस्थित थी।

संदिग्ध स्थिति में युवक का मिला शव,दो हिरासत में

पूर्वी चंपारण,

जिला के छतौनी थाना क्षेत्र के बडा बरियारपुर वार्ड न. 44 के एक युवक का शव उसके घर के बाहर संदिग्ध स्थिति में पुलिस ने बरामद किया है। दरअसल छतौनी पुलिस उस तरफ छापेमारी के लिए जा रही थी तभी भीड़ देखकर रुक गई,जहां पास जाने पर पता चला कि एक युवक का शव वहां पड़ा है, जिसकी पहचान संतु कुमार , पिता मनोज पासवान , बड़ा बरियारपुर के रूप में हुई है। पुलिस घटना की तहकीकात दो पहलूओ पर कर रही है। चर्चा है कि उक्त युवक ने फंदा लगाकर आत्म हत्या किया है। वही यह भी कहा जा रहा है कि संतु की मां का एक व्यक्ति नितेश पासवान से अफेयर चल रहा था,जिसका विरोध करने पर संतु की गला दबाकर हत्या की गई है। बहरहाल पुलिस उस मामले में दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। एसपी स्वर्ण प्रभात ने बताया है कि पुलिस घटना को लेकर दोनों एंगल से जांच कर रही है , दोषियों के विरुद्ध सख्त कारवाई की जायेगी।

सामाजिक चिंतन को लेकर ब्रह्मर्षि सेवा अभियान की बैठक होटल सिटी सूर्या गया में आयोजित हुआ

गया से अमरेंद्र कुमार दिव्य दिनकर के लिए।

आज जिला अध्यक्ष अजय शर्मा,राष्ट्रीय सचिव महेश शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष गोपाल जी,सचिव राधेकांत शर्मा,संजय शर्मा,एवं ब्रिगेडियर विनोद शर्मा के नेतृत्व में राष्ट्रीय ब्रह्मर्षि सेवा अभियान द्वारा आहूत की गई बैठक का आयोजन गयाजी स्थित होटल सिटी सूर्या में आयोजित किया गया। इस बैठक में ब्रह्मर्षि समाज से जुड़े बातों और समस्याओं पर चिंतन मनन किया गया। इस बैठक में संगठन की व्यापक गतिशीलता,राजनीतिक उपयोगिता एवं संगठन विस्तार पर चर्चा किया गया एवं आने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियों एवं चुनाव में ब्रह्मर्षि समाज की भूमिका एवं भागीदारी पर चर्चा किया गया। सभा को संबोधित करते हुए सेवा अभियान के कोषाध्यक्ष संजय शर्मा महुयेत ने बताया कि सभी ब्रह्मर्षि को पार्टी हित से पहले सभी को ब्रह्मर्षि हित के बारे में सोचने की जरूरत है,पार्टी से पहले समाज के प्रति निष्ठा रखने की जरूरत है। इन्होंने बताया कि ब्रह्मर्षियों को शुद्ध आहार ग्रहण करने की जरूरत है मांसाहार का त्याग ब्रह्मर्षियों के संस्कार निर्माण के लिए आवश्यक है। इस बैठक में निर्णय लिया गया कि आने वाले चुनाव में यदि ब्रह्मर्षि समाज को नजरअंदाज किया गया तो समाज इसका प्रत्युतर आगामी विधानसभा व लोकसभा के चुनाव में प्रखरता से देगा। सभा को संबोधित करते हुए सेवा अभियान के वक्ताओं ने

सामाजिक,राजनीतिक, आर्थिक विषयों पर समाज को कैसे मजबूती मिले इस पर प्रकाश डाले। ब्रह्मर्षि सेवा अभियान के सचिव राधेकांत शर्मा ने बताया कि हम शोषक कभी नहीं रहे हमलोग सदैव पोषक रहे हैं समाज के लिए। बिनायक विद्यापीठ के निदेशक ओमप्रकाश शर्मा ने सभा को संबोधित करते हुए बताया कि ब्रह्मर्षि समाज पराक्रमी समाज है,सिर्फ इस समाज को उचित मार्गदर्शन की जरूरत है,शिक्षा के क्षेत्र में इस समाज को आगे बढ़ाने की जरूरत है। साथ ही सेवा अभियान के राष्ट्रीय सचिव महेश शर्मा ने सरकार को चेतावनी दिया कि ब्रह्मर्षि समाज के ताकत को नजरअंदाज करना बंद करे अन्यथा इसका गंभीर नुकसान सत्ताधारी पार्टी को चुनाव में भुगतना होगा। आगे महेश शर्मा ने बताया कि आने वाले दिनों में ब्रह्मर्षि समाज का एक बृहतर कार्यक्रम गयाजी में किया जाएगा जिसमें ब्रह्मर्षि समाज की एकजुटता एवं राजनीतिक,सामाजिक ताकत को प्रदर्शित किया जाएगा। इस बैठक को संबोधित करने वाले वक्ताओं में जिला अध्यक्ष अजय शर्मा,राष्ट्रीय सचिव महेश शर्मा,प्रदेश अध्यक्ष गोपाल शर्मा,कोषाध्यक्ष संजय शर्मा, महुयेत,ब्रिगेडियर विनोद शर्मा,पुरेंद्र स्वर्ण,पुष्कर शर्मा,मुनमुन शर्मा, पूर्व प्रत्याशी टिकारी सुमंत शर्मा,ओमप्रकाश शर्मा विनायक इंस्टीट्यूट,रंजीत कुमार,रामनिवास शर्मा,संतोष शर्मा,रविन्द्र शर्मा,रामतबकया शर्मा,संजय शर्मा इत्यादि लोग शामिल थे। वक्ताओं ने मगध के पारंपरिक भोजन विरंज पर भी प्रकाश डाला एवं इसे नियमित रूप से भोज्य के रूप में प्रचलन में लाकर इसकी महता से नई पीढ़ी को अवगत कराना होगा,ताकि इस देव भोजन को विलुप्त होने से बचाया जाए।

संक्षिप्त समाचार

कुएं मे डूबने से एक की मौत

दिव्य दिनकर संवाददाता

मांडर -थाना क्षेत्र के गुड़गुड़जाड़ी गांव निवासी महादेव उरांव 55 वर्ष की शनिवार की शाम को कुएं में डूबने से मौत हो गयी. बताया जा रहा है कि महादेव उरांव शाम करीब सात बजे गुड़गुड़जाड़ी से ही अपने घर जा रहा था. इसी क्रम में रास्ते में स्थित पानी से लबालब भरे एक कुएं में फिसलकर गिर गया. जानकारी मिलने पर अगल बगल के लोगों ने कुछ देर बाद ही उसे कुएं बाहर निकाला लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी. सूचना मिलने पर मांडर पुलिस ने उसके शव को पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया है. महादेव उरांव पिता स्व गोपाल उरांव खेती खेती बारी का काम करता था!

मधुपुर युवा सेवा समिति ने कांवड़ियों की सेवा में लगाया सेवा शिविर

मधुपुर/देवघर दिव्य दिनकर संवाददाताः उमेश चंद्र मिश्रा

सावन माह में कांवड़ियों की सेवा हेतु मधुपुर युवा सेवा समिति ने खिजुरिया कांवरिया पथ पर लगातार तीसरे वर्ष सेवा शिविर का आयोजन किया। शिविर का उद्घाटन स्थानीय व्यापारी अनिल कुमार मंडल ने किया। शिविर में कांवड़ियों के बीच केला, फल, पीने का शुद्ध जल एवं मूव स्प्रे का वितरण किया गया। इस दौरान मौजूद सदस्यों ने बताया कि समिति द्वारा यह सेवा प्रत्येक रविवार और सोमवार को जारी रखी जाएगी, जिससे देवघर जाने वाले कांवड़ियों को राहत मिल सके। इस सेवा कार्य में समिति के सभी सदस्य सक्रिय रूप से शामिल रहे, जिनमें प्रमुख रूप से अनिल मंडल, नीलेश मंडल, सुदामा यादव, बबलू रवानी, मोहित मंडल, भगीरथ कुमार, करण मंडल, राहुल कुमार, गौरव कुमार मंडल, दीपू मंडल, बालों मंडल, आलोक सिंह आदि शामिल थे।

पाकुड़ पुलिस ने अवैध गांजा के कारोबार का किया पदार्फाश

NDPS एक्ट के तहत किया गया मामला दर्ज

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ जिले में नशे के अवैध कारोबार के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पाकुड़ पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस अधीक्षक पाकुड़ को मिली गुप्त सूचना के आधार पर नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत प्यादापुर बेलडांगा में अवैध रूप से गांजा भंडारण एवं बिक्री की सूचना पर त्वरित कार्रवाई की गई। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर प्रखंड विकास पदाधिकारी समीर एल्फ्रेड मुर्मू के नेतृत्व में दंडाधिकारी की मौजूदगी में छापेमारी दल गठित किया गया। पु.नि. प्रयाग दास (थाना प्रभारी, नगर थाना) की अगुवाई में 25 जुलाई को विशेष अभियान चलाया गया, जिसमें दुलाल रविदास पिता-गांगों रविदास, निवासी- बेलडांगा प्यादापुर के घर पर छापा मारा गया। छापेमारी के दौरान घर से कुल 726 ग्राम अवैध गांजा, दो इलेक्ट्रॉनिक वेट मशीन (एक बड़ा, एक छोटा), गांजा पैकिंग हेतु उपयोग होने वाला प्लास्टिक पैकेट (250 ग्राम), तथा 2,920 नगद राशि बरामद की गई। आरोपी को मौके पर ही गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपी ने अपराध स्वीकार कर लिया है, इस संबंध में पाकुड़ नगर थाना कांड संख्या-203/2025 दिनांक 26.07.2025 के तहत धारा 20 एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस अन्य संभावित अभियुक्तों की तलाश में लगातार छापेमारी कर रही है।छापामारी दल में शामिल अधिकारी व पुलिसकर्मी,पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी प्रयाग राज, राहुल गुप्ता, विनोद कुमार, सनातन मांझी, सुशीला माड़ी,हवलदार रिंकू यादव और गंगा सागर। पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया है कि नशे के कारोबार के विरुद्ध जिला पुलिस की कार्रवाई आगे भी इसी सख्ती से जारी रहेगी। अवैध मादक पदार्थों के व्यापार में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

देवघर मे मिथिला महिला मंच द्वारा मधु श्रावणी का निस्तार संपन्न

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

आज 27 जुलाई को मिथिला महिला मंच से मधु श्रावणी के निस्तार को बहुत धूम धाम से संपन्न किया गया. 13 दिन से चली आ रही ये पूजा नयी दंपति द्वारा की जाती हैं तृप्ति पांडे एवं अमन अमिताभ द्वारा की गई. ये पूजा शादी के पहले सावन में शिव पार्वती की नाग नागिन केंचुआ सुहागिनों की अखंड सौभाग्य की कामना के लिए की जाती हैं. मिथिला सखियों ने जानकारी देते हुए कहा ये पौराणिक कथाओं में अपनी संस्कृति की झलक देखने को मिलता है. इससे बचा कर अपने धरोहर को संजोने की धार्मिक नीति को प्रोत्साहित करने की कोशिश। मंच की अध्यक्ष डॉ रूपा श्रीं ने सभी को हार्दिक धन्यवाद एवं आभार प्रकट किया.

वन नेशन, वन इलेक्शन को लेकर जन जागरण अभियान में जुटे विधायक गजेंद्र यादव.

नई दिल्ली, ।

देश में एक राष्ट्र, एक चुनाव (वन नेशन, वन इलेक्शन) के सपने को साकार करने के लिए महरौली के विधायक श्री गजेंद्र यादव ने जन-जागरुकता अभियान को बड़े स्तर पर गति दी है। इसी कड़ी में शांति देवी एजुकेशनल चैरिटेबल सोसाइटी द्वारा एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें समाज के विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित दक्षिणी दिल्ली के सांसद रामबीर सिंह विधूड़ी ने कहा कि ₹वन नेशन, वन इलेक्शन की नीति लागू होने से देश का अत्यधिक पैसा और समय बचेगा, जिससे विकास की गति और तेज होगी। हर साल होने वाले अलग-अलग चुनावों से शासन व प्रशासन का ध्यान भटकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महरौली विधायक

और वन नेशन, वन इलेक्शन के दिल्ली संयोजक गजेंद्र यादव ने कहा कि ₹1952 से 1967 तक भारत में लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ होते थे, लेकिन कांग्रेस पार्टी की सत्ता की लालसा और साजिशों के चलते देश के लोकतंत्र को नुकसान पहुंचा और चुनावों का चक्र असंतुलित हो गया। अब समय आ गया है कि फिर से देश एकमत होकर इस प्रणाली को अपनाए। उन्होंने आगे कहा कि ₹वन नेशन, वन इलेक्शन से न केवल देश को आर्थिक रूप से फायदा होगा, बल्कि प्रशासनिक स्थिरता, दीर्घकालिक विकास योजनाओं का क्रियान्वयन, जनता की भागीदारी में बढ़ोतरी और चुनावी खर्च में भारी कटौती भी सुनिश्चित होगी। निवर्तमान निगम पार्षद आरती सिंह, महिला महामंत्री ऊषा शर्मा, मुल्तान सभा अध्यक्ष एकलव्य कालरा, सरपरस्त भगवान दास तनेजा, महरौली आरडब्लूए अध्यक्ष गौरव सचदेवा, वार्ड 2 अध्यक्ष हेमराज अत्री, । कार्यक्रम का उद्देश्य स्पष्ट था प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ह्यएक राष्ट्र, एक चुनावह्न के सपने को जन-जन तक पहुंचाना और लोकतंत्र को और अधिक सशक्त बनाना। विधायक गजेंद्र यादव के नेतृत्व में यह अभियान महरौली विधानसभा क्षेत्र में लगातार चलाया जा रहा है, जिसमें समाज के हर वर्ग की भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है।

झारखंड लोक सेवा आयोग का परीक्षा में सफल निशा को प्रखंड प्रशासन ने किया स्वागत

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवीपुर प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत गिधेया निवासी राजेंद्र प्रसाद यादव की पुत्री निशा यादव ने झारखंड लोक सेवा आयोग का परीक्षा सफल होकर अधिकारी बनने पर प्रखंड स्तरीय प्रशानिक पदाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी, जनप्रतिनिधिगण, गणमान्य आदि लोग मिलकर बधाई दिए। इस अवसर पर देवीपुर अंचल के अंचलाधिकारी खोपलाल राम, थाना प्रभारी संदीप कृष्णा, प्रखंड प्रमुख प्रमिला देवी, प्रखंड अध्यक्ष कांग्रेस नरेश यादव, जिला परिषद सदस्य प्रतिनिधि मुकेश यादव, पूर्व मुखिया जिला संघ अध्यक्ष बबलू पासवान, प्रमुख प्रतिनिधि नीलम यादव, समाजसेवी शिवशंकर यादव, रंजीत मंडल, जवाहर कुमार, मृत्युंजय सिंह आदि ने बुके देकर स्वागत किया और मिठाई खिलाकर बधाई दिया। साथ ही सभी ने उन्हें शुभकामनाएं दिए। इस मौके पर उनके माता झरना यादव, पिता राजेंद्र यादव, चाचा नरेश यादव व परिवार के दर्जनों सदस्य और रिश्तेदार आदि मौजूद थे।

मुस्लिमो के मसले को झारखंड सरकार लगातार कर रही नजरंदाज मुस्लिम पर हो रहे कातिलाना हमला लेकिन हेमन्त सोरेन चुप - मनोवर आलम

रिपोर्ट अविनाश मंडल

पाकुड़ःहिरणपुर कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष मनोबर आलम ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा राज्य में लगातार मुस्लिम युवाओं को मोबलिंचिंग के जरिए तो कभी पुलिसिया कस्टडी में मौत से मुस्लिम समाज आहत है और अब लगने लगा है की हेमन्त सोरेन सरकार सिर्फ मुस्लिमो से वोट लेकर उसे छलने का काम किया है झारखंड में लगातार मोबलिंचिन की घटनाएं हो रही है और मुस्लिम समाज इसका शिकार हो रही है और अब तो पुलिस कस्टडी में भी मौत हों रही हैं, रामगढ़ में लगातार घटना हुई बाबूलाल मरांडी का ट्वीट आग में घी डालने का काम किया रामगढ़ में बाबूलाल मरांडी पर हत्या के लिए उकसाने का मुकदमा सरकार दायर करे अल्पांख्यको की रक्षा की कसम खाकर वोट लिया गया झामुमो कांग्रेस राजद ने लेकिन आज इरफान अंसारी को छोड़कर कोई मंत्री नेता कुछ नही बोल

रहा है। कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष मनोबर आलम ने कहा ऐसा लगता है की झामुमो को अब मुस्लिम वोट की जरूरत नहीं है रामगढ़ में जिस तरह आफताब अंसारी की हत्या हुई जो कि मानवता को शर्मशार करने वाली घटना है हेमन्त सोरेन मुस्लिमो को बीजेपी के नाम से डरा कर आप वोट लिए, लेकिन आज मुस्लिम आपके शासन काल में ही सबसे असुरक्षित है आखिर किसके इशारे पर मुस्लिम समाज को नजरअंदाज कर रहे है आज चंद नाम के मुस्लिम निजी स्वार्थ के लिए अपना मुंह बंद रखे हुए हैं और कौम को गड्ढे में धकेल कर अपना झोली भरने में लगे हुए हैं ऐसे कौम के गद्दारों को सबक सिखाने की जरूरत है मेरा सरकार से आग्रह होगा की आफताब अंसारी के हत्यारे को बुलडोजर सजा मिलनी चाहिए उनके घरों को जमींदोज किया जाए और कठोर सजा मिले ताकि देश में इसकी मिशाल हो हिंदू टाइगर फोर्स संगठन को उकसाने वाला और उस संगठन को संरक्षण देने वाला बाबूलाल मरांडी पर भी करवाई हो इस घटना में बाबूलाल मरांडी भी संलिप्त हैं, बाबूलाल मरांडी सत्ता में आने के लिए इतने उतावले है कि कोई भी नफरत की कदम उठा सकते हैं.

कृषक मित्रों के मानदेय को लेकर सांसद डॉ. निशिकांत दुबे से प्रतिनिधिमंडल ने की मुलाकात

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर.कृषक मित्रों के मानदेय लागू किए जाने की माँग को लेकर आज देर संध्या प्रदेश अध्यक्ष शशि कुमार भगत के नेतृत्व में देवघर स्थित आवास पर सांसद डॉ. निशिकांत दुबे से भेंट की। प्रदेश अध्यक्ष ने कृषक मित्रों की समस्याओं और उनके भविष्य को लेकर अपनी चिंता साझा की और लोकसभा में इस मुद्दे को उठाने का आग्रह किया। इस अवसर पर सांसद डॉ. दुबे ने आश्वासन दिया कि संसद की कार्यवाही के दौरान वह कृषक मित्रों की आवाज को मजबूती से सदन में उठाएंगे। उन्होंने कृषक मित्रों के भविष्य को लेकर भी गंभीर चिंता व्यक्त की और कहा कि इस मुद्दे पर उचित मंचों पर पहल की जाएगी ताकि कृषक मित्रों को उनका हक मिल सके। बैठक में देवघर जिला कृषक मित्र संघ के अध्यक्ष दुःख भंजन निराकार सहित कई अन्य कृषक मित्र भी उपस्थित रहे।

झारखंड के स्थानीय मुद्दों व संवैधानिक अधिकारों की मांगों को लेकर विधानसभा घेराव 04 को- एस अली

दिव्य दिनकर संवाददाता

चान्हो - 04 अगस्त 2025 झारखंड विधानसभा घेराव को लेकर आज दिन रविवार को चान्हो प्रखंड के टाँगर पंचायत सचिवालय में आमया संगठन के द्वारा राउंड टेबल मीटिंग का आयोजन किया गया। इस मौके पर आमया संगठन केन्द्रीय अध्यक्ष एस अली ने कहा कि झारखंड अलग राज्य के लिए शहादत देने वाले शहीदों का सपना अबतक पूरा नही हुआ राज्य में स्थानीय नीति नही बना, पिछड़ी जातियों को दरकिनार कर आबादी के अनुपात में आरक्षण से वंचित किया गया, झारखंड आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले मुस्लिम समुदाय संवैधानिक अधिकारों और न्याय से वंचित है, मॉबलीचिंग जैसी घटनाओं लगातार बढ़ रही है, झारखंड के हज यात्री को कलकत्ता एयरपोर्ट से जेद्दा जाने के लिए विवश किया गया जबकी पूर्व में बिरसा मुंडा एयरपोर्ट रांची से हाजी जाते थे, अल्पसंख्यक युवाओं के त्रृण हेतू बजट नाकाफी है, प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी हेतू मुख्यमंत्री निशुल्क अल्पसंख्यक कोचिंग योजना लम्बित है, उर्दू एकेडमी गठन का फाइल धूल झांक रहा है, बिहार सरकार से मिले उर्दू शिक्षक के पद पर बहाली करने के बजाए नियमविरुद्ध तरीके सरेंडर कर दिया गया, आलिम एवं फाजिल डिग्री की मान्यता समाप्त कि जा रही है वहीं फाजिल और बीएड डिग्री को माध्यमिक आचार्य उर्दू पद के बहाली से वंचित

कर दिया गया। राउंड टेबल मीटिंग की अध्यक्षता समाजसेवी एनामुल अंसारी के द्वारा किया गया। मीटिंग में मुख्यरूप से आमया संगठन के पदाधिकारी रहमतुल्लाह अंसारी मौलाना अबुल कलाम आजाद, हाफिज अब्दुल इरशाद इमाम अजीज जावेद अख्तर, जियाउल रहमान, रिजवान अंसारी, हारिश आलम कलाम अंसारी इस्माइल अंसारी, कयूम अंसारी, हुसैन अंसारी, शाहबाज आलम अनीसुर रहमान कलीमुल्लाह अंसारी, सलमान अंसारी, सुहैल अंसारी साजिद अंसारी, नूर मोहम्मद रमजान अंसारी जलालुद्दीन अंसारी नासिर अंसारी रोजन अंसारी रेयासत अंसारी अब्बास अंसारी सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

रौनियार वैश्य संघ व रौनियार महिला समिति ने खिजुरिया में की कांवरिया बम की सेवा

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

श्रावण मास की पावन बेला में सेवा ही सच्चा धर्म है के उदात्त संकल्प को साकार करते हुए रौनियार वैश्य संघ, देवघर एवं रौनियार महिला समिति ने खिजुरिया मे संयुक्त बैनर तले, श्रावण मास के विशेष अवसर पर, प्रत्येक रविवार और सोमवार को कांवरिया बमों की सेवा की इस सेवा में जल यात्रा में संलग्न शिवभक्तों को शुद्ध सादा जल, शरबत, लस्सी, पेठा, केला, सेव, व सुखे मेवे आदि वितरित किए गए। यह सम्पूर्ण आयोजन अत्यंत श्रद्धा, निष्ठा और समर्पण की भावना से संपन्न हुआ। सेवा कार्य में पुरुष एवं महिला सदस्यों ने समान रूप से तन-मन-धन से भागीदारी की। यह सेवा का कार्य संगठन के अध्यक्ष व सचिव के नेतृत्व में अनुशासित, योजनाबद्ध और

अत्यंत प्रभावी रूप से सम्पन्न हुआ। समिति की मातृशक्ति ने सेवा भाव को कर्म में ढालते हुए यह साबित कर दिया कि संगठित महिला शक्ति किसी भी सामाजिक दायित्व को बखूबी निभा सकती है। सेवा शिविर में ह्नबोल बमह्व और ह्नहर हर महादेवह्व के जयघोष से वातावरण गुंजायमान होता रहा, और हर शिवभक्त के चेहरे पर सेवा पाने का संतोष झलकता रहा। यह सेवा आगामी रविवार और सोमवार को पुनः आयोजित की जाएगी। रौनियार वैश्य संग बीते एक दशक से श्रावण मास मे निःस्वार्थ भाव से साप्ताहिक कांवरिया सेवा करता आ रहा है। कांधे पर गंगाजल, मन में बसा शिव नाम, जो सेवा में रमे, वही पाते हैं सच्चा धाम।

भारत विकास परिषद के राष्ट्रीय और क्षेत्रीय पदाधिकारी का देवघर प्रवास

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

भारत विकास परिषद के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एवं राष्ट्रीय संयोजक - संस्कार मुकेश जैन तथा पूर्वी क्षेत्रीय महासचिव पूरण चन्द्र खूंटिया का दो दिवसीय उत्तर झारखण्ड प्रवास में दोनों अधिकारी देवघर और धनबाद के प्रवास पर आए हैं। प्रवास के प्रथम दिन 26 जुलाई को वे अपनी यात्रा में धनबाद उतरकर वहां से सड़क यात्रा द्वारा देवघर पहुंचे। दोनों अधिकारियों को सबसे पहले बाबा मंदिर में दर्शन कराया गया। बाबा मंदिर में देवघर शाखा के कोषाध्यक्ष एस पी भुईयां बिलास ने दोनों को दर्शन कराने में सहयोग किया। फिर यहां परिषद के देवघर और बैद्यनाथधाम शाखा की कार्यकारिणी समिति के साथ अलग-अलग संगठनात्मक और गतिविधि संचालन पर चर्चा किया गया और आवश्यक निर्देश दिए गए। तत्पश्चात देर शाम भारत विकास परिषद देवघर शाखा के आतिथ्य में यहां की दोनों शाखाओं देवघर और बैद्यनाथधाम शाखा की संयुक्त बैठक हुई जिसमें राष्ट्रीय संयोजक - संस्कार मुकेश जैन और क्षेत्रीय महासचिव पूरण चन्द्र खूंटिया मुख्य अतिथि सह मार्गदर्शक के रूप में उपस्थित हुए। इनके साथ उत्तर झारखंड प्रांत के महासचिव प्रकाश चन्द्र सिंह तथा संगठन मंत्री बी. बी. दास भी बैठक में शामिल रहे। बैठक का शुभारंभ अतिथियों द्वारा भारत माता और स्वामी विवेकानंद की तस्वीर पर पुष्पांजलि, दीप प्रज्वलन और वंदे मातरम् गीत के साथ किया गया। संयुक्त बैठक में सर्वप्रथम बैद्यनाथधाम शाखा की अध्यक्ष प्रो. राखी रानी ने अपनी शाखा के उपस्थित सदस्यों का परिचय कराया और फिर अपनी शाखा के द्वारा किए गए कार्यक्रमों की जानकारी दी। उनके बाद देवघर शाखा अध्यक्ष आलोक मल्लिक ने शाखा सदस्यों का परिचय कराते हुए कहा कि हमारी शाखा में समाज के सभी स्तर के प्रबुद्धजन सदस्य हैं जिसमें पूर्व भाप्रसे पदाधिकारी, डॉक्टर्स, प्रोफेसर, अग्रणी व्यवसाई, विभिन्न विद्यालयों के प्राचार्य और निदेशक, इंजीनियर तथा समाजसेवी शामिल हैं। शाखा के कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए उन्होंने राष्ट्रमाता महारानी अहिल्याबाई

होल्कर की 300वें जन्मशती कार्यक्रम, पर्यावरण दिवस पर जलसार पार्क में स्वच्छता अभियान, फूलों के पौधारोपण तथा प्लास्टिक की जगह कपड़े का बैग उपयोग करने पर जागरुकता कार्यक्रम, राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय पुनसिया में 3 दिवसीय 4-4 घंटे का वृहत बाल संस्कार शिविर जिसमें मेधा योग, संस्कृत स्तुति श्लोक वाचन, वैदिक गणित, संगीत की भारतीय सांस्कृतिक अंदाज में अभ्यास कराया। गुरु वंदन छात्र अभिनंदन कार्यक्रम किया गया जिसमें सभी छात्रों ने भारतीय परंपरा में अपने शिक्षकों की वंदना किया और उनके शिक्षकों ने अपने छात्रों को अभिनन्दन करते हुए एक-एक पुस्तक उपहार में दिया। महिला स्वावलंबन के लिए 15 दिवसीय रोजगारोन्मुख सिलाई प्रशिक्षण दी गई जिसमें 30 महिलाओं को प्रशिक्षित किया गया। भाविप देवघर शाखा के माहव्यापी श्रावणी मेला निःशुल्क सेवा शिविर की जानकारी दी गई। इसके अलावे भावी कार्यक्रमों में भारत को जानो, राष्ट्रीय समूह गान प्रतियोगिता की जानकारी दिया। इससे पहले प्रांतीय महासचिव प्रकाश चन्द्र सिंह ने स्वागत भाषण दिया जबकि प्रांतीय संगठन सचिव बी. बी. दास ने इस संयुक्त बैठक के विषय वस्तु को रखा। क्षेत्रीय महासचिव पूरण चन्द्र खूंटिया ने काफी विस्तार से भारत विकास परिषद के कार्य संस्कृति, संगठन संचालन, कार्यक्रमों के प्रोटोकॉल की जानकारी सदस्यों को एक सख्त प्रशिक्षक और मार्गदर्शक के अंदाज में दिया। सभी सदस्य एकटूक उनके मार्गदर्शन को सुना और इस महान राष्ट्रीय संगठन की व्यापक जानकारियों से उत्प्रेरित हुए। अपने मुख्य संबोधन में राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य मुकेश जैन ने परिषद के सबसे प्रमुख संस्कार प्रकल्प के कार्यक्रमों और राष्ट्रीय कैलेंडर पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया। भारत को जानो और राष्ट्रीय समूह गान प्रतियोगिता को अधिकतर विद्यालयों में प्रसारित करने, गुरु वंदन छात्र अभिनंदन के माध्यम से गुरु-शिष्य परंपरा को जीवित रखने, बाल संस्कार शिविर के साथ ही किशोर वय के छात्रों के लिए युवा संस्कार शिविर के आयोजनों सहित समाज के विभिन्न वर्गों के बीच विभिन्न राष्ट्रीय और सांस्कृतिक आयोजनों को करते रहने के लिए अभिप्रेरित किया। बैठक में धन्यवाद ज्ञापन करते हुए देवघर शाखा की संयोजक - संस्कार विनीता मिश्रा ने दोनों अधिकारियों को देवघर प्रवास के लिए सम्मानपूर्वक आभार और धन्यवाद दिया। बैठक का संचालन शाखा की संयोजक - महिला सहभागिता कंचन मूर्ति साह ने किया। देवघर शाखा के संरक्षक पूर्व भाप्रसे पदाधिकारी के. के. दास और डॉ. सुनील सिन्हा ने दोनों मुख्य अतिथि को द्वादश ज्योतिर्लिंग की प्रतिकृति और प्रसाद देकर विदाई दी। संयुक्त बैठक के उपरांत मुकेश जैन, पूरण चन्द्र खूंटिया और बी. बी. दास ने परिषद के श्रावणी मेला शिविर आए जहां शाखा सचिव कंचन शेखर और प्रीति कुमारी, किरण बरनवाल ने उनका स्वागत किया। तीनों अतिथियों ने शिविर में कांवरियों की स्वास्थ्य सेवा एवं फल वितरण भी किया। कार्यक्रम के सफल संचालन में शाखा सचिव कंचन शेखर, कोषाध्यक्ष एस. पी. भुईयां बिलास, संपर्क संयोजक अभय कुमार, सेवा संयोजक रंजीत बरनवाल, पर्यावरण संयोजक प्रशांत कुमार सिन्हा सहित संजीत सिंह, निरंजन कुमार सिंह, राम किशोर सिंह, संतोष सिंह, निर्मल कुमार, आशा कुमारी प्रसाद आदि ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

संक्षिप्त समाचार

केकेएम कॉलेज में B.Ed की मान्यता बहाल करने की मांग पर ABVP का महाविद्यालय में तालाबंदी

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (ABVP) के कार्यकताओं ने इ.एंं पाठ्यक्रम की मान्यता पुनः बहाल करने की मांग को लेकर केकेएम कॉलेज, पाकुड़ के प्रशासनिक भवन में तालाबंदी की। परिषद के कार्यकर्ताओं ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ही इ.एंं की मान्यता बहाल नहीं की गई, तो वे उग्र आंदोलन करेंगे और 6 अगस्त को होने वाले कुलपति के महाविद्यालय दौरे का पुरजोर विरोध करेंगे। ABVP कार्यकर्ता बम भोला उपाध्याय ने कहा कि विश्वविद्यालय इ.एंं के संदर्भ में दोहरा रवैया अपना रहा है। अध्यापक शिक्षा परिषद को स्थायी प्राध्यापकों की बहाली की जानकारी दी गई, लेकिन वास्तविकता में विश्वविद्यालय में की गई बहाली अस्थायी है। इसकी अधिसूचना भी अस्थायी रूप से जारी की गई थी। विद्यार्थी परिषद इस अन्यायपूर्ण स्थिति को बर्दाश्त नहीं करेगी। महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. समर कुमार ने परिषद की मांग को जायज बताया और कहा कि इस विषय में विश्वविद्यालय को जानकारी भेजी गई है, नगर मंत्री हर्ष भगत ने कहा, जनप्रतिनिधियों की उदासीनता के कारण पाकुड़ जिले में न तो पीजी की पढ़ाई उपलब्ध है और न ही स्नातक विभागों में पर्याप्त शिक्षक हैं। अब इ.एंं की मान्यता भी रद्द कर दी गई है। यह जनजातीय बहुल जिले के छात्रों को शिक्षा से वंचित करने का षड्यंत्र है। जिला संयोजक सुमित पांडे ने कहा कि विद्यार्थी परिषद छात्रों को न्याय दिलाने तक संघर्ष जारी रखेगी। आंदोलन में अमित कुमार, उत्तम दत्ता, बेंजामिन किस्कू, अजय, राजेश सोरेन, सुमित हेंब्रम, ताला मरांडी, सुमित पांडे, मनीष भगत सहित कई छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

नाबालिक से चालक ने की छेड़छाड़ केस दर्ज

दिव्य दिनकर संवाददाता

मांडर. थाना क्षेत्र में टेम्पो में अकेले यात्रा कर रही 16 वर्ष की नाबालिग किशोरी के साथ चालक द्वारा छेड़छाड़ व उसे गलत नीयत से जंगल ने खींचकर ले जाने का प्रयास करने का मामला सामने आया है. मामले को लेकर पीड़िता की ओर से मांडर थाना में अज्ञात टेम्पो चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गयी है. जानकारी के अनुसार घटना 24 जुलाई की शाम की है. पीड़िता बेड़ो के केसा मोड़ से मांडर आने के लिए टेम्पो में सवार हुई थी. टेम्पो में तीन अन्य लोग भी थे जो रास्ते में टांगरबसली रेलवे स्टेशन से पहले उत्तर गये. इसी क्रम में शाम करीब सात बजे नारो जंगल के समीप पहुंचने पर टेम्पो चालक ने उसे अकेली देख पहले छेड़ छाड़ किया और गलत नीयत से उसे खींचकर जंगल में ले जाने का प्रयास किया. लेकिन हिम्मत दिखाते हुए किशोरी ने टेम्पो चालक के कलाई में दांत काट लिया और उसके चंगुल से निकलकर जंगल में भाग गयी. किशोरी का कहना है कि चालक ने उसे जंगल में ढूंढने का भी प्रयास किया था. जिसके बाद वह रात भर जंगल में ही छुपी रही. और दूसरे दिन सुबह होने पर जंगल से निकलकर अपने किसी तरह अपने घर पहुंची. मांडर पुलिस किशोरी के बयान के आधार पर टेम्पो चालक की गिरफ्तारी का प्रयास कर रही है

जिला पदाधिकारी ने डायरिया से ग्रसित ग्रामों में औचक निरीक्षण किया

रिपोर्ट- प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले के कई गांवों और शहर के मोहल्लों में डायरिया से गंभीर रूप से प्रभावित सदर प्रखंड के परसडीह पंचायत के सिंदुआर एवं करमु खाप का भ्रमण जिला पदाधिकारी द्वारा किया गया। विदित हो कि उक्त गांव में दर्जनों लोग डायरिया से प्रभावित हुए हैं। जिला पदाधिकारी ने ग्रामीणों से मिलकर आज यथा स्थिति की जानकारी ली तथा पाया कि उक्त गांवों में काफी गंदगी है। लोगों को जागरूक करने के साथ-साथ जिला पदाधिकारी द्वारा सिविल सर्जन औरंगाबाद को निर्देश दिया गया कि प्रभावित क्षेत्र के आसपास स्कूल में अस्थाई मेडिकल कैंप की व्यवस्था की जाए तथा सदर प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि तत्काल संपूर्ण प्रभावित गांवों में साफ सफाई कराया जाए तथा लगातार इसकी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने निर्देश दिया कि प्रभावित लोगों को उच्च स्वास्थ्य संस्थान में भेजने हेतु दो एम्बुलेंस तैनात रखा जाए। जिला कार्यक्रम प्रबंधक मो. अनवर आलम ने इस संबंध में बताया किदो दिनों से मेडिकल टीम द्वारा लोगों को डायरिया की जांच के साथ तत्काल चिकित्सा सेवा एवं रेफरल की व्यवस्था दी जा रही थी किंतु मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला पदाधिकारी द्वारा जो निर्देश दिए गए हैं उसका अनुपालन तत्काल प्रभाव से किया जा रहा है. भ्रमण के क्रम में जिला कार्यक्रम प्रबंधक मो. अनवर आलम, सदर प्रखंड के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. श्याम कुमार, प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधक मो. शाहीन अख्तर, प्रखंड विकास पदाधिकारी सहित अन्य जिला एवं प्रखंड स्तर के पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

मध्य विद्यालय नावाडीह मे शिक्षक अभिभावक संगोष्ठी

विद्यालय मे बच्चों को प्रधानाध्यापक ने अभिभावकों से की अपील।

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

ओबरा (औरंगाबाद) :- ओबरा प्रखंड के मध्य विद्यालय नावाडीह मे शिक्षक अभिभावक संगोष्ठी प्रधानाध्यापक कुमारी सुनीता की अध्यक्षता मे आयोजित की गई । इस मौके पर प्रभारी प्रधानाध्यापक कुमारी सुनीता ने सभी अभिभावकों से छात्रों को नियमित भेजने को आहवान किया । कहा कि,शिक्षा सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक है । जिसके लिए छात्रों को नियमित विद्यालय भेजे और ड्रेस मे भेजे । साफ सफाई के प्रति सजग रहे । कहा कि,स्वच्छता से ही गांव स्वच्छ और सुंदर दिखेगा ।इस मौके पर शिक्षिका रेशमा यादव उर्मिला कुमारी मीणा कुमारी आरती कुमारी राजकुमार प्रसाद ग्रामीण बिरेंद्र कुमार संतोष प्रसाद समेत अन्य लोग उपस्थित थे।

देशभर के 175 कलाकारों की अद्भुत प्रदर्शनी, हजारों दर्शकों की सराहना से कलाकारों की हुई हौसला अफजाई

नई दिल्ली, ।

भारत मंडपम के हॉल नंबर 12 में आयोजित दि हाट ऑफ आर्ट के चौथे संस्करण का भव्य समापन हुआ जिसमें प्रसिद्ध सिने कलाकार विंदु दारा सिंह ने प्रदर्शनी में भाग लेने वाले सभी कलाकारों को प्रमाण पत्र दिया । यह तीन दिवसीय कला महोत्सव भारतीय कला और कलाकारों की विविधता एवं जीवंतता का उत्सव बन गया। 10,500 से अधिक दर्शकों की जबरदस्त उपस्थिति–जिसमें कला प्रेमी, विशिष्ट अतिथि, सरकारी अधिकारी और आम नागरिक शामिल थे–ने इस संस्करण को अब तक के सबसे सफल आयोजनों में से एक बना दिया। उद्घाटन समारोह की शोभा बढ़ाई महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की राज्य मंत्री श्रीमती सवित्री ठाकुर जी ने। उनके साथ मंच पर उपस्थित रहीं बिहार की प्रसिद्ध लोक गायिका और गंगा स्वच्छता मिशन की ब्रांड एंबेसडर नीतू कुमारी नवगीत, दि हाट ऑफ आर्ट के निदेशक अनीश खान, आदिवासी कला की संरक्षक डॉ. सीमा आलावा और देशभर से आए 200 से अधिक उभरते एवं ख्यातिप्राप्त कलाकार। यह आयोजन कला, संस्कृति और समुदाय की समरसता का सजीव उदाहरण बन गया। दूसरे दिन का कार्यक्रम और भी भव्य रहा। राज्य मंत्री श्री राम नाथ ठाकुर , प्रसिद्ध अभिनेता एवं मंच के मार्गदर्शक विंदु दारा सिंह, पद्मश्री पुरस्कार विजेता सुदर्शन पटनायक जी और मिथिला पेंटिंग की प्रसिद्ध कलाकार पद्मश्री बऊआ देवी, भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला सहित कई गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति ने कलाकारों के उत्साह को नई ऊंचाइयों तक पहुँचाया। एक छोटे से प्रयास के रूप में शुरू हुआ दि हाट ऑफ आर्ट, आज एक राष्ट्रीय आंदोलन बन चुका है। यह इसका 10वां सफल संस्करण था, जिसने मुंबई, बेंगलुरु और इंदौर जैसे शहरों में अपनी छाप छोड़ने के बाद दिल्ली में अपनी सबसे भव्य प्रस्तुति दी। दि हाट ऑफ आर्ट केवल एक प्रदर्शनी नहीं, बल्कि भारत की रचनात्मक आत्मा का उत्सव है। यह मंच देश के हर कोने से जन्मजात प्रतिभाओं और स्व-प्रशिक्षित कलाकारों को एक पहचान और अवसर देता है–प्रेरणा, प्रोत्साहन और उन्नति के द्वार खोलता है। दर्शकों और विशिष्ट अतिथियों की सराहना से प्रेरित होकर, आगामी संस्करणों को लेकर उम्मीदें पहले से ही ऊँचाई पर हैं। अगर दिल्ली की प्रतिक्रिया मापदंड है, तो दि हाट ऑफ आर्ट निकट भविष्य में भारत के सबसे प्रतिष्ठित सांस्कृतिक आयोजनों में से एक बनने जा रहा है–वास्तव में सीमाओं से परे कला का उत्सव।

हजारीबाग में 29 जुलाई को मनाया जाएगा चौरसिया दिवस

नागपंचमी पूजन और सावन मिलन समारोह के साथ होगा समाज का सांस्कृतिक समागम

हजारीबाग-

चौरसिया समाज के गौरव और सांस्कृतिक एकता के प्रतीक चौरसिया दिवस का आयोजन इस वर्ष 29 जुलाई 2025, मंगलवार को किया जा रहा है। इस अवसर पर नागपंचमी पूजन के साथ-साथ सावन मिलन समारोह का भी आयोजन होगा, जिसमें बड़ी संख्या में समाजबंधुओं के भाग लेने की संभावना है। यह आयोजन चौरसिया कल्याण समिति, हजारीबाग के तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य समाज में आपसी सौहार्द, सांस्कृतिक जुड़ाव और सामूहिक चेतना को सशक्त बनाना है। समिति द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार कार्यक्रम का आयोजन रिंग्स एंड रोजेज बैंक्वेट हॉल, एनएच-33, कारगिल पेट्रोल पंप के समीप हजारीबाग में निर्धारित है, जो प्रातः 9:00 बजे से प्रारंभ होगा। समिति के अध्यक्ष मनीष कुमार चौरसिया और सचिव रंजीत कुमार चौरसिया ने संयुक्त रूप से रविवार को प्रेस को जानकारी देते हुए बताया कि यह आयोजन समाज की परंपरा, श्रद्धा और समरसता को एक साझा मंच प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि चौरसिया समाज के सभी वर्गों युवा, महिला, बुजुर्ग एवं नवनिर्माणशील पीढ़ी को एकसाथ जोड़कर संवाद और सहयोग की भावना को बल देना ही आयोजन का प्रमुख उद्देश्य है। वहीं अध्यक्ष मनीष चौरसिया ने कहा कि यह पर्व समाज को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का माध्यम है। सावन मास की पावनता और नागपंचमी की आध्यात्मिकता इस आयोजन को विशेष महत्त्व प्रदान कर रही है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह दिन समाज के भीतर आत्मीयता, आत्मगौरव और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को और अधिक प्रखर बनाएगा। जबकि सचिव रंजीत कुमार चौरसिया ने बताया कि इस अवसर पर धार्मिक पूजन, सामूहिक मिलन, सांस्कृतिक कार्यक्रम, सामाजिक संवाद एवं पारंपरिक भोज की भी विशेष व्यवस्था की गई है। उन्होंने समाज के समस्त बंधुओं से अपील की कि वे इस शुभ दिन पर सपरिवार पधारें और आयोजन को सफल एवं ऐतिहासिक बनाएं। आयोजन समिति द्वारा आमंत्रण को औपचारिक रूप से सभी पंचायतों, नगर क्षेत्रों एवं आस-पास के जिलों में प्रेषित किया जा चुका है। समाज के सभी क्षेत्रों से उत्साहवर्धक प्रतिक्रिया मिल रही है, जिससे आयोजन को लेकर एक सकारात्मक और जीवंत वातावरण बन गया है। समिति ने स्पष्ट किया है कि यह आयोजन केवल परंपरा का निर्वाह नहीं, बल्कि समाज की सामाजिक और सांस्कृतिक ऊर्जा का उत्सव है, जिसमें हर सदस्य की भागीदारी से एक सशक्त और संगठित भविष्य की नींव रखी जा सकती है।

वैद्यनाथ चित्रगुप्त सभा ने चलन्त कांवरिया सेवा का किया शुभारंभ

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

स्व.भगवती सिन्हा व स्व. राजीव रंजन प्रसाद की स्मृति में व वैद्यनाथ चित्रगुप्त सभा, देवघर के तत्वावधान में संचालित चलन्त काँवरिया सेवा का आज बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे मशहूर भोजपुरी नायक अरविंद अकेला 'कल्लू' द्वारा फीता काट कर 'नमः पार्वती पतये... के जयघोष के साथ किया गया। सर्वप्रथम मुख्य अतिथि का स्वागत वैद्यनाथ चित्रगुप्त सभा के सचिव विनायक सिन्हा, के द्वारा शॉल ओढा कर स्वागत किया गया। तत्पशचात चलन्त काँवरिया सेवा शुरू हुआ। चित्रगुप्त सभा के सेवादारों द्वारा पुड़ी- हलुआ को पैक कर व बोतल बंद मिनरल वाटर को बोल बम के रास्ते जाकर निःशुल्क वितरण शुरू कर दिया गया। मौके पर सचिव विनायक सिन्हा ने मीडिया से मुखातिब होते हुए कहा कि व्यक्ति अपने कर्मो से छोटा और बड़ा बनता है ।अच्छे कर्म करने वाला व्यक्ति समाज में सम्मान प्राप्त करता है। वहीं गलत कर्म करने वाला व्यक्ति अपयश प्राप्त करता है।इसलिए व्यक्ति को जब जब मौका मिले अच्छे कर्म को करते रहना चाहिए। क्योंकि व्यक्ति का आंकलन उसके कार्यों से ही किया जाता है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि देवघर आने वाले शिवभक्तों की सेवा शिव पूजा के समान है। अतः हमारे वैद्यनाथ चित्रगुप्त सभा के सदस्य मास भर कांवरियों की सेवा में निःस्वार्थ भाव से लगे रहते हैं। विनायक सिन्हा ने मीरा सिंहा संजय सिंहा, रश्मि बरियाल ,प्रवीण बैरियार ,सिम्मी बैरियार, निम्मी सिंहा ,संदीप शंकर, मीनाक्षी सिन्हा ,संगीत सिंहा रक्षित रंजन ,रितिक रंजन के प्रति हृदय से आभार जताते हुए कहा कि आज केशिविर में इनके आर्थिक सहयोग ने टीम को संबंल प्रदान किया।

मौके पर प्रदीप कुमार सिन्हा, विनायक सिन्हा, अजय प्रसाद, शैलेन्द्र कुमार, सौरभ कुमार, रमन अम्बष्ठा, विनय कु० सिन्हा, अनय कुमार सिन्हा, प्रणय कुमार सिन्हा, उमेश कुमार सिन्हा, पंकज कुमार, राजेश कुमार, अजय प्रताप सिन्हा, संजय आनन्द, सुमन कु० सिन्हा, अतुल कु० सिन्डा, उदय प्रसाद, राजकुमार सिन्हा, अन्य कु० सिन्हा, कुमार अभिषेक, अमिताभ कुमार सिन्हा, अजय प्रताप सिन्हा, संजय आनंद, सुमन कुमार सिन्हा, अतुल कुमार सिन्हा, उदय प्रसाद, राजकुमार सिन्हा, मनोज कुमार सिन्हा, प्रकाश चन्द्र वर्मा, गौरव सिन्हा, सुरज कुमार सिन्हा, प्रत्युष सिन्हा, विद्या सागर प्रसाद, लंबोदर प्रसाद, आशुतोष प्रसाद, राकेश रंजन, आदित्य प्रसाद, अदविक सिन्हा सहित दर्जनों सदस्य उपस्थित थे।

कॉनफ्रेंडरेशन ऑफ झारखंड सहोदया के तत्वाधान शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम

रिपोर्ट - अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ रविवार को डीपीएस पाकुड़ के सभागार में शिक्षिकों को नई शिक्षा नीति के अनुरूप पारंगत करने के उदेश्य से कॉनफ्रेंडेरेशन ऑफ झारखण्ड सहोदया (सहोदया स्कूल काम्प्लेक्स गोड्डा, पाकुड़, एंड साहेबगंज)के तत्वाधान में सी.बी.एस.ई के निदेर्शानुसार एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य विषय ₹सीबीएसई द्वारा निर्देशित विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (एस टी ई एम -डी एल डी) का जिला स्तर पर क्रियान्वयन पर विचार-विमर्श था। इसके अंतर्गत पाकुड़ के विभिन्न विद्यालयों (डी ए वी, पाकुड़, जवाहर नवोदय विद्यालयमहेशपुर एवं हिरणपुर, संत डॉन बॉस्को, एलीट पब्लिक स्कूल,पाकुड़) से आए शिक्षकों ने प्रशिक्षक बनकर सहयोगात्मक लर्निंग के आलोक में विभिन्न विषयों (गणित, कंप्यूटर,हिंदी ईंग्लिश,गणित, विज्ञान , साइबर सेफ्टी इत्यादि) से सम्बंधित अपने अपने अनुभव को विभिन्न गतिविधियों द्वारा साझा कर अपने अपने विषयों को रुचिकर बनाने, एक्सपेरिएंशल लर्निंग को बढ़ावा देने हेतु विचार प्रेषित किए, कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डीपीएस, पाकुड़ के निदेशक अरुणेंद्र कुमार जी, वेन्यू डायरेक्टर, झारखण्ड सहोदया कॉनफेडरेशन के पाकुड़ जिला के ट्रेनिंग समन्वयक एवं डीपीएस के प्रधानाचार्य जे के शर्मा को - ऑर्डिनेटर एवम रिसोर्स पर्सन सौरिस दत्ता, डीपीएस के स्कूल प्रशिक्षण नोडल समन्वयक (एस टी एन सी) दिनाबंधु सेन, डीपीएस के साथ साथ पाकुड़ के उपरोक्त वर्णित विद्यालय के प्रशिक्षक और शिक्षक मौजूद थे। प्रशिक्षण कार्यक्रम में झारखंड सहोदया के चेयरमैन प्रणेश सोलेमन ने भी ऑनलाइन कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये भाग लिया और सभी प्रशिक्षकों को प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डीपीएस के निदेशक श्री अरुणेंद्र कुमार जी ने सभी शिक्षाविदों का शिक्षा के क्षेत्र में दिए जा रहे योगदान के लिए सराहना करते हुए, शिक्षक प्रशिक्षण की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज ए आई के जमाने में सभी शिक्षकों को पारम्परिक शिक्षण पद्दित के साथ साथ नई शिक्षा पद्दित की गुणवत्ता में सुधार और प्रभावी शिक्षण के लिए प्रशिक्षण आवश्यक है। इससे शिक्षकों को नवीनतम शिक्षण विधियों, कौशल और ज्ञान प्राप्त होता है, जिससे वे छात्रों को बेहतर ढंग से सिखाने में सक्षम होते हैं। उन्होंने शिक्षकों के समक्ष माउंटेन मैन माझी का उदाहरण देते हुए कहा कि जहाँ चाह वहाँ राह। विद्यालय के प्रधानाचार्य जे के शर्मा ने अपने सम्बोधन में नई शिक्षा नीति के खूबियों का वर्णन किया और बताया कि यदि शिक्षकों को अपना कार्य उच्चतम संभव मानक पर करना है, तो उन्हें प्रभावी और कुशलतापूर्वक प्रशिक्षित किया जाना आवश्यक है।

चितरा कोलियरी में 19 वां दिन भी कोयले की ढूंलाई ठप

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

मधुपुर 27 जुलाई डेमोक्रेटिक कोलियरी मजदूर यूनियन के संस्थापक महासचिव अशोक वर्मा ने कहा कि वर्षों पुरानी चित्रा कोलियरी मैं आज 19 वां दिन भी कोयले की ढुलाई ठप रही` इस संबंध में हुए आधे दर्जन बैठकें बेनतीजा रहीं लगता है इन दिनों चित्रा पर काली छाया लग गई है जो दुखद और चिंता का विषय है` चित्रा से करीब 50 000 लोगों की आजीविका जुड़ी हुई है` अशोक ने कहा कि एक तरफ डंपर और हाईवा के चक्कर में ढुलाई बंद है ,जिसके वजह से बिजली उत्पादन करने वाली थर्मल पावर बाढ़ और फरक्का में यहां से कोयले की आपूर्ति ठप है` हफ्ता भर ढुलाई की स्थिति यही रही तो बाढ़ और फरक्का थर्मल पावर में भी विद्युत आपूर्ति पर संकट पैदा हो जाएगा` अशोक वर्मा ने कहा कि दूसरी तरफ प्रबंधन द्वारा निर्दोष मजदूरों का एक दिन का वेतन काटना आग में घी डालने का काम किया` मजदूरों की मांग जायज है`मजदूर और कर्मचारी आक्रोश में सड़कों पर उतर कर प्रदर्शन कर रहे हैं` अशोक वर्मा ने कहा कि अब जो तीसरी आशंका दिख रही है वह यह कि पूर्व से ढुलाई के काम में लगे डंपरों के ड्राइवर और उसके मालिक भी सड़क पर उतरने वाले हैं, क्योंकि उन्हें आशंका है कि कोयला प्रबंधन और सरकार यदि दोनों मिलकर किसी बड़े हाईवा कंपनी को ढुलाई के काम में लगाती है तो ऐसी स्थिति में उनके डंपर बर्बाद हो जाएंगे और उन्हें बैंकों में किश्ती चुकाने के लिए भी जलालत उठानी होगी और स्वयं भी बेरोजगार होगे वो अलग` अशोक ने कहा कि डंपर के सभी मालिक साधारण ग्रेड के कारोबारी हैं

और डंपर चलाकर किसी तरह वह अपने परिवार का भरण पोषण करते हैं ` उनके लिए तत्काल हाईवा खरीद कर ढुलाई करना असंभव है ` अशोक वर्मा ने कहा कि चित्रा प्रबंधन के कारण पहले से ही व्यवस्था में गड़बड़ी है`बताया तो यहां तक गया है कि पूर्व में कोयले की ढुलाई का टेंडर हाईवा के द्वारा ही करने का निकला गया था और कागज में आज हाईवा ही कोयले को ढो रही है मगर वास्तव में वह हाईवा नहीं डंपर है` अशोक वर्मा ने कहा कि चित्रा का मामला बड़ा ही घनचक्कर वाला है` यह विषय कोल मंत्रालय पहुंच गई है` अशोक वर्मा ने कहा कि चित्रा कोलियरी के अधिकारी तो जेल जाएंगे ही मगर इसकी सजा आसपास के निर्दोष ग्रामीणों को भी भुगतनी पड़ेगी जो चिंता विषय है `अशोक ने कहा कि शीघ्र ही कोल मंत्रालय की टीम चित्रा जांच के लिए आने वाली हैं`डेमोक्रेटिक कोलियरी मजदूर मजदूर यूनियन चित्रा कोलियरी को फिर से चालू कराने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है` फलाफल भी सकारात्मक होगा` अशोक वर्मा संस्थापक महासचिव डेमोक्रेटिक कोलियरी मजदूर यूनियन झारखंड

सूर्य मंदिर मंदिर नव निर्माण को लेकर समिति के पदाधिकारीयों ने किया पूजा अर्चना,लिया संकल्प

विधिवत सूर्य देव व भगवान शिव के शिवलिंग में की गई पूजा

अध्यक्ष,सचिव ने नवयुक्त अधिकारियों को अंगवस्त्र देकर किया स्वागत

दिव्य दिनकर:जिला ब्यूरो,कुन्दन पासवान

टंडवाःचतरा। सुप्रसिद्ध सूर्य मंदिर चुंदरु धाम में रविवार को सुबह 9:00 बजे नवयुक्त सूर्य मंदिर विकास समिति के अध्यक्ष विकास कुमार गुप्ता तथा सचिव अनिल कुमार दास के आग्रह पर तमाम नवयुक्त पदाधिकारीयों व आजीवन सदस्यों ने मंदिर के प्रांगण में सूर्य देव भगवान के चरणों में नतमस्तक होकर पदाधिकारीयों ने सामूहिक रूप से विधिवत मंदिर परिसर के प्रोहित डिंगम्बर पाठक,ईश्वरी पाठक, आदित्य पांडेय के द्वारा मंत्रो उच्चारण के साथ पूजा अर्चना करवाया गया। उस उपरांत सूर्य मंदिर नवनिर्माण करने की संकल्प लिया गया। तत्पश्चात शिव लोक स्थान जो चुंदरु नदी के प्राकृतिक की गोद व पत्थरों की सौंदर्य में स्थापित शिवलिंग में भी जा कर जला अभिषेक व पुष्प अर्पित कर पूजा अर्चना किया गया। उसके बाद चुंदरु देवन्ता को सभी भक्तों ने दंडवत नमस्कार किया। सूर्य मंदिर विकास समिति के अध्यक्ष तथा सचिव के द्वारा पूजा अर्चना के बाद औपचारिक बैठक में नवगठित मंदिर

समिति के पदाधिकारीयों तथा आजीवन सदस्यों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। उस उपरांत विचार विमर्श करते हुवे अपने संबोधन में अध्यक्ष विकास कुमार गुप्ता तथा सचिव अनिल दास ने मंदिर नवनिर्माण को लेकर तमाम लोगों से बढ़-चढ़कर सहयोग करने का अपील तथा आग्रह किया। आगामी 29 जुलाई दिन मंगलवार को समय 3:00 बजे से मंदिर परिसर में पदाधिकारी एवं तमाम जीवन सदस्यों को बैठक में भाग लेने का अपील किया है। बैठक में मंदिर नवनिर्माण संबंधित महत्वपूर्ण विषयों पर विचार विमर्श किया जाएगा। संकल्प पूजा अर्चना में मौजूद शंकर कुमार गुप्ता,जागेश्वर कुमार दास,रूदेश कुमार नायक, रंजीत कुमार गुप्ता,बलराम गुप्ता,मनोज मालाकार,कुंदन पासवान,मीनू गुप्ता,अर्जुन कुमार दास,रंजीत कुमार गुप्ता, बालकिशन यादव, अशोक ठाकुर,रविंद्र कुमार बख्शी, वरुण सिंह,राजेश सोनी,अनुग्रह नारायण सिंह,राजेंद्र नायक,सुभाष गुप्ता,मनोज नायक,किशोरी गुप्ता, प्रेम प्रकाश नायक,लोकनाथ नायक, महादेव साव, संजय पासवान, कैलाश कुमार गुप्ता, मिथिलेश कुमार गुप्ता,अभिषेक कुमार गुप्ता,दीपक नायक,अजय गुप्ता, उदय यादव,जय सिंह,प्रेम भगत, मनोज गुप्ता,निर्मल यादव एवं अन्य उपस्थित थे।

बलात्कारियों को फाँसी या आजीवन जेल: अपराजिता बिल को किससे है डर !

>> विचार

> “ को जमानत मिलना मुश्किल हो जाएगा, और सजा मिलने के बाद कभी जेल से बाहर नहीं आ पाएंगे तो इसमें केंद्र को क्या दिक्कत हो सकती है? महिलाओं के खिलाफ़ अपराध, पुरुष मानसिकता में बहुत गहरे से भरा हुआ है, इसे किसी किस्म का 'अच्छा व्यवहार' और सुधार कार्यक्रम ठीक नहीं कर सकता। जब भी मौक़ा मिलेगा आरोपी/अपराधी फिर से यौन अपराध करेगा। पूरी कानूनी सहायता दी जाये, निदोष ना फँसने पाए लेकिन एक बार अगर कोई अपराधी साबित हो जाता है तो उसे बाहर निकलने का मौक़ा नहीं दिया जाना चाहिए। यह संसद, संविधान या लोकतंत्र की अन्य संस्था का विषय नहीं, यह लगभग 70 करोड़ महिलाओं की सुरक्षा, विकास और उनके पूरे अस्तित्व का मामला है। यदि सच में प्रधानमंत्री गंभीर हैं, उनकी मंशा साफ़ है।

व्यूरो

9 अगस्त 2024 को जब कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज की पोस्टग्रेजुएट ट्रेनी डॉक्टर के बलात्कार और हत्या की खबर सामने आई तो पूरा देश हिल गया। महिला होने के नाते खुद को यह समझाना मुश्किल था कि उच्च शिक्षण संस्थानों में पढ़ने वाली लड़कियाँ भी सुरक्षित नहीं हैं। छोटी क्लास से लेकर पोस्टग्रेजुएट तक, सामान्य शिक्षा से लेकर उच्च स्तरीय तकनीकी शिक्षा तक, कहीं कोई सुरक्षित नहीं है, यह एहसास रीढ़ में सिहरन देने वाला है। यह एहसास बहुत चुभन और गुस्सा पैदा करता है कि एक महिला का अस्तित्व पुरुष की निगाह में एक शरीर से ज़्यादा कुछ नहीं। एक महिला कितनी भी योग्य क्यों न हो, पुरुष के पास उसकी योग्यता को पढ़ने या समझने के लिए कोई रिसीवर नहीं है, वह सिर्फ़ शरीर से अधिक कुछ पढ़ ही नहीं पाता। इन तमाम बलात्कार की घटनाओं से उत्पन्न असुरक्षा का बेहिसाब 'फोर्स' महिलाओं को घरों के भीतर रहने को मजबूर कर रहा है। हर एक सरकार, हर एक नेता, हर एक दल महिलाओं में सुरक्षा का भाव पैदा करने में नाकाम रहा है। सरकारों की यह नाकामी बहुत ही बेशर्मी भरी है। जिन्हें सुरक्षा का ज़िम्मा दिया गया है, जिन्हें क़ानून बनाने के लिए अधिकृत किया गया है, जिन्हें संविधान ने 'नागरिक प्रथम' का ज़रूरी संदेश दिया है वो मौकापरस्त भाषणबाजी के अलावा कुछ और नहीं कर पा रहे हैं। मुझे याद है जब कोलकाता की यह घटना सामने आई तब भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जमकर राज्य की टीएमसी सरकार को कोसा। पीएम मोदी ने महाराष्ट्र में एक चुनावी रैली के दौरान अगस्त में कहा कि 'महिलाओं की सुरक्षा बहुत महत्वपूर्ण है। मैं एक बार फिर सभी राज्य सरकारों से कहूंगा कि महिलाओं के खिलाफ अपराध अक्षम्य हैं। चाहे अपराधी कोई भी हो, उसे बख्शा नहीं जाना चाहिए।' पीएम ने आगे कहा कि 'मैंने इस मुद्दे को लाल क़िले से भी उठाया है‌ अपनी बहनों बेटियों की पीड़ा को उनके गुस्से को मैं समझ रहा हूं'। बात बहुत जरूरी थी लेकिन क्या पीएम इसे लेकर गंभीर थे? क्या पीएम मोदी महिलाओं के गुस्से को समझ रहे हैं? पीएम मोदी ने जब यह बात कही थी तब उसके दो महीने बाद ही महाराष्ट्र में विधान सभा चुनाव होने थे, तो क्या पीएम मोदी ने ये बातें चुनाव के कारण कहीं या वे अपराधियों को मिलने वाली कड़ी सजा को लेकर गंभीर थे?

बंगाल का अपराजिता बिल : एक तरफ़ पीएम मोदी राज्य सरकार के ख़िलाफ़ चुनावी भाषण दे रहे थे तो दूसरी तरफ़ बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी एक नए क़ानून की तैयारी कर रही थीं। आरजी कर मेडिकल कॉलेज की घटना को एक महीना भी नहीं बीत पाया था कि पश्चिम बंगाल विधान सभा ने सर्वसम्मति से अपराजिता महिला एवं बाल (पश्चिम बंगाल आपराधिक कानून संशोधन) विधेयक, 2024, पारित कर दिया। बलात्कार के ख़िलाफ़ यह अबतक का सबसे कठोर कानून था। इस कानून ने भारतीय न्याय संहिता-2023, की धारा 64 में बदलाव करके बलात्कार की सजा को निम्नतम 10 साल से बढ़ाकर आजीवन कारावास में बदल दिया। इस कानून से बलात्कारियों को होने वाली अधिकतम सजा अब फाँसी कर दी गई थी। इस कठोर बिल को लाकर ममता बनर्जी सरकार ने महिलाओं की सुरक्षा को लेकर अपना इरादा साफ़ कर दिया था। इस बिल के आने से बलात्कारियों के मन में शायद कुछ भय उत्पन्न होता क्योंकि एक बार सजा हो जाने पर वो आजीवन जेल में रहने वाले थे (यहाँ पर आजीवन का मतलब जब तक जीवन है)। इस कानून के बन जाने से महिलाएं कुछ सुकून महसूस कर पातीं कि तब तक बंगाल के राज्यपाल ने इस बिल को अपने पास रोक लिया। 4 महीने तक इस बिल के ऊपर बैठे रहे, हस्ताक्षर नहीं किया। इस अपराजिता बिल को 4 महीने के बाद राज्यपाल सी वी आनंद बोस ने दिसंबर 2024 में राष्ट्रपति के पास भेज दिया। बोस को यह कानून कुछ ज़्यादा ही कठोर लगा। बोस के ख़िलाफ़ भी एक महिला यौनशोषण की शिकायत कर चुकी है जिसका संतोषजनक जवाब अभी तक उनकी तरफ़ से नहीं आया है।

पीएम मोदी का हमला : अभी एक सप्ताह पहले ही पीएम मोदी ने पश्चिम बंगाल में एक रैली के दौरान कहा था कि "पश्चिम बंगाल में टीएमसी सरकार के शासन में बेटियों के साथ अन्याय हो रहा है। पश्चिम बंगाल में बेटियों के लिए अस्पताल भी सुरक्षित नहीं हैं। टीएमसी ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में बलात्कार-हत्या की घटना में अपराधियों को संरक्षण दिया। ‌देश इस घटना से अभी उबरा भी नहीं था कि एक अन्य कॉलेज में एक बेटी पर अत्याचार हुआ और इस मामले में आरोपी का टीएमसी से संबंध है।" यदि प्रधानमंत्री को इतना पक्का यकीन है कि टीएमसी अपराधियों को बचा रही है, तब तो बंगाल सरकार द्वारा तैयार किए गए बिल का कठोर रहना महिलाओं के हित में ही था। एक कठोर कानून को न्यायालय भी लागू करवा सकता है। भविष्य में यदि बीजेपी सत्ता में आती है तो उसे टीएमसी के इन अपराधियों पर कार्रवाई करने और महिलाओं को न्याय दिलाने में आसानी होगी। फिर मोदी सरकार को डर किस बात का है? कहीं ऐसा तो नहीं कि उनमें नैतिक बल की कमी है वर्ना राज्यपाल सीवी आनंद बोस को नैतिकता के आधार पर हटा दिया जाता। दिसंबर 2024 में राष्ट्रपति को भेजा गया यह बिल लगभग 6 महीने बाद इस संदेश के साथ आया कि बिल में किया गया सजा का प्रावधान बहुत ज़्यादा कठोर है इसलिए राज्य विधानसभा को इस बिल पर फिर से विचार करना चाहिए। राजभवन के अधिकारी ने कहा कि इसमें न्यूनतम सज़ा 10 साल से बढ़ाकर आजीवन कारावास (जीवन के शेष समय तक) या मृत्युदंड करने का प्रस्ताव है। गृह मंत्रालय ने इस संशोधन को अत्यधिक कठोर और असंगत बताया है"। पीटीआई के अनुसार, केंद्रीय गृहमंत्रालय ने बिल के प्रावधानों से असहमति जताते हुए इसे फिर से विचार के लिए भेजा है। यह बात संविधान में उल्लिखित है कि जब भी कोई बिल किसी राज्यपाल द्वारा राष्ट्रपति के विचार के लिए भेजा जाएगा (अनुच्छेद-201) तब राष्ट्रपति इस पर मंत्रिपरिषद की सलाह के आधार पर फ़ैसला लेगा। मंत्रिपरिषद का प्रमुख देश का प्रधानमंत्री होता है। सवाल यह है कि देश के प्रधानमंत्री को और कैबिनेट के अन्य मंत्रियों को बलात्कार के लिए मिलने वाली कठोर सजा से क्या आपत्ति है? क्या महिलाओं को लेकर यह दो-रंगी व्यवहार ठीक है? यह एक गंभीर मसला है। बलात्कार के आरोपियों को पूरी कानूनी सहायता और सुविधाएं मिलनी चाहिए लेकिन यदि वो एक बार अपराधी साबित हो जाते हैं तो उन्हें जमानत का अधिकार नहीं मिलना चाहिए, जैसे बलात्कार का आरोपी राम-रहीम पैरोल पर जब मन आए बाहर कर दिया जाता है जिससे उसका राजनैतिक लाभ उठाया जा सके। अपराजिता बिल बलात्कार के दोषी को ताउम्र जेल के भीतर रखने का प्रावधान करता है जोकि मेरी नजर में सही है। तमाम ऐसे मामले हैं जहाँ बलात्कार के आरोपी, जमानत पर बाहर आकर बलात्कार कर देते हैं, हत्या भी करते हैं। बहुत से अपराधी सजा पूरी करने के बाद बाहर आकर फिर बलात्कार करते हैं और हत्या कर देते हैं। ऐसे एक दो नहीं, अनगिनत मामले हैं। केंद्र सरकार ध्यान से इन तथ्यों को पढ़े जिससे यह तो जान सके कि बलात्कार के आरोप में जेल गए पुरुषों में शर्म और भय की बजाय पीड़ित के ख़िलाफ़ गुस्सा कितना अधिक होता है। मध्यप्रदेश विधानसभा में पेश किए गए आंकड़ों के अनुसार, जनवरी 2018 से दिसंबर 2022 के बीच 63 ऐसे बलात्कार के आरोपी थे जिन्हें जमानत पर जब छोड़ा गया तो उन्होंने फिर से बलात्कार किया। बलात्कार के घोषित अपराधियों को जीवन भर के लिए जेल से क्यों नहीं छोड़ा जाना चाहिए, यह बात गृहमंत्रालय को समझना जरूरी है। मध्यप्रदेश में 10 अपराधी ऐसे थे जिन्होंने अपनी सजा पूरी करने के बाद फिर से बलात्कार किए।

यौन अपराध के कैसे-कैसे मामले : महिलाओं के ख़िलाफ़ यौन अपराध करना एक आदत है। जो एक बार करता है वो जीवन भर करता है, कोई पकड़ा जाता है तो कोई जीवन भर अभिजात्य बना बैठा रहता है। इसमें राकेश वर्मा नाम के एक अपराधी का मामला है जिसे सतना में बलात्कार के लिए 10 साल की सजा हुई थी लेकिन 'अच्छे व्यवहार' के चलते उसे जल्दी छोड़ दिया गया। छोड़े जाने के 18 महीने बाद इस आदमी ने फिर से एक नाबालिग का बलात्कार किया। पता नहीं, किसने जांचा था इस आदमी का 'अच्छा व्यवहार'? न जाने किसने इसकी सिफारिश की थी? लेकिन यह त्रासदी है जहाँ महिलाओं की सुरक्षा, अस्मिता और अस्तित्व के सारे फैसले सिर्फ़ और सिर्फ़ पुरुष (अपवादों को छोड़कर) ही ले रहे हैं।

भरूच, गुजरात का रहने वाला 35 साल का शैलेश राठौड़, जो 70 साल की वृद्ध महिला के साथ बलात्कार के आरोप में जेल में बंद था, उसने जमानत मिलने पर फिर से इसी वृद्धा के साथ बलात्कार किया; 2024 में भोपाल का एक मामला है जिसमें महीनों तक बलात्कार के बाद जेल गया एक आदमी जब जेल से जमानत पर वापस आता है तो लड़की को फिर धमकाता है और बलात्कार करता है; इसी में एक मामला लखनऊ के ललित गौतम का है जिसके ख़िलाफ़ जुलाई, 2024 में बलात्कार का मामला दर्ज किया गया। लेकिन जैसे ही गौतम जेल से बाहर आया तो उसने पहला काम किया लड़की को जाकर धमकाने का जिससे लड़की उसके ख़िलाफ़ की गई शिकायत वापस ले ले; बिहार का वीरेंद्र नाथ पांडे, जिसे एक 17 साल की लड़की का अपहरण करने के लिए जेल हुई थी, जमानत मिलने पर फिर से उसी लड़की को अगवा कर लेता है, उन्नाव का एक बलात्कार आरोपी, जेल से जमानत मिलने पर फिर से पीड़िता के घर में घुसता है, माँ की हत्या कर देता है और खुद को गोली मार लेता है; कोटा का रौनक धोबी एक लड़की के बलात्कार के आरोप में जेल जाता है, जमानत पर छूटने के बाद लड़की के कक्षा 7 में पढ़ने वाले भाई को अगवा कर लेता है और बलात्कार का केस हटाने का दबाव डालने लगता है। ऐसे मामलों की संख्या बहुत अधिक है और बढ़ती ही जा रही है। ऐसे में जब कोई राज्य सरकार ऐसा कानून लाती है जिसमें बलात्कार के आरोपियों को जमानत मिलना मुश्किल हो जाएगा, और सजा मिलने के बाद कभी जेल से बाहर नहीं आ पाएंगे तो इसमें केंद्र को क्या दिक्कत हो सकती है? महिलाओं के खिलाफ़ अपराध, पुरुष मानसिकता में बहुत गहरे से भरा हुआ है, इसे किसी किस्म का 'अच्छा व्यवहार' और सुधार कार्यक्रम ठीक नहीं कर सकता। जब भी मौक़ा मिलेगा आरोपी/अपराधी फिर से यौन अपराध करेगा। पूरी कानूनी सहायता दी जाये, निदोष ना फँसने पाए लेकिन एक बार अगर कोई अपराधी साबित हो जाता है तो उसे बाहर निकलने का मौक़ा नहीं दिया जाना चाहिए। यह संसद, संविधान या लोकतंत्र की अन्य संस्था का विषय नहीं, यह लगभग 70 करोड़ महिलाओं की सुरक्षा, विकास और उनके पूरे अस्तित्व का मामला है। यदि सच में प्रधानमंत्री गंभीर हैं, उनकी मंशा साफ़ है, वो किसी को बचाना नहीं चाहते हैं और न ही किसी पूर्वग्रह से ग्रसित हैं तो ऐसे क़ानूनों को आगे बढ़ने दिया जाना चाहिए, ऐसे कानूनों का स्वागत करना चाहिए, न कि संविधान का इस्तेमाल करके तहस-नहस करना चाहिए। सबसे अव्वल ख़ुद की पार्टी की गिरेबान में झाँककर पूछना चाहिए कि आख़िर क्यों बीजेपी राम-रहीम जैसे लैंगिक अपराध करने वाले आतंकियों को पैरोल पर छोड़ती है? आख़िर क्यों बिलकिस बानो के अपराधियों को छोड़ती है, उन्हें माला पहनाती है और उन्हें जेल से बाहर रखने के लिए सुप्रीम कोर्ट तक लड़ती हुई दिखाई पड़ती है? इन सभी सवालों के जवाब दिए जाने चाहिए। सबको सोचना पड़ेगा कि पीएम मोदी क्यों नहीं चाहते कि बलात्कार के आरोपियों को आजीवन कारावास और मौत की सजा मिले?

संपादकीय

सुरक्षा तंत्र के लिए चेतावनी है फर्जी दूतावास

गाजियाबाद में एक फर्जी दूतावास का खुलासा और आरोपी की गिरफ्तारी ने देश की आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जिस व्यक्ति ने पिछले डेढ़ दशक से राष्ट्रीय राजधानी के नजदीकी क्षेत्र में काल्पनिक देशों के नाम पर दूतावास चला रखा था, वह न केवल नागरिकों को नौकरी और वीजा के नाम पर ठग रहा था, बल्कि हवाला और अन्य संदिग्ध गतिविधियों से भी जुड़ा हुआ था। एसटीएफ की यह कार्रवाई सतही तौर पर एक ठगी के मामले का खुलासा प्रतीत होती है, पर इसके पीछे छिपी संभावित राष्ट्रविरोधी गतिविधियों की परतें अभी खुलना बाकी है, जो इस मामले को और गंभीर बना रही है। आश्चर्यजनक बात यह है कि आरोपी के पास पूर्व में सेटेलाइट फोन भी मिला था, जो सामान्य व्यक्ति के पास नहीं होना चाहिए। ऐसे उपकरणों की उपलब्धता और उनका गैरकानूनी इस्तेमाल यह संकेत देता है कि मामला महज ठगी का नहीं, बल्कि संभवतः खुफिया जानकारी के आदान-प्रदान और अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क से जुड़ाव का भी हो सकता है। इस दृष्टिकोण से यह आवश्यक हो जाता है कि सुरक्षा एजेंसियां इस पूरे नेटवर्क की गहनता से जांच करें। सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि यह फर्जी दूतावास इतने लंबे समय तक बिना किसी रोक-टोक के कैसे संचालित होता रहा? क्या स्थानीय प्रशासन और खुफिया एजेंसियों की निगरानी व्यवस्था इतनी कमजोर थी कि एक व्यक्ति इतने वर्षों तक भोले-भाले नागरिकों को मूर्ख बनाता रहा और किसी को भनक तक नहीं लगी। यह घटना सुरक्षा तंत्र की निष्क्रियता और खुफिया तंत्र की विफलता को भी उजागर करती है। किसी भी देश की सुरक्षा व खुफिया एजेंसी उसके आंख, नाक और कान होती है। इनका काम देश के बाहर होने वाली विरोधी गतिविधियों पर नजर रखने के साथ ही आंतरिक संदिग्ध गतिवधियों पर नजर रखना भी है। क्योंकि, इनकी एक चूक से देश को जान व माल का भारी नुकसान हो सकता है। यह समय है जब केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर ऐसे मामलों पर 'ज़ीरो टॉलरेंस' की नीति अपनाएं। प्रत्येक अज्ञात या संदिग्ध विदेशी संस्थान या संगठन की पृष्ठभूमि की नियमित जांच अनिवार्य की जाए। साथ ही यह आवश्यक है कि आम नागरिकों को जागरूक किया जाए कि वे किसी भी विदेशी नौकरी या वीजा के प्रलोभन में फंसने से पहले संबंधित सरकारी विभागों से पुष्टि करें। इस प्रकरण ने हमारी आंतरिक सुरक्षा प्रणाली में खामियों को भी उजागर किया है, जिन्हें दूर करना अब प्राथमिकता होनी चाहिए। फर्जी दूतावास जैसे मामलों को केवल ठगी के नजरिए से नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा के परिप्रेक्ष्य से देखा जाना चाहिए और दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दी जानी चाहिए।

धनखड़ के इस्तीफे से विपक्षी दलों के सामने खड़ा हुआ नया चैलेंज !

मनोज सीजी

मानसून सेशन की शुरुआत में विपक्षी दल फ्लोर पर अपनी रणनीति को लेकर पूरी तरह से एकमत थे। विपक्षी दल सरकार को पहलगाम टेरर अटैक और सीजफायर में अमेरिका के कथित रोल पर चर्चा के लिए फोर्स करना चाहते थे। इसके अलावा बिहार में चुनाव आयोग द्वारा वोटर लिस्ट को लेकर चलाए जा रही ‌रक्फ़पर भी घेरना था। लेकिन अचानक से जगदीप धनखड़ ने इस्तीफा दे दिया। हालांकि सरकार अगले हफ्ते ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के लिए राजी हो गई है लेकिन वह बिहार में चल रही ‌रक्फ़ एक्सरसाइज पर पीछे हटने के लिए राजी नहीं है। ऐसे में अब विपक्ष के सामने दो नए चैलेंज आ गए हैं।

विपक्ष के ज्यादातर नेताओं का मानना है कि जगदीप धनखड़ के पीछे रहस्य है। इन नेताओं में जयराम रमेश में भी शामिल हैं, उन्होंने कहा कि धनखड़ के "पूरी तरह से अप्रत्याशित" इस्तीफे में जो दिख रहा है उससे कहीं अधिक है। लेकिन बड़ी बात यह है कि विपक्षी खेमे में इस बात को लेकर स्पष्टता का अभाव है कि सरकार पर बढ़त बनाने के लिए इसका फायदा कैसे उठाया जाए। इस फैक्ट को भी कोई नकार नहीं सकता कि जगदीप धनखड़ और विपक्षी दलों के बीच रिश्ते अच्छे नहीं थे।

इसके अलावा एक अन्य चैलेंज विपक्ष द्वारा उपराष्ट्रपति पद के लिए संयुक्त उम्मीदवार उतारना है। इसके लिए चुनाव आयोग ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। पिछले उपराष्ट्रपति चुनाव में टीएमसी ने वोटिंग से दूर रही थी। टीएमसी ने तब दावा किया था कि विपक्षी दलों से उससे चर्चा किए बिना ही मार्गरेट अल्वा को अपना उम्मीदवार चुन लिया।

हालांकि तब से अब तक बहुत कुछ बदल चुका है, पश्चिम बंगाल में अगले साल विधानसभा का चुनाव होना है, ऐसे में टीएमसी अपने विकल्पों से ध्यान से काम करेगी। वो कोशिश करेगी कि वह किसी भी खेमे में न दिखाई दे। आम आदमी पार्टी पहले ही यह घोषणा कर चुकी है कि वह इंडिया गठबंधन का हिस्सा नहीं है। गौर करने वाली बात यह है कि टीएमसी की तरफ से अभी तक जगदीप धनखड़ के इस्तीफे पर कोई विशेष कमेंट करने से बचा गया है।

मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस के नेता जयराम रमेश की शुरुआती प्रतिक्रिया ने उनकी अपनी ही पार्टी को चौंका दिया। जयरमेश ने कहा कि "धनखड़ ने सरकार और विपक्ष, दोनों को समान रूप से आड़े हाथों लिया" और उनसे अपने फैसले पर पुनर्विचार करने का अनुरोध भी किया। उन्होंने कहा, "यह देशहित में होगा। खासकर किसान समुदाय को इससे बहुत राहत मिलेगी।"

हालांकि उनकी प्रतिक्रिया पर कांग्रेस के नेता ने कहा कि कभी-कभी वह (रमेश) अकेले पड़ जाते हैं। धनखड़ स्पष्ट रूप से राज्यसभा के अब तक के सबसे पक्षपाती सभापति थे। शिवसेना यूबीटी की नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने खुलकर जयराम रमेश से असहमति जाहिर करते हुए कहा, " 'श्री धनखड़ ने सरकार और विपक्ष दोनों को समान रूप से आड़े हाथों लिया'। फैक्ट चेकः गलत। ध्यान दें: विपक्ष को सभापति के पक्षपातपूर्ण आचरण के कारण ही अविश्वास प्रस्ताव लाने पर मजबूर होना पड़ा। कम से कम हमें यह नहीं भूलना चाहिए, क्योंकि यह क्षण एक सरप्राइज के रूप में आया है।"

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा, "हमारे बेहद लोकप्रिय उपराष्ट्रपति जी ने अपने स्वास्थ्य की चिंता जताते हुए इस्तीफा दे दिया, लेकिन किसी ने उनका हालचाल नहीं पूछा। कोई उनका हालचाल पूछने नहीं गया। बहुत सारे बीजेपी सदस्य तो स्वास्थ्य और कुशलक्षेम पूछने के लिए किसी संदेश का इंतजार कर रहे होंगे। मुझे नहीं लगता कि कोई बीजेपी सदस्य उनका हालचाल पूछने पहुंचा होगा‌ आज एक शीर्ष पद पर बैठे व्यक्ति को अपने स्वास्थ्य की चिंता जताते हुए इस्तीफा देना पड़े और बीजेपी से कोई भी उनसे पूछने वाला न हो, तो इसका मतलब है कि 'कुछ दाल में काला है', जिसका अंदाजा हमें नहीं है।"

विपक्षी दलों द्वारा इस तरह की प्रतिक्रियाएं रुख में एक दिलचस्प बदलाव का संकेत देती हैं क्योंकि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी इंडिया गठबंधन का हिस्सा थे। इन दलों का जगदीप धनखड़ के साथ पहले भी कई बार टकराव हो चुका है। पिछले साल दिसंबर में उन्होंने उपराष्ट्रपति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने का अभूतपूर्व कदम भी उठाया था, जिसमें उन पर राज्यसभा के सभापति के रूप में "पक्षपातपूर्ण आचरण" का आरोप लगाया गया था।

अपने महाभियोग नोटिस में, जिसे बाद में उपसभापति हरिवंश ने खारिज कर दिया था, विपक्ष ने आरोप लगाया था कि जगदीप धनखड़ ने सार्वजनिक मंचों पर सरकार की नीतियों का "भावुक प्रवक्ता" बनने का बीड़ा उठा लिया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि वह "स्पष्ट रूप से पक्षपातपूर्ण" थे और उच्च सदन की कार्यवाही "बेहद पक्षपातपूर्ण" तरीके से चला रहे थे।

ज्यादातर विपक्षी नेताओं का मानना है कि जगदीप धनखड़ से जबरन इस्तीफा दिलवाया गया है। यह उनके इस बड़े आरोप से मेल खाता है कि बीजेपी के नेतृत्व वाली सरकार संविधान और संस्थाओं को कमजोर कर रही है‌ लेकिन वे इस मुद्दे पर पूरी तरह से आगे बढ़ने से कतरा रहे हैं। एक वरिष्ठ विपक्षी नेता ने कहा, "क्या होगा अगर हम इसे एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बना दें और वह कल बयान दें कि उन्हें अपने इस्तीफे के राजनीतिकरण से दुख हुआ है? अभी तक वह चुप रहे हैं। हमें उम्मीद है कि वह एक दिन बोलेंगे।" इससे विपक्ष का यह विश्वास भी उजागर होता है कि धनखड़ सत्यपाल मलिक की राह पर चलेंगे।

सीपीएम के राज्यसभा सांसद जॉन ब्रिटास ने कहा, "दूसरे सर्वोच्च संवैधानिक पद की गरिमा की रक्षा और बढ़ती अटकलों पर विराम लगाने के लिए, सरकार को जगदीप धनखड़ के इस्तीफे से जुड़ी परिस्थितियों को स्पष्ट करना चाहिए। कुछ सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, एक वरिष्ठ मंत्री ने सरकार की ओर से उनका इस्तीफा मांगा था। प्रधानमंत्री द्वारा धनखड़ जी की उम्मीदवारी के दौरान उन्हें 'किसान पुत्र' कहने और उनके इस्तीफे के बाद देरी से दिए गए बयान के बीच का अंतर, रहस्य को और बढ़ा देता है।"

ब्रिटास ने कहा, "अगर सरकार सवालों से बचती रही, तो धनखड़ जी के लिए अपने पद की गरिमा बनाए रखने के लिए अपनी चुप्पी तोड़ना उचित होगा। विपक्ष कई मुद्दों पर पूर्व उपराष्ट्रपति से असहमत था, लेकिन बीजेपी सरकार जिस तरह से इस संवैधानिक पद को संभाल रही है, वह बेहद चिंताजनक और चिंताजनक है।"

बीजेपी का मानना है कि यह मुद्दा कुछ ही दिनों में शांत हो जाएगा और ध्यान नए उपराष्ट्रपति के चुनाव पर केंद्रित हो जाएगा। और फिर, विपक्ष को अपनी अगली चुनौती का सामना करना पड़ेगा। सिर्फ तृणमूल कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ही नहीं हैं जो कांग्रेस के साथ नहीं दिखना चाहतीं, बल्कि माकपा भी खासकर राहुल गांधी से नाराज है। राहुल गांधी ने अपनी पिछली केरल यात्रा के दौरान उस पर हमला किया था।

व्यंग्य

नकली के सामने पानी भरे है असली

विनय कुमार पाठक

कौन-सी चीज है जिसे हमारे यहां नकली नहीं बनाया जा सकता है? ऐसी कोई वस्तु नहीं जिसकी नकल हमने की नहीं। एक से एक बाजार हैं हमारे देश में जहां ऐसी-ऐसी नकली चीजें मिलती हैं जिसके सामने असली शर्म से बिना चुल्लू भर पानी के डूब मरे। हमारे देश और देशवासियों के नकल करने की योग्यता और क्षमता पर किसी को संदेह नहीं होना चाहिए। हमारे यहां ऐसी-ऐसी नकली चीजें बनती हैं जो असली को भी मात कर दें। हमारे यहां बने नकली दूध को मजाल है दुनिया का कोई लैक्टोमीटर नकली बता सके। वैसे लैक्टोमीटर भी नकली उपलब्ध हैं बाजार में। दूध तो एक उदाहरण मात्र है भूसे के ढेर में सुई की तरह। कौन-सी चीज है जिसे हमारे यहां नकली नहीं बनाया जा सकता है? ऐसी कोई वस्तु नहीं जिसकी नकल हमने की नहीं। एक से एक बाजार हैं हमारे देश में जहां ऐसी-ऐसी नकली चीजें मिलती हैं जिसके सामने असली शर्म से बिना चुल्लू भर पानी के डूब मरे। दूध, पनीर और मावा की बात छोड़िए, किसी भी ब्रांडेड वस्तु का नाम बतायें और उसके असली से ज्यादा असली हमारी नकली माल तैयार मिलेगा। अब आभूषण को ही ले लीजिए। इमिटेशन ज्वेलरी के नाम से पूरा उद्योग ही खड़ा है। और नकली के सामने असली सोना और हीरा पानी भरता नजर आता है। वैसे कई झपटमार इस बात से खफा भी हैं कि लोगों ने असली की जगह नकली आभूषण पहनना शुरू कर दिया है। फिल्मों में नकली न हों तो असली के स्टंट दृश्य ही न फिल्माए जा सकें। कुछ नकली असली की नकल करके ही रोटी कपड़ा और मकान का जुगाड़ कर पाते हैं। नकल के क्षेत्र में कुछ दिनों पहले एक क्रांतिकारी शुरुआत हुई थी जब एक बहुत बड़े बैंक की नकली शाखा ही खोल दी गई थी, छत्तीसगढ़ के छत्तीस गढ़ों में से एक गढ़ में। और इस नकली शाखा में बैंक का जो लोगो लगा था वह असली से भी ज्यादा असली था। काम भी नकली बैंक का असली बैंक से ज्यादा कुशल था। तो असली बैंक वाले पहुंच गए थे पुलिस को लेकर नकली बैंक की शाखा में। पर इस बीच लोगों को जो धोखा हुआ इस नकली बैंक के द्वारा वह बिलकुल असली था। और यदि कोई यह सोच रहा हो कि यह इस तरह की पहली घटना है तो अपना सामान्य ज्ञान बढ़ा ले। इस तरह के करामात अन्य राज्यों यथा तमिलनाडू बेंगलुरु आदि में भी हो चुके हैं। पर बात अभी एक बिलकुल ताज-तरीन घटना की हो रही है। जिला गाजियाबाद में एक सज्जन ने नकली दूतावास ही खोल दिया है। और इसका नाम भी कितना आकर्षक रखा गयाझ वेस्टार्कटिका। यानी जिस पश्चिम को जाने के लिए पूरब वाले तरसते हैं उस पश्चिम और आर्कटिक और अंटार्कटिक क्षेत्र के देशों से संबंधित दूतावास। इस दिव्य नामकरण के लिए नकल-सम्राट को कोई न कोई सृजनात्मक पुरस्कार दिया ही जाना चाहिए। जो नामपट्ट लगाया गया था इस दूतावास पर वह सोने के प्लेट पर था। जाहिर है सोना भी नकली ही रहा होगा। पर लोगों से जो ठगी की गई वह तो बिलकुल असली थी।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक और प्रकाशक व संपादक सरोज चौधरी द्वारा विजय प्रेस, नया टोला पटना से मुद्रित तथा 302, मां तारा कंपलेक्स, नारायण मूर्ति पथ, नागेश्वर कॉलोनी, बोरिंग रोड पटना से प्रकाशित! संपादक सरोज चौधरी, R.N.I. No:- BIHHIN/ 2016/72168

संक्षिप्त समाचार

30 वर्षों से सावन के प्रत्येक सोमवारी को डाक बंम के सेवा करते आ रहे हैं, पूर्व विधानसभा प्रत्याशी व पूजा समिति अध्यक्ष पप्पू यादव

दिव्य दिनकर

भागलपुर सावन के प्रत्येक सोमवारी को 30 वर्षों से अपने टीम के साथ करते आ रहे हैं।जी हां पूर्व विधानसभा प्रत्याशी एवं पूजा समिति अध्यक्ष पप्पू यादव कहते सावन माह के समय जो भक्त पूरा। श्रद्धा भाव से मन्नत मांगता है उनका अवश्य पूर्ण होता, आगे श्री यादव बताते हैं आज हम जो भी हैं महादेव के कृपा से है। मौके पर चंदन मिश्रा, मंटू सिंह, धीरज कुमार ,आकाश यादव, शंकर यादव ,रोहित यादव सभी लोग तीसरी सोमवारी को डाक बम के सेवा में जीरो माइल से लेकर ढाका मोर तक फल जूस कला पानी मजा लिट्टी जूस वितरण किए। वैसे पप्पू यादव लोगों के दिलों में नहीं छाए हैं क्योंकि उनका व्यवहार और लोगों के प्रति भावना अलग है। किसी भी त्यौहार चाहे काली पूजा हो दुर्गा पूजा, महापर्व छठ, काली पूजा, दुर्गा पूजा,दीवली हो वही ईद बकरीद मोहर्रम अन्य कोई त्यौहार हो पूजा समिति के सभी लोग दिन-रात सफल बनाने के लिए लगे रहते हैं।

अधिवक्ताओं के लिए कल्याणकारी बीमा योजना, पेंशन योजना, स्टाइपेंड योजना लागू किया जाए

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला विधिज्ञ संघ के सहायक सचिव सतीश कुमार स्नेही ने बिहार के नो बार में सर्वाधिक दिन तक मुख्यमंत्री रह चुके नीतीश कुमार से यह मांग किया है कि बिहार के अधिवक्ताओं का दो दशक से खुशखबरी का इंतजार है बिहार के अधिवक्ताओं के लिए कल्याणकारी बीमा योजना, पेंशन योजना, स्टाइपेंड योजना और सुरक्षा योजना लम्बित है जिसमें चुनाव के समय भी कोई आश्वासन नहीं मिला हैअभी तक न्यायमित्रों का भी वेतन में वृद्धि नहीं हुई है जबकि समाज से जुड़े कई क्षेत्रों के जनता का वेतन या पेंशन वृद्धि किया जा चुका है, बिहार में हमेशा अधिवक्ता पर हमला के खबरें आती रहती है जबकि राजस्थान में अधिवक्ता संरक्षण विधेयक 2023 , अधिवक्ता कल्याण निधि संसोधन विधेयक 2020,का लाभ अधिवक्ताओ को मिल रहा है, झारखंड में मुख्यमंत्री अधिवक्ता स्वस्थ बीमा योजना 2025, अधिवक्ता कल्याण पेंशन एवं पारिवारिक पेंशन नियम 2012 का लाभ मिल रहा है।

सरस्वती ज्ञान एजुकेशनल ट्रस्ट ने गोल्ड मेडलिस्ट काश्वि काजल को किया सम्मानित

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला मुख्यालय स्थित श्रीकृष्ण नगर मुहल्ले में स्व सुरेश मौआर जी के आवास पर डॉ राजेंद्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा की छात्रा काश्वि काजल को बैचलर आफ फिसरी साइंस में गोल्ड मेडल प्राप्त करने पर सरस्वती ज्ञान एजुकेशनल फाउंडेशन ट्रस्ट, औरंगाबाद द्वारा सम्मानित किया गया। ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ ज्ञानेश्वर प्रसाद सिंह,ग्लोबल पब्लिक स्कूल के डायरेक्टर सुनिल कुमार सिंह,जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के उपाध्यक्ष सुरेश विद्यार्थी द्वारा काश्वि काजल को प्रशस्ति पत्र,मेडल,पुष्प गुच्छ,प्रतिक चिह्न देकर सम्मानित किया गया।हाल हीं में स्कालरशिप के तहत विदेश से अध्ययन प्राप्त करने इंग्लैंड भी गई थी।अपनी इस उपलब्धि पर काजल ने बताया कि कड़ी मेहनत एवं लग्न से कोई भी कार्य किया जाए तो सफलता अवश्य मिलती है। काश्वि काजल ने अपनी सफलता का श्रेय गुरुजनों,अपनी मां को दी है। विदित हो कि ट्रस्ट द्वारा लगातार इस तरह के विद्यार्थियों को सम्मानित एवं प्रशंसित करने का कार्य कर रही है।इसी के निमित आज काश्वि काजल को ट्रस्ट द्वारा सम्मानित किया गया।एक दशक पूर्व काश्वि काजल के पिताजी मनिषा मौआर एक दुर्घटना में दिवंगत हो गए थे।काश्वि काजल के माता मनिषा कुमारी ने संघर्षपूर्ण जीवन व्यतीत करते हुए अपनी बच्ची को पढ़ा कर इस मुकाम तक पहुंचाई हैं।एक कुशल अभिभावक की भूमिका निभाने के लिए ट्रस्ट द्वारा उन्हें भी अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया।काश्वि काजल वर्तमान युवा पीढ़ी के लिए एक आदर्श है जिनसे सीख लेकर कोई भी विद्यार्थी आगे बढ़ सकते हैं। मौके पर आर्यन आनंद सहित अन्य उपस्थित थे।

नवीनगर में 3 अगस्त को मेदांता के डॉक्टर द्वारा निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- नवीनगर प्रखंड के मुख्य बाजार स्थित दुर्गा चौक शनिचर बाजार के प्रांगण में 3 अगस्त को विश्व स्तरीय जय प्रभा मेदांता सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल के योग्य एवं कुशल चिकित्सकों के द्वारा सूर्य राघव मंदिर बड़ेम के अध्यक्ष जदयू के वरिष्ठ नेता,महोत्सव रत्न संजीव कुमार सिंह के सौजन्य से निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम आयोजक ने बताया कि 3 अगस्त को पूर्वाह्न 10:00 बजे से अपराह्न 2:00 बजे तक मेदांता के डॉक्टरों की टीम द्वारा विभिन्न तरह के स्वास्थ्य संबंधी निशुल्क जांच की जाएगी।यह भी बताया कि मेदांता के डॉक्टरों की बेहतरीन टीम इस कार्यक्रम को मूर्त रूप देंगी।

जम्मू-कश्मीर में रेल पटरियों और डिब्बों का तेजी से उन्नयन हो रहा है

टैम्पिंग और गिट्टी सफाई मशीनों की तैनाती से जम्मू-कश्मीर में यात्रियों के लिए सुरक्षित और सुगम यात्रा सुनिश्चित हुई है

श्रीनगर:

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 06 जून 2025 को चिनाब और अंजी पुलों के साथ उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेलवे लिंक परियोजना का उद्घाटन किया। यह कश्मीर घाटी और जम्मू के बीच संपर्क स्थापित करने में एक ऐतिहासिक औ प्रमुख उपलब्धि है। कटरा और श्रीनगर के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस रेलगाड़ी इस मार्ग पर परिवहन का एक महत्वपूर्ण साधन बन गई है। रेल लाइन का रखरखाव: नई रेलगाड़ी सेवाओं के अलावा, इस लाइन के शुरू होने से कश्मीर घाटी में रेल पटरियों के रख-रखाव की क्षमता में बुनियादी बदलाव आया है। रेलवे लिंक ने कश्मीर घाटी में रेल लाइन के रखरखाव वाली मशीनों की आवाजाही को सक्षम बनाया है। पहले रेल लाइनों का मानवीय रखरखाव के विपरीत, अब रखरखाव आधुनिक मशीनों से किया जा रहा है। इससे रेल लाइन की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। ट्रैक मशीनों की तैनाती में वृद्धि: कश्मीर घाटी में रेलवे लाइनों की रखरखाव गतिविधियों को मजबूत करने के लिए, मशीनों की तैनाती को निम्नानुसार बढ़ाया गया है: 1. जून 2025 की शुरूआत से एक टैम्पिंग मशीन तैनात की गई है। यह मशीन रेल पटरियों के उचित प्रकार से एक सीध में रखने और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए पटरियों के नीचे पत्थर के टुकड़े भरती है। इसने अब तक घाटी में लगभग 88 किलोमीटर रेलवे पटरियों के नीचे पत्थर के टुकड़े भरे हैं। इससे गिट्टी की गद्दी में सुधार हुआ है और इससे रेल यात्रा सुगम होगी। 2. इस मार्ग पर दो गिट्टी सफाई मशीनें (बीसीएम) भी तैनात की गई हैं। गिट्टी पटरियों पर जमा होने वाले पत्थर के टुकड़े हैं। यह रेलवे पटरियों को सहारा प्रदान करती है। ये मशीनें मिलकर काम कर रही हैं और लगभग 11.5 किलोमीटर पटरियों की गहराई से स्क्रीनिंग कर चुकी हैं। स्वच्छ गिट्टी से परिचालन सुरक्षित होता है। 3. जुलाई 2025 में घाटी में दो अतिरिक्त बीसीएम भेजी गईं। इन मशीनों ने गहराई से स्क्रीनिंग की है और लगभग 2.5 किलोमीटर पटरियों की सफाई की है। 4. गिट्टी की पुनः प्राप्ति द्वारा टैम्पिंग और डीप स्क्रीनिंग कार्य को पूरा करने के लिए, कठुआ, काजीगुंड, माधोपुर और जींद स्थित गिट्टी डिपो से कश्मीर घाटी के रेल्वे मार्ग पर 17 गिट्टी रेक भेजे गए और उतारे गए। परिणामस्वरूप, 19,000 घन मीटर गिट्टी भरी गई। 5. ट्रैक रिकॉर्डिंग कार (टीआरसी) और ऑसिलेशन मॉनिटरिंग सिस्टम (ओएमएस) रन भी क्रमशः जून, 2025 और जुलाई, 2025 में किए गए। रेलवे पटरी की गुणवत्ता का आकलन किया गया है और ध्यान देने योग्य रेलवे पटरी खंडों की पहचान की गई है। इन सभी कार्यों से कश्मीर घाटी में रेलवे पटरियों की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। पूरे देश में रेलवे लाइन का उन्नयन: देश भर में रेलवे पटरियों को उन्नत किया जा रहा है। बेहतर ट्रैक सुरक्षा से यात्रा की गुणवत्ता में सुधार हुआ है। वर्ष 2025 की शुरूआत तक, भारत के 78 प्रतिशत ट्रैक 110 किलोमीटर प्रति घंटे या उससे अधिक की गति तक अपग्रेड हो चुके होंगे। वर्ष 2014 में यह संख्या सिर्फ 39 प्रतिशत थी। पिछले दशक में पटरियों की कुल लंबाई में वृद्धि के आलोक में इस उच्च अनुपात को देखा जाना चाहिए। वर्ष 2014 में पटरियों की कुल लंबाई 79,342 किलोमीटर से बढ़कर 2025 में 1 लाख किलोमीटर से अधिक हो गई है। ट्रैक रखरखाव कर्मचारियों के लिए कार्य स्थितियों में सुधार केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, ₹हम ट्रैक प्रौद्योगिकी और रखरखाव प्रथाओं को उन्नत करके ट्रैक की गुणवत्ता में सुधार करेंगे। आधुनिक ट्रैक फिटिंग, ट्रैक मशीनों का उपयोग, अल्ट्रा साउंड फ्रैक्चर डिटेक्शन मशीन, सड़क सह रेल वाहन और एकीकृत ट्रैक माप मशीनें हमारे ट्रैक रखरखाव को वैज्ञानिक बना देंगी। एआई का उपयोग दोषों का पता लगाने में बड़े पैमाने पर किया जाएगा। इन तकनीकी परिवर्तनों से ट्रैक रखरखाव कर्मचारियों के लिए काम करने की स्थिति में काफी सुधार होगा।₹ जम्मू-कश्मीर में यात्री कोच अपग्रेडेशन का नया दौर ट्रैक अपग्रेडेशन के साथ-साथ जम्मू-कश्मीर में यात्री डिब्बों के रखरखाव और उन्नयन में एक आदर्श बदलाव आया है। जम्मू-श्रीनगर रेल लिंक के शुरू होने तक, कश्मीर घाटी का शेष भारतीय रेलवे नेटवर्क के साथ कोई रेल संपर्क नहीं था। कश्मीर घाटी में डीईएमयू/एमईएमयू रेकों को आवधिक अनुरक्षण और उन्नयन के लिए कार्यशाला में नहीं लाया जा सका। सड़क ट्रेलरों पर बडगाम से लखनऊ तक बोगियों को लाकर आवधिक मरम्मत (पीओएच) की जा रही थी। यह स्थिति सामान्य से कमजोर थी। पहली बार घाटी से रेक पीओएच के लिए रेल के माध्यम से लखनऊ लाए गए हैं। बडगाम के सभी रेकों की स्थिति में समयबद्ध तरीके से सुधार किया जा रहा है। निम्नलिखित रेकों का अनुरक्षण और उन्नयन किया जा रहा है एक मेमू रेक का पीओएच पूरा हो गया है। उन्नत मेमू रेक अब घाटी में चालू है। एक अन्य मेमू रेक का पीओएच जुलाई, 2025 के अंत तक पूरा होने की संभावना है। चारबाग कारखाने में एक डेमू रेक का पीओएच पूरा हो गया है। चारबाग कारखाने में एक और डेमू रेक का पीओएच कार्य जारी है। इसके अगस्त, 2025 के मध्य तक पूरा होने की संभावना है। जालंधर शेड में एक और डेमू रेक का नवीकरण किया जा रहा है। इसके जुलाई, 2025 के अंत तक चालू होने की संभावना है। चारबाग कारखाने और जालंधर शेड में चार और डीईएमयू रेकों के उन्नयन की योजना बनाई गई है। किए जा रहे उन्नयन कार्यों का विवरण निम्नानुसार है: एक नए जीवंत रंग के साथ पूरे रेक के विरोधी भित्तिचित्रों के साथ बाहरी पीयू पेंटिंग शौचालयों में बायो टैंक लगाना शौचालयों के समुचित कार्य के लिए नए पानी चढ़ाने वाले पंपों की फिटिंग सीटों की मरम्मत और पॉली काबोर्नेट सीटों के साथ प्रतिस्थापन नए स्टैंडिंग हैंडल का प्रावधान पीवीसी फर्श का नवीनीकरण सभी स्टेनलेस स्टील की वस्तुओं की बफिंग सभी खिड़कियों की मरम्मत और हॉपर प्रकार की खिड़कियां सुनिश्चित करना सार्वजनिक पता और यात्री सूचना प्रणाली का समुचित कार्य सुनिश्चित करना पानी चढ़ाने वाले उपकरणों की आपूर्ति के लिए पर्याप्त विद्युत और स्विच पैनल पर स्वचालित परिवर्तन का प्रावधान। इससे गर्मी के मौसम में जनरेटर की आपूर्ति न होने पर भी पानी चढ़ाने वाले उपकरणों का निर्बाध संचालन सुनिश्चित होगा। ए और सी प्रकार के मोबाइल चार्जिंग सॉकेट (इनबिल्ट शॉर्ट सर्किट और अधिभार संरक्षण के साथ) और पंखों के लिए मॉड्यूलर स्विच का प्रावधान सभी पंखों और ट्यूब लाइट्स की मरम्मत और नवीनीकरण कश्मीर घाटी में यात्री सवारी डिब्बों के उन्नयन का कार्य 31 अगस्त, 2025 तक पूरा कर लिया जाएगा। सेवा में सभी रेकों को इस समय सीमा के भीतर पुनर्निर्मित और उन्नत किया जाएगा। भारतीय रेलवे को अक्सर 'राष्ट्र की जीवन रेखा' कहा जाता है। जम्मू-श्रीनगर रेल लाइन के शुरू होने और चल रहे उन्नयन कार्यों के साथ, यह जम्मू-कश्मीर को एक नई जीवन रेखा प्रदान करेगा।

बीकानेर हाउस में आयोजित साप्ताहिक तीजोत्सव में निकाली गई तीज माता की सवारी

राजस्थानी परिधानों में महिलाओं ने मंगल गीतों के साथ की तीज माता की आराधना

नई दिल्ली, ।

बीकानेर हाउस में परिसर में 30 जुलाई तक चलने वाले साप्ताहिक तीजोत्सव में रविवार को तीज माता की सवारी बड़ी धूमधाम से निकाली गई। तीज माता को पालकी में सुसज्जित कर चार कहारों द्वारा पारंपरिक रूप से परिसर में घुमाकर पूजा-अर्चना की।इस अवसर पर अतिरिक्त आवासीय आयुक्त अंजु ओमप्रकाश ने बताया कि तीज सवारी में लगभग 51 महिलाओं ने मंगल कलश यात्रा के साथ तीज की सवारी की शोभा बढाई। सवारी की अगुवाई राजस्थानी लोककलाकारों ने मशक वादन, कच्छी घोड़ी आदि अपनी कला प्रदर्शन से की। इसके उपरांत सैकड़ों महिला-पुरूषों ने अलग-अलग परिधानों में सवारी में सम्मिलित होकर मंगल गायन कर तीज माता की आराधना की। उन्होंने बताया कि रविवार को अवकाश होने के कारण दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों से आए आगंतुकों ने तीजोत्सव में लगे राजस्थानी व्यंजनों के साथ राजस्थानी हस्त-कलाकारों द्वारा निर्मित उत्पादों की खूब खरीदारी की। संयुक्त आवासीय आयुक्त रींकू मीना ने बताया कि तीज माता की सवारी निकालने के बाद राजस्थानी कला और संस्कृति से सराबोर सांस्कृतिक संध्या के आयोजन ने आगंतुकों का भरपूर मनोरंजन किया। इस रंगारंग सांस्कृतिक संध्या का आयोजन पर्यटक स्वागत केंद्र द्वारा किया गया। पर्यटन विभाग के सहायक निदेशक छत्रपाल यादव ने बताया कि इस स-

स्कृतिक संध्या में राजस्थान के विभिन्न अंचलों जैसे बीकानेर, टोंक, चुरू, जोधपुर, अजमेर, बारां, डीग और अलवर से आए लोककलाकारों ने मशक वादन, कच्छी घोड़ी, भोपा वादन एवं गायन, खड़ताल वादन और गायन, चरी नृत्य, चकरी नृत्य, चंग ढ़प नृत्य, घूमर नृत्य, कालबेलिया नृत्य तथा प्रसिद्ध मयूर नृत्य और फूलों की होली की प्रस्तुति दी। उन्होंने बताया कि दिल्ली में राजस्थान के प्रसिद्ध तीज महोत्सव के आयोजन की श्रंखला में रविवार को आई.एन.ए. स्थित दिल्ली हाट में भी राजस्थान पर्यटक विभाग द्वारा संगीतमयी सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। उल्लेखनीय है कि बीकानेर हाउस में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी 30 जुलाई तक साप्ताहिक तीजोत्सव का आयोजन किया गया है। जिसमें राजस्थानी व्यंजन, हस्तशिल्प उत्पादों के अतिरिक्त विभिन्न पारंपरिक खेलों का आयोजन भी किया जा रहा है।

जनेश्वर विकास केंद्र एवं पूर्व सैनिक संघ द्वारा शहर के अधिवक्ता संघ भवन में कारगिल विजय दिवस के अवसर पर पूर्व सैनिक सम्मान समारोह एवं संगोष्ठी सभा कार्यक्रम आयोजित हुई

रिपोर्ट- प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जनेश्वर विकास केंद्र एवं पूर्व सैनिक संघ द्वारा शहर के अधिवक्ता संघ भवन में कारगिल विजय दिवस के अवसर पर पूर्व सैनिक सम्मान समारोह एवं संगोष्ठी सभा कार्यक्रम आयोजित कार्यक्रम के अध्यक्षता साहित्य संवाद के अध्यक्ष लालदेव प्रसाद ने की। कार्यक्रम मुख्य अतिथि के रूप में बिहार पूर्व सैनिक संघ के अध्यक्ष टी.के सिंह, साहित्यकार सुरेंद्र प्रसाद मिश्रा, ज्योतिषाचार्य श्री शिव नारायण सिंह, पूर्व सैनिक दिलीप सिंह, साहित्य संवाद के अध्यक्ष लालदेव प्रसाद , अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष संजय सिंह, अधिवक्ता संघ के पूर्व अध्यक्ष इंद्रदेव यादव, साहित्यकार रामकिशोर प्रसाद , जनेश्वर विकास केंद्र के अध्यक्ष रामजी सिंह,शिक्षिका सुमन लता,सभी लोगों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलं कर के कार्यक्रम की शुरूआत की। सभी लोगों ने भारत मां के छायाचित्र के ऊपर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए कारगिल युद्ध में अपने जान के आहुति देने वाले भारत मां के वीर सपूतों को याद करते हुए अपने श्रद्धा सुमन अर्पित की। लोगों ने हाथ में राष्ट्रीय ध्वज लेकर भारत माता की जय वंदे मातरम के जय घोष से शहीदों को याद किया। कारगिल युद्ध के पूर्व सैनिक टी.के सिंह , दिलीप सिंह, महेंद्र सिंह, जितेंद्र सिंह, जेपी सिंह, आरके सिंह, प्रेम कुमार इन सभी कारगिल युद्ध के योद्धाओं को सभी लोगों ने सम्मानित करते हुए उनका अभिवादन किया।कार्यक्रम में कारगिल युद्ध में शामिल रहे योद्धाओं का सम्मान किया गया। इन योद्धाओं ने मंच से कारगिल युद्ध के दौरान अपनी आपबीती साझा की, जिसे सुनकर उपस्थित लोग भावुक हो गए। रामचंद्र सिंह, अशोक सिंह, उज्जवल रंजन, वीरेंद्र सिंह सभी लोगों ने अतिथियों का स्वागत कर कार्यक्रम में अभिवादन किया। भोजपुरी गायक सुजीत पाल रौनक गगन ने अपने देश भक्ति प्रस्तुति से पूरा माहौल देशभक्ति में कर दिया।

तो अपने देशभक्ति काव्य पाठ से कवि लव कुश प्रसाद ने लोगों की तालियां बटोरी। सभी वक्ताओं ने कहा कि यह दिन देश के बहादुर बेटों के अदम्य साहस, शौर्य और सर्वोच्च बलिदान की याद दिलाता है। यह दिन न केवल हमें गर्व से भर देता है बल्कि यह भी याद दिलाता है कि देश की रक्षा के लिए हम सभी को हर तरह की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहना चाहिए।यह अवसर हमें मां भारती के उन वीर सपूतों के अप्रतिम साहस और शौर्य का स्मरण कराता है, जिन्होंने देश के आत्मसम्मान की रक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया. मातृभूमि के लिए मर-मिटने का उनका जज्बा हर पीढ़ी को प्रेरित करता रहेगा। कार्यक्रम का संचालन करते हुए सिद्धेश्वर विद्यार्थी ने कहा कि कारगिल युद्ध की शुरूआत 1999 में मई के महीने में हुई थी. पाकिस्तानी घुसपैठियों ने अवैध तरीके से नियंत्रण रेखा को पार कर भारतीय पोस्टों पर कब्जा कर लिया था. जिसके जवाब में भारतीय सेना द्वारा ऑपरेशन विजय चलाया गया था. यह युद्ध करीब दो महीने तक चला. भारतीय सेना ने साहस का परिचय देते हुए घुसपैठियों के नापाक इरादों को मिट्टी में मिलाते हुए विजय ध्वज लहराया था यह दिन हम लोगों के लिए गर्व का दिन है। कला कौशल मंच के अध्यक्ष आदित्य श्रीवास्तव ने कहा कि यह दिन लहू को सम्मान करने का दिन है जिन्होंने अपने शरीर के लहू को बहाते हुए दुश्मनों को दांत खट्टे करने का काम किया था। एक तरफ इस युद्ध में कुर्बान हुए शहीदों के आंखें नम भी होती तो उनकी साहसी शौर्य कथा हम सब भारतवासियों को मस्तक ऊंचा भी करता है देश की प्रति उनका बलिदान आने वाले समय में हमेशा युवाओं को देशभक्ति भावना के प्रति एक नई प्रेरणा देती रहेगी। इस मौके पर प्रमोद सिंह, मकसूदन तिवारी, उज्जवल रंजन, वीरेंद्र सिंह, अशोक सिंह, आदित्य श्रीवास्तव, लवकुश प्रसाद, अन्य कई लोग मौजूद थे।

विधानसभा में हुए हंगामे तथा इंडिया गठबंधन के नेताओं के खिलाफ किए गए अपशब्दों को लेकर राजद कार्यकताओं का फूटा आक्रोश

लोकतंत्र पर हमला बर्दाश्त नहीं! तेजस्वी यादव पर साजिशपूर्ण हमला राजेश रमण

जमालपुर।

विधानसभा में हुए हंगामे तथा इंडिया गठबंधन के नेताओं के खिलाफ किए गए अपशब्दों के प्रयोग किए जाने के मामले में रविवार को राष्ट्रीय जनता दल की ओर से पुरजोर विरोध जताया है। मामले को लेकर राष्ट्रीय जनता दल के नेताओं ने जुबली बेल चौराहा पर विरोध प्रदर्शन निकलते हुए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी तथा विधायक जनक सिंह का पुतला दहन किया। विरोध प्रदर्शन की अध्यक्षता राजद नगर अध्यक्ष बमबम यादव ने किया। विधानसभा में हुए कायराना हमला के प्रकरण में विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे राष्ट्रीय परिषद सदस्य व बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के प्रमंडलीय प्रभारी राजेश रमण उर्फ राजू यादव ने कहा कि जब नेता प्रतिपक्ष आदरणीय तेजस्वी यादव विधानसभा सदन में गहन मतदाता पुनरीक्षण जैसे लोकतांत्रिक और जनहित के मुद्दे पर चर्चा की मांग की, तब डबल इंजन सरकार ने जवाब में संवाद नहीं, बल्कि गाली और गोली का रास्ता चुना। यह लोकतंत्र की आत्मा पर हमला है, यह बिहार की अस्मिता के खिलाफ साजिश है। सरकार पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि ₹तेजस्वी पर हमला, जनता पर हमला है। अब अन्याय नहीं, अब संघर्ष होगा।₹ उन्होंने आगे कहा कि वर्तमान सरकार सभी मुद्दों पर पिछड़ चुकी है। मतदाता पुनरीक्षण कार्य के खिलाफ अब जदयू के कई सांसद भी चुनाव आयोग के ऊपर सवाल खड़े कर रहे हैं। परंतु मोदी सरकार की गोद में बैठे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, विधायक जनक सिंह तथा मुख्यमंत्री बनने का सपना देख रहे बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी विपक्ष की आवाज को दबाने के लिए गाली गलौज पर उतर आए हैं। बिहार की जनता एनडीए सरकार को जल उखाड़ फेंकेगी। नगर अध्यक्ष बमबम यादव ने कहा कि बिहार में अगर लोकतंत्र को कुचला गया, तो हर गली, हर मोर्चे और हर मंच से प्रतिरोध की चिंगारी को ज्वाला में बदला जाएगा। मौके पर जिला कोषाध्यक्ष नागेश्वर यादव, विनय यादव, बरकत कुरैशी, अमित मंडल, आलोक कुमार, भरत कुमार, राकेश चौधरी, मयंक राज, लालू कुमार, मंतोष कुमार, विमल कुमार, आशू कुमार, अशोक यादव सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

सिद्धार्थ सिंह के रिंग सेरेमनी में पहुंचे भाजपा नेता राकेश सिंह

पटना ,।

वरिष्ठ आईपीएस अशोक सिंह के बेटे सिद्धार्थ सिंह की रिंग सेरेमनी में भाजपा नेता और सांसद प्रतिनिधि राकेश सिंह ने शिरकत की। इस दौरान उन्होंने वर-वधु को आशीर्वाद दिया और उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। सिद्धार्थ सिंह का विवाह पूर्व मंत्री सुभाष सिंह की बेटी ब्यूटी कुमारी से हो रहा है। कार्यक्रम में कई वीआईपी मेहमान उपस्थित थे, जिनमें उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, बिहार सरकार मंत्री सुनील कुमार, सांसद संजय जायसवाल, पूर्व विधायक मिथलेश तिवारी और भाजपा नेता ओमप्रकाश सिंह शामिल थे। इसके अलावा सुमंत कुमार, मोनू सिंह और रविंद्र यादव जैसे कई भाजपा नेता भी मौजूद थे। गौरतलब है कि अशोक सिंह के बेटे सिद्धार्थ की शादी एक भव्य समारोह में होने जा रही है, जिसमें कई गणमान्य व्यक्ति शिरकत करेंगे ।

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने सीईटी अभ्यर्थियों को दी बधाई

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग (एचएसएसएस) द्वारा प्रदेश भर में आयोजित संयुक्त पात्रता परीक्षा (सीईटी) में भाग ले रहे अभ्यर्थियों को बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि जिस उद्देश्य से वे परीक्षा में भाग ले रहे है वे उसमें सफलता हासिल करें और वे सभी परीक्षार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं। मुख्यमंत्री आज अपने चंडीगढ़ स्थित आवास संत कबीर कुटीर में जनसुनवाई के उपरांत मीडिया से बातचीत कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि परीक्षा संचालन के कार्य में लगे, सभी अधिकारियों व कर्मचारी, चाहे वे परिवहन विभाग हो या फिर जिला प्रशासन व पुलिस विभाग के हों, वे सभी बधाई के पात्र हैं। परीक्षा का संचालन सुचारू रूप से किया जा रहा है।इस अवसर पर मुख्यमंत्री के ओएसडी विवेक कालिया व राकेश संधू और मीडिया सचिव प्रवीण आत्रेय भी उपस्थित थे।

पर्यावरण रक्षा के लिए वृक्षारोपण अभियान में 300 पौधे रोपे

सोनीपत। हरियाली और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सीआरपीएफ ग्रुप सेंटर सोनीपत के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को महाराणा प्रताप चौक, सामान्य अस्पताल के सामने स्थित खाली भूमि पर वृक्षारोपण अभियान 2025 के तहत 300 पौधे रोपे गए। इस सामूहिक प्रयास में सीआरपीएफ अधिकारियों, सामाजिक संगठनों और पर्यावरण प्रेमियों ने शिरकत की। मुख्य अतिथि सीआरपीएफ ग्रुप केंद्र खेवड़ा के पुलिस उपमहानिरीक्षक कोमल सिंह ने कहा कि वृक्षारोपण केवल पर्यावरण की नहीं, बल्कि भावी पीढ़ियों की भी सेवा है। नगर निगम मेयर राजीव जैन, ग्रुप सेंटर सीआरपीएफ के कमांडेंट बाल कृष्ण राम, उप कमांडेंट वेदपाल सिंह व सुनील डोबियाल, सूबेदार मेजर हनुमान सहित कई अधिकारी अभियान में उपस्थित रहे। इस आयोजन में संगत समतावादी सोनीपत चौधरी रामफल के सान्निध्य में ब्रह्मकुमारी सुनीता, स्टेट अवार्डी दिलबाग सिंह, हवा सिंह पहलवान, सतीश कुमार एलआईसी, रमेश मदान और रंजन सहगल सहित समाजसेवी भी सक्रिय रूप से शामिल हुए। मानव सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष सुमित अलख ने कहा कि पेड़ लगाना, जल और जीवन को बचाना ही सच्ची मानव सेवा है। उन्होंने कोमल सिंह को मोमेंटो भेंट करसम्मानित किया गया।

मामा और दो भांजियों की नहर में डूबने से मौत

झज्जर। गांव रोहद के रहने वाले एक व्यक्ति और उसकी दो भांजियों की एनसीआर माइनर में डूबने से मौत हो गई। वह व्यक्ति पांव फिसलने से नहर में गिरी अपनी भांजियों को बचाने के लिए नहर में उतरा था। बचाओ कर्मियों के प्रयास से मामा का शव मिल गया। डूबी हुई भांजियों की दोपहर बाद तक भी नहर में तलाश जारी थी। बहादुरगढ़ तहसील के गांव रोहद का रहने वाला सुनील शाम को अपनी भांजियों रागिनी और उर्मी के साथ कपड़े धोने के लिए रोहद और मांडोठी गांव के बीच एनसीआर नहर पर गया था। कपड़े धोते वक्त उसकी भांजियों के पांव फिसल गए और वह नहर में गिर गई। भांजियों को बचाते हुए मामा सुनील भी नहर में कूद पड़ा और तीनों की डूबने से मौत हो गई। शुक्रवार शाम से शनिवार सुबह तक नहर में डूबे सुनील व उसकी दोनों भांजियों की तलाश की गई। शनिवार सुबह गोताखोरों की टीम पहुंची और तलाशी कार्य शुरू किया। सुनील का शव उस स्थान से कुछ दूरी पर मिल गया, जहां तीनों नहर में डूबे थे। पुलिस और गोताखोरों की टीम लगातार तलाशी अभियान चलाए हुए है। ग्रामीण भी मौके पर अभियान में सहयोग कर रहे हैं। सर्च अभियान में जुटे गोताखोर हवलदार नरेन्द्र ने बताया कि बच्चियों की तलाश अभी जारी है।गांव रोहद के निवासी कृष्ण कुमार ने बताया कि यह हादसा नहर पर कपड़े धोते वक्त पांव फिसलने से हुआ। उनके गांव का निवासी सुनील अपने गांव में ही स्थित एक प्लाइवुड फैक्टरी में काम करता था। शुक्रवार को उसका अवकाश था।

सोनीपत में सीईटी परीक्षा पहला दिन सफल, 2537 अनुपस्थित

सोनीपत। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित सीईटी 2025 परीक्षा का पहला दिन सोनीपत जिले में शांतिपूर्वक और पारदर्शी ढंग से संपन्न हुआ। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार प्रशासनिक तैयारी, सुरक्षा प्रबंधन और सहयोगी संस्थाओं की सक्रियता ने परीक्षा को सुचारू रूप से आयोजित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। दो पालियों में हुई परीक्षा में कुल 29172 अभ्यर्थियों में से 26635 ने परीक्षा दी। पहली पाली में 14586 में से 13321 और दूसरी पाली में 14586 में से 13314 परीक्षार्थी उपस्थित रहे। दोनों पालियों में उपस्थिति क्रमशः 91.33 प्रतिशत और 91.28 प्रतिशत रही, जबकि कुल 2537 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। पुलिस आयुक्त ममता सिंह, उपायुक्त सुशील सारवान तथा नियुक्त ड्यूटी मजिस्ट्रेट पूरे दिन फील्ड में सक्रिय रहे। हर परीक्षा केंद्र पर सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध, सीसीटीवी निगरानी, मेटल डिटेक्टर, जैमर जैसी तकनीकों की सहायता से जीरो टॉलरेंस नीति के अंतर्गत माहौल नियंत्रित रखा गया। सामाजिक संस्थाओं ने भी परीक्षार्थियों को केंद्रों तक पहुंचाने, जानकारी देने, और उनके साथ आए परिजनों के लिए बैठने व जलपान जैसी सुविधाएं मुहैया कराई। हरियाणा राज्य परिवहन और क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण ने अभ्यर्थियों को उनके जिलों से परीक्षा केंद्रों तक लाने और वापस छोड़ने की पूर्ण जिम्मेदारी निभाई।

हरियाणा के हर जिले में प्रवास करेंगे नायब सैनी

लोगों की शिकायतें सुनेंगे, विकास पर भी चर्चा करेंगे

एजेंसी

चंडीगढ़। भाजपा की 'छोटी टोली' की एक महत्वपूर्ण बैठक चंडीगढ़ में मुख्यमंत्री आवास पर हुई, जिसके बाद हरियाणा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के आगामी प्रवास कार्यक्रमों की घोषणा की। बड़ौली ने बताया कि मुख्यमंत्री अब प्रदेश के हर जिले का दौरा करेंगे, जहां वे लोगों की शिकायतें सुनेंगे और कार्यकर्ताओं व सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों से मिलकर जिला व प्रदेश के विकास पर विस्तृत चर्चा करेंगे। इस बैठक में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली, संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा, कैबिनेट मंत्री एवं प्रदेश महामंत्री कृष्ण बेदी, प्रदेश महामंत्री डॉ. अर्चना गुप्ता और सुरेंद्र पूनिया मौजूद रहे। 'छोटी टोली' की इस बैठक में सरकार और संगठन के समन्वय से 'नॉन स्टॉप सरकार' की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने की योजना, रचना और संगठन को और अधिक सशक्त बनाने जैसे अहम मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई। प्रदेश में चल रही सीईटी की परीक्षा को लेकर मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि हरियाणा में लगभग 13.5 लाख परीक्षार्थी सीईटी की परीक्षा दे रहे हैं। उन्होंने हरियाणा की नायब सरकार द्वारा परीक्षार्थियों के लिए की गई पूरी तैयारी और अच्छी व्यवस्थाओं की सराहना की। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने विशेष रूप से उल्लेख किया कि हरियाणा में यह पहली बार है जब परीक्षार्थियों को परीक्षा सेंटर तक ले जाने और घर तक छोड़ने की शानदार व्यवस्था नायब सरकार ने की है। उन्होंने कहा कि किसी भी परीक्षार्थी को कोई परेशानी न हो, इसके लिए सरकार और प्रशासन द्वारा सभी तैयारियां की गई हैं और परीक्षा अच्छे माहौल में हो रही है। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं की भी प्रशंसा की, जो 'सेवा ही संगठन' के मूलमंत्र पर परीक्षार्थियों के ठहरने और खान-पान की व्यवस्था कर रहे हैं।

बड़ौली ने यह भी बताया कि 'छोटी टोली' की बैठक हर महीने होती है, जिसमें संगठन द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रमों पर विस्तार से चर्चा होती है और आगामी कार्यक्रमों की योजना बनाई जाती है। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं की प्रशंसा करते हुए कहा कि हमारे कार्यकर्ता पात्र लोगों को सरकार की योजनाओं का लाभ दिलाने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने अंत में कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हर क्षेत्र में विकास के कार्य हो रहे हैं और सरकार की सभी योजनाओं का लाभ लोगों तक पहुंच रहा है।

ओएसडी के भतीजे के निधन पर केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने शोक जताया

एजेंसी

सोनीपत। केंद्रीय शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल ने हरियाणा के मुख्यमंत्री के ओएसडी वीरेंद्र बढ़खालसा के 22 वर्षीय भतीजे प्रीत दहिया, सुपुत्र जयदेव दहिया के निधन पर बढखालसा गांव स्थित उनके निवास पर पहुंचकर शोक व्यक्त किया। प्रीत दहिया का एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में आकस्मिक निधन हो गया था। मनोहर लाल ने कहा कि यह खबर न केवल परिवार के लिए, बल्कि समूचे क्षेत्र और समाज के लिए अत्यंत पीड़ादायक है। मनोहर लाल ने परिजनों से मिलकर संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि प्रीत दहिया एक प्रतिभावान,सौम्य और विनम्र स्वभाव का युवा था, जिसकी असामयिक विदाई से मन व्यथित है। इस कठिन समय में मैं परिवार के साथ खड़ा हूं। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दे और परिजनों को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करे। युवा अवस्था में इस प्रकार का चला जाना न केवल परिवार बल्कि समाज के लिए भी अपूरणीय क्षति है, जिसकी भरपाई संभव नहीं। प्रीत दहिया के निधन पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, सामाजिक संगठनों और नागरिकों ने भी गहरा शोक व्यक्त किया है।

स्वच्छता और हरियाली को समर्पित नगर निगम का अभियान

एजेंसी

सोनीपत। स्वच्छता अपनाओ, बीमारी भगाओ अभियान के अंतर्गत नगर निगम ने गांव लिबासपुर और मोहन नगर में सघन स्वच्छता अभियान चलाया। नगर निगम मेयर राजीव जैन के नेतृत्व में हुए इस अभियान में नागरिकों की समस्याएं सुनकर उनके शीघ्र समाधान का आश्वासन भी दिया गया। मेयर ने बताया कि स्वच्छता अभियान को जन आंदोलन बनाने के लिए सुबह जागृति धाम में शहर की सभी रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन, व्यापारिक संगठनों और सामाजिक धार्मिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों की बैठक बुलाई गई है। उद्देश्य है अपना शहर स्वच्छ हो की भावना को जन-जन तक पहुंचाना।

इस अवसर पर सिविल अस्पताल के सामने स्थित मैदान में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवानों के साथ पौधारोपण कर स्वच्छ वातावरण और हरियाली का संदेश भी दिया गया। राजीव जैन ने कहा कि प्रधानमंत्री के एक पेड़ मां के नाम अभियान से प्रेरणा लेकर पर्यावरण सुरक्षा की दिशा में नगर निगम पूर्ण प्रतिबद्धता से कार्य कर रहा है। इस मुहिम में प्रत्येक नागरिक की भागीदारी जरूरी है। अभियान में पार्षद, अधिवक्ता, सामाजिक कार्यकर्ता एवं अन्य सहयोगी उपस्थित रहे।

जिला का गांव नथोर बना हरियाणा का पहला मॉडल वॉटर विलेज

एजेंसी

सिरसा। जिला सिरसा के गांव नथोर में नाबार्ड द्वारा जल संरक्षण के लिए एक अनूठी परियोजना की शुरुआत की गई है, जिसका उद्देश्य आने वाली पीढियों के लिए भूजल स्तर का संरक्षण और पुनर्भरण सुनिश्चित करना है। एक्सपर्ट संस्था द्वारा क्रियान्वित इस परियोजना में अटल भूजल के सहयोग से गांव के प्राचीन धरोहर कुंए को सहेजकर जल संचयन मॉडल के रूप में विकसित किया गया है। भूजल संरक्षण की इस महत्वाकांक्षी परियोजना का उद्घाटन करते हुए नाबार्ड हरियाणा से मुख्य महाप्रबंधक निवेदिता तिवारी ने बताया कि भूजल की हर बूंद अमूल्य है और इसका संरक्षण ही स्थायी विकास की कुंजी है। हमें पारंपरिक जल स्रोतों का पुनर्जीवन, वर्षा जल संग्रहण, रिचार्ज वेल, और सिंचाई में जल-संवेदनशील तकनीकों का प्रयोग जैसे उपायों को अपनाना होगा ताकि हम भविष्य की पीढयिों के लिए पानी का संरक्षण सुनिश्चित कर सकें। नाबार्ड से

सहायक महाप्रबंधक स्वरदीप सिंह ने भूजल स्तर में गिरावट को चिंताजनक बताते हुए कहा कि नाबार्ड ने भूजल स्तर में सुधार करने का बीड़ा उठाते हुए जल संकट से निपटने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की है,जिसमें नथोर गांव को प्रदेश के पहले मॉडल विलेज के रूप में विकसित किया गया है। इस पायलट परियोजना के तहत गांव में प्राचीन धरोहर कुंए में जल संरक्षित करने के साथ छतों से वर्षा जल संग्रह व किसानों को जल बचत तकनीक से जोड़ते हुए धान की कम अवधि वाली फसल उगाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भूजल हमारे जीवन की अदृश्य शक्ति है, जिसका संरक्षण आज की सबसे बड़ी आवश्यकता बन चुका है। एक्सपर्ट निदेशक विनीत छाबड़ा ने कहा कि यह योजना सिर्फ एक प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि जन-आंदोलन है। जल ही जीवन है, इसे बचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। भूजल संरक्षण केवल सरकार की नहीं, बल्कि हर नागरिक की नैतिक जिम्मेदारी है। ग्रामीणों की भागीदारी इस योजना की आत्मा है और इससे न केवल पानी बचेगा, बल्कि गांव के भविष्य को भी सुरक्षित किया जा सकेगा।

शांतिपूर्ण हुई पहले दिन की सीईटी परीक्षा, व्यवस्थाएं भी थीं बेहतर

एजेंसी

गुरुग्राम। दो दिवसीय कॉमन एन्ट्रेंस टेस्ट (सीईटी-2025) के पहले दिन की परीक्षा कड़ी सुरक्षा के बीच शांतिपूर्वक संपन्न हुई। जिले में 145 परीक्षा केंद्रों पर हुई परीक्षा में अभ्यर्थियों को उनके गृह क्षेत्र से लेकर परीक्षा केंद्र तक पहुंचाया गया। प्रशासन के स्वयं के लिए भी यह परीक्षा ही थी कि व्यवस्था में किसी तरह की कोई कमी ना आने दी जाए। परीक्षा के दौरान व्यवस्थाओं से अभ्यर्थी भी संतुष्ट और खुश नजर आए। सीईटी परीक्षा के लिए शहर में बनाए गए शटल पिकअप प्वायंट्स राजीव चौक और ताऊ देवीलाल स्टेडियम का गुरुग्राम के उपायुक्त अजय कुमार ने दौरा किया। उन्होंने व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए वहां पहुंचे परीक्षार्थियों को भी शुभकामनाएं दीं। पिक एंड ड्रॉप का कार्य बहुत ही चुनौतीपूर्ण था। पहले सत्र की परीक्षा शुरू होने के साथ ही दूसरे सत्र के लिए शटल सर्विस शुरू कर दी गई। खास बात यह रही कि दिव्यांगों को उनके घर से ही पिक एंड ड्रॉप यानी आने-जाने की सुविधा दी गई। आईएमटी मानेसर में बनाए गए पिक अप प्वायंट पर जिला प्रशासन द्वारा परीक्षार्थियों के लिए जलपान की व्यवस्था की गई। सीईटी परीक्षा को लेकर प्रदेश सरकार की ओर से किए गए प्रबंधों से परीक्षार्थी खुश नजर आए। सरकार और प्रशासन का आभार जताते हुए खुशी-खुशी वे यहां से रवाना हुए। सीईटी परीक्षा को लेकर गुरुग्राम रोडवेज डिपो

महाप्रबंधक (जीएम) भारत भूषण बसों में चढ़कर परीक्षार्थियों को बसों से संबंधित जानकारी देते नजर आए। उन्होंने पीले, गुलाबी पेपर दिखाते हुए सेंटर पर पहुंचने की बारीकियों को समझाया। बताया कि इन पेपर पर स्कूल कोड लिखे हैं। स्कूल का नाम लिखा है। जहां पर उतरेंगे, वहां पर दूसरी बस मिलेगी। उस शटल बस का नंबर भी पेपर पर लिखा होगा। गन्नौर से परीक्षा देने आई मनीषा ने कहा कि स्टार्टिंग प्वायंट से लेकर एंडिंग प्वायंट तक बिना प्राब्लम के हमें पहुंचाया गया। इसके लिए गवर्नमेंट का थैंक्स। गन्नौर से ही आई रितिका शर्मा ने जिला प्रशासन व हरियाणा सरकार का धन्यवाद करते हुए कहा कि हमें गन्नौर से गुरुग्राम तक बिना किसी परेशान के पहुंचाया गया। व्यवस्थाएं बहुत बढ़िया थी। रोहतक जिले के महम से पहुंचे सूरज ने कहा कि महम से लेकर गुरुग्राम तक किसी तरह की कोई समस्या नहीं आई। वहां से आई बस से उतरते ही उन्हें शटल बस मिली, उसमें सीधे परीक्षा केंद्र पहुंच गए। सरकार के इस प्रयास की उन्होंने सराहना की। सोनीपत से आई हर्षा गोयल भी सरकार के प्रबंधों से खुश नजर आई। उन्होंने कहा कि सोनीपत से यहां तक पूरी सुरक्षा से लाया गया।

अंशुल जेईई एडवांस परीक्षा में हुआ सफल

एजेंसी

सोनीपत। गन्नौर में खेड़ी रोड स्थित बीआर ग्लोबल स्कूल के छात्र अंशुल ने जेईई एडवांस परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करते हुए आईआईटी मंडी, हिमाचल प्रदेश में प्रवेश प्राप्त कर विद्यालय, क्षेत्र और परिवार का नाम रोशन किया है। अंशुल, गांव नयाबांस निवासी वीरेंद्र धनखड़ के पुत्र हैं। अंशुल की इस उपलब्धि पर विद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल है। विद्यालय के चेयरमैन राकेश यादव, शैक्षणिक निदेशिका पूजा पहल, उप प्रधानाचार्या मंजू सहरावत एवं अन्य शिक्षकों द्वारा अंशुल को नकद पुरस्कार, स्मृति चिह्न और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। अंशुल ने कहा कि इस सफलता के पीछे उसके माता-पिता, शिक्षकों का मार्गदर्शन और निरंतर प्रयास ही सबसे बड़ा कारण है। उसने कहा कि पढ़ाई के प्रति समर्पण, अनुशासन और समय का सही प्रबंधन सफलता की कुंजी है। विद्यालय प्रबंधन ने अंशुल को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं ।

अपराध रोक पाने में सरकार लाचार: दीपेन्द्र हुड्डा

एजेंसी

चंडीगढ़। सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने हरियाणा की ध्वस्त कानून-व्यवस्था पर गहरी चिंता जताते हुए कहा कि हरियाणा में अपराधी बेखौफ और सरकार बेबस है। दनादन हो रही फायरिंग, हत्या, फिरौती की वारदातों से पूरे प्रदेश में भय और आतंक का माहौल है। हरियाणा अपराधियों की शरणस्थली बन चुका है। दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि अपराध रोक पाने में सरकार लाचार है या उसका अपराधियों को खुला संरक्षण मिल रहा है। क्योंकि, अपराधियों के हौसले इस कदर बढ़े हुए हैं कि जींद में भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष के बेटे और प्राइवेट अस्पताल संचालक डॉक्टर समेत तीन डॉक्टरों पर जानलेवा हमला हुआ, जिसमें बीजेपी नेता के डॉक्टर पुत्र की मौत हो गई है और दो अन्य डॉक्टर गंभीर रूप से घायल हैं। अकेले जींद में पिछले डेढ़ महीने में हत्या की 17 वारदात हो चुकी है। पूरे प्रदेश में गुंडागर्दी का ये आलम है कि बदमाशों की धमकी से डरकर 12 जिलों में 300 शराब ठेकों की नीलामी के लिए कोई ठेकेदार ही नहीं आया। इससे साबित होता है कि हरियाणा में अब सरकार का इकबाल पूरी तरह खत्म हो चुका है। उन्होंने आगे कहा कि इसी साल फरवरी में 7 राज्यों के छ्रत्नक्ककी एक बैठक में हरियाणा स्ञ्जस्न ने खुलासा किया था कि राज्य में 80 से अधिक संगठित आपराधिक गिरोह सक्रिय हैं, जिनमें कई के विदेशी संपर्कों की बात सामने आई है। ये गैंग दुबई,

पाकिस्तान, आर्मेनिया, थाईलैंड, अमेरिका, पुर्तगाल और कनाडा सहित अन्य विदेशी जगहों से आपराधिक गतिविधियां चला रहे हैं। हरियाणा में फल-फूल रहे गिरोह कान्ट्रैक्ट किलिंग, ड्रग्स तस्करी, अवैध हथियारों की खरीद-फरोख्त, अपहरण, फिरौती, जबरन वसूली, जेलों से संगठित अपराध कारित करने और ऑनलाइन अपराध जैसी खतरनाक गतिविधियों को बेरोकटोक अंजाम दे रहे हैं। कई गिरोह जेलों से बैठकर गैंग ऑपरेट कर रहे हैं, इससे स्पष्ट है कि इनको सत्ता में बैठे लोगों का संरक्षण हासिल है। यह चिंताजनक स्थिति न केवल प्रदेश की ध्वस्त कानून-व्यवस्था के लिए चुनौती है बल्कि आंतरिक राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा है।

दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि रोहतक में एक महिला की बर्बरता पूर्ण तरीके से हत्या की दिल दहला देने वाली वारदात से लोग भयाक्रांत हैं। अपराधियों ने महिला के शव को काटकर केमिकल से बॉडी पार्ट जलाकर उसके टुकड़े फेंक दिए। वहीं, रोहतक के एक होटल कारोबारी से विदेशों में बैठे बदमाशों ने 5 करोड़ की रंगदारी मांगी और पूरे परिवार को मारने की धमकी दी है।

कैथल के गाँव बड़सीकरी कलां में एक युवक की हत्या का मामला सामने आया। रतिया में एक युवक को गोली मार दी गई। पानीपत में छह साल की मासूम के साथ दुष्कर्ष की घटना दर्ज हुई है जो पिछले पाँच दिन में बच्चियों के साथ दूसरी ऐसी वारदात है।

हरियाणा में सीईटी परीक्षा का पहला दिन शांतिपूर्ण, 6.75 लाख अभ्यर्थियों ने दी परीक्षा

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार द्वारा आयोजित सीईटी (कॉमन एलिजिबिलिटी टेस्ट) परीक्षा का पहला दिन प्रदेशभर के 22 जिलों और चंडीगढ़ में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। सरकारी प्रवक्ता ने शनिवार को दो चरणों की परीक्षा के बाद बताया कि 26 और 27 जुलाई को आयोजित परीक्षा के लिए कुल 13 लाख 48 हजार अभ्यर्थियों के एडमिट कार्ड जारी किए गए हैं। परीक्षा दो दिनों में चार शिफ्टों में आयोजित की जा रही है। पहले दिन दो शिफ्टों में परीक्षा का आयोजन किया गया। पहली शिफ्ट में 1338 परीक्षा केंद्रों पर तीन लाख 37 हजार 790 अभ्यर्थियों के लिए जबकि दूसरी शिफ्ट में 1336 केंद्रों पर तीन लाख 37 हजार 261 अभ्यर्थियों के लिए व्यवस्था की गई हैं। इस प्रकार कुल 2674 परीक्षा केंद्रों पर पहले दिन की परीक्षा शांतिपूर्वक सम्पन्न हुई।प्रवक्ता ने बताया कि सभी जिलों में उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक एवं अन्य वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों ने स्वयं परीक्षा केंद्रों, बस स्टैंड्स व अन्य आवश्यक स्थलों का निरीक्षण किया। परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाने के लिए परिवहन विभाग द्वारा विशेष बस सेवाओं की व्यवस्था की गई, जिससे अभ्यर्थियों को

सुविधा हुई और वे सरकार की तैयारियों से संतुष्ट नजर आए। हर परीक्षा केंद्र पर सीसीटीवी निगरानी, फ्लाइंग स्क्वॉड्स, ड्यूटी मजिस्ट्रेट तथा नोडल अधिकारियों की तैनाती सुनिश्चित की गई, ताकि परीक्षा प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हो सके। प्रवक्ता ने बताया कि 27 जुलाई को भी सीईटी परीक्षा के अगले चरण का आयोजन होगा, जिसमें शेष अभ्यर्थी शामिल होंगे। कुल दो दिनों में 13.48 लाख से अधिक अभ्यर्थियों के लिए परीक्षा केंद्रों की व्यवस्था की गई है।

मैं समझता हूं कि सारे विश्व में ऐसा दूसरा (मन की बात) कार्यक्रम नहीं हो सकता - विज

एजेंसी

चण्डीगढ। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विश्व के पहले ऐसे प्रधानमंत्री हैं, जो लगातार अपने देश के लोगों के साथ 'मन की बात' के माध्यम से देशवासियों के साथ संवाद करते हैं और राष्ट्र दर्शन भी करवाते हैं। उन्होंने कहा कि 'हम क्या थे, क्या हैं, और कहां जाना हैं', इसके बारे में बताते हैं''। विज आज अंबाला छावनी स्थित शास्त्री कॉलोनी में अपने बूथ नम्बर 136 पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के लोकप्रिय ''मन की बात'' कार्यक्रम के ऐपीसोड नंबर-124 को अपने साथियों/कार्यकर्ताओं के साथ सुनने के उपरांत मीडिया कर्मियों के सवालों का जवाब दे रहे थे। श्री विज ने बताया कि आज के ऐपीसोड में भी प्रधानमंत्री ने बहुत सी महत्वपूर्ण बातें बताई है। आज उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन में खुदी राम बोस के बलिदान की बात की है। इसी प्रकार, हमारी धरोहर पाण्डुलिपियों की डिजीटलाईजेशन करके सहेजने की बात की है। देश को आगे ले जाने का मूलमंत्र 'वोकल फोर लोकल' के बारे में

बताया है क्योंकि देश तभी तरक्की करेगा जब हम स्थानीय चीजों को अपनाएंगें। उन्होंने कहा कि अगर हम अपने देश में बने हुए सामान को अपनाएंगें, उन सामान का उत्पादन करेंगें और प्रयोग करेंगें तो स्वभाविक तौर पर देश आगे जाएगा। विज ने कहा कि प्रधानमंत्री ने देश को आगे ले जाने के लिए 'वोकल फोर लोकल' का मूलमंत्र दिया है।

उन्होंने कहा कि इसी प्रकार, प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' कार्यक्रम में स्वच्छता की भी बात की है और बताया है कि जब तक स्वच्छता में सांझी भागेदारी नहीं होगी, तब तक पूरी तरह से लक्ष्य प्राप्त नहीं किए जा सकते। इस कार्यक्रम के माध्यम से देश में क्या तरक्की हुई है और भविष्य में क्या-क्या होने जा रहा है, के बारे में प्रधानमंत्री जी ने बताया है। 'मन की बात' कार्यक्रम के संबंध में विज ने कहा कि मैं समझता हूं कि सारे विश्व में ऐसा दूसरा कार्यक्रम नहीं हो सकता है। इस मौके पर कपिल विज, परवेश शर्मा, आरती सहगल, कमल अरोड़ा, गौरव सोनी, बत्रा, अभिषेक गुप्ता, विजेंदर नागर, रमेश कौशल, सुमेश, जतिंदर बंसल, लक्ष्मण चोपड़ा, विवेक जैन, राजेश अग्रवाल, मन्नी सिंह, विपिन खाना, धीरज डांग, दीपक भसीन भी उपस्थित थे।

संगठित अपराध और अराजकता का केंद्र बनकर रह गया हरियाणा : कुमारी सैलजा

एजेंसी

चंडीगढ। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा हे कि जिस हरियाणा पहचान हरियाली और खुशहाली के रूप में होती थी, आज उसकी पहचान रोजाना हो रही ताबड़तोड़ फायरिंग को लेकर होती है। बेकाबू अपराध के चलते आम आदमी का जीना मुहाल हो गया है। फायरिंग, फिरौती, रंगदारी, लूट, डकैती, हत्या और दुष्कर्म लोगों की दिनचर्या का हिस्सा बन गए हैं। भाजपा सरकार लगातार जनता के इस दर्द को अनदेखा कर रही है। कानून व्यवस्था के बिगड़े हालात को देखकर यहीं कहा जा सकता है कि प्रदेश में भाजपा सरकार लाचार खड़ी और प्रदेश में माफिया और जंगलराज है। मीडिया को जारी बयान में सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि भाजपा के 11 साल के राज में अपराधियों का मनोबल सातवें आसमान पर है, नतीजा आम आदमी भय के साये में जीने को मजबूर है या प्रदेश से पलायन के बारे में सोच रहा है। हरियाणा में माफिया राज, गुंडागर्दी, और गैंगस्टर्स का बोलबाला है, पुलिस व्यवस्था और प्रशासनिक स्तर पर बरती जा रही लापरवाही ने लोगों के जीवन में खौफ भर दिया है। मुख्यमंत्री प्रदेश में कानून व्यवस्था बनाए रखने में पूरी तरह से विफल रहे हैं। सच तो ये है कि आज हरियाणा संगठित अपराध और अराजकता का केंद्र बनकर रह गया है। सांसद कुमारी सैलजा ने आरोप लगाया कि जब से प्रदेश में भाजपा की सत्ता में आई है, क्राइम का ग्राफ लगातर ऊपर जा रहा है। आज हालात ऐसे हो गए हैं कि प्रदेश में हरेक व्यक्ति खुद को असुरक्षित महसूस करता है। अपराध इस कद्र बेकाबू हो चुका है, मानो प्रदेश को सरकार नहीं माफिया चला रहे हों। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि भाजपा के राज से पहले हरियाणा की पहचान खुशहाली और हरियाली थी, उसकी पहचान अब बदमाशी और गोली हो गई है। खुद प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद की सामाजिक प्रगति सूचकांक (एसपीआई) रिपोर्ट में हरियाणा को देश का सबसे असुरक्षित राज्य बताया है। एनसीआरबी की रिपोर्ट खुद बढ़ते अपराध की यही गवाही देती है। एक साल के भीतर प्रदेश में हजार लोगों की हत्याएं हो रही है।

सरकार ने गैर-सब्सिडी वाले उत्पादों को सब्सिडी वाले उर्वरकों के साथ जोड़ने पर चेतावनी दी

एजेंसी

नई दिल्ली। सरकार ने उर्वरक विनिर्माताओं को चेतावनी दी है कि यूरिया और डीएपी जैसे सब्सिडी वाले मृदा पोषक तत्व बेचते समय किसानों को कीटनाशकों, नैनो-आधारित फसल पोषक तत्वों जैसे गैर-सब्सिडी वाले उत्पादों को जबरन बेचने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सूत्रों के अनुसार रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के तहत आने वाले उर्वरक विभाग ने 21 जुलाई को इस मुद्दे पर सभी उर्वरक कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों को एक पत्र लिखा। पत्र में कहा गया, विभाग को पता चला कि कुछ गैर-सब्सिडी वाले उत्पाद जैसे कीटनाशक, नैनो उर्वरक, जैव-उत्तेजक और अन्य उत्पादों को यूरिया और डीएपी/एनपीके जैसे सब्सिडी वाले उर्वरकों के साथ जोड़कर किसानों को बेचा जा रहा है। विभाग ने कहा कि उर्वरक आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के तहत आवश्यक वस्तुएं हैं और इसलिए, अन्य उत्पादों को सब्सिडी वाले उर्वरकों के साथ गलत तरीके से जोड़ना इस कानून के साथ ही उर्वरक नियंत्रण आदेश, 1985 का भी उल्लंघन होगा। विभाग ने कहा कि वह ऐसी प्रथाओं को हतोत्साहित करने के लिए परामर्श जारी कर रहा है। बयान के मुताबिक, हालांकि, यह देखा गया है कि कुछ उर्वरक कंपनियों के डीलर और खुदरा विक्रेता किसानों को सब्सिडी वाले उर्वरक बेचते समय गैर-सब्सिडी वाले उत्पादों को जोड़ने की भी कोशिश करते हैं।

असम में पुनर्विकसित अमोनिया-यूरिया परिसर को कंपनी के रूप में गठित किया गया

गुवाहाटी। नामरूप में मौजूदा उर्वरक निगम के भीतर एक नए पुनर्विकसित अमोनिया-यूरिया परिसर को एक कंपनी के रूप में गठित किया गया है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने यह जानकारी दी। कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय द्वारा जारी असम वैली फर्टिलाइजर एंड केमिकल कंपनी लिमिटेड (एवीएफसीसीएल) के निगमन प्रमाणपत्र को सोशल मीडिया मंच पर साझा करते हुए, उन्होंने कहा कि नई इकाई को असम सरकार और अन्य भागीदारों के बीच एक संयुक्त उद्यम (जेवी) कंपनी के रूप में गठित किया गया है। उन्होंने कहा, एक नई शुरुआत। यह बताते हुए खुशी हो रही है कि असम वैली फर्टिलाइजर एंड केमिकल कंपनी लिमिटेड (एवीएफसीसीएल) को असम सरकार और अन्य भागीदारों की एक संयुक्त उद्यम कंपनी के रूप में गठित किया गया है। शर्मा ने कहा, यह कंपनी नामरूप में अमोनिया यूरिया परिसर के सपने को साकार करेगी, जिसकी घोषणा भारत सरकार ने की थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह नई इकाई असम को देश के शीर्ष पांच राज्यों में से एक बनने की महत्वाकांक्षा को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। नामरूप के मौजूदा परिसर के भीतर नए पुनर्विकसित परिसर ब्रह्मपुत्र वैली फर्टिलाइजर कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीवीएफसीएल) को इस साल मार्च में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मंजूरी दी थी। शर्मा ने पहले कहा था कि इस पर काम दिसंबर तक शुरू हो जाएगा।

फाडा ने ब्याज दर कटौती में देरी करने वाले निजी बैंकों के खिलाफ आरबीआई से हस्तक्षेप की मांग की

नई दिल्ली। वाहन विक्रेताओं के संगठन के महासंघ (फाडा) ने वाहन खरीदारों को ब्याज दरों में कटौती का लाभ देने में निजी बैंकों द्वारा कथित देरी के खिलाफ भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से हस्तक्षेप की मांग की है। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा को लिखे एक पत्र में, फाडा ने वाहन ऋण पोर्टफोलियो में निजी बैंकों द्वारा रेपो दर में देरी की समीक्षा करने और वाहन उधारकर्ताओं को 100 प्रतिशत लाभ सुनिश्चित करने के लिए सुधारात्मक निर्देश जारी करने की अपील की। फाडा के उपाध्यक्ष साई गिरिधर ने कहा, आरबीआई ने अपने इतिहास में नीतिगत दरों में सबसे तेज़ कटौती की है, जो अर्थव्यवस्था के लिए एक स्पष्ट सकारात्मक संकेत है। फिर भी, खुदरा वाहन क्षेत्र में इसका लाभ पूरी तरह से दिखाई नहीं दे रहा है। जहां सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक वाहन उधारकर्ताओं को रेपो दर में कटौती का लाभ तुरंत देते हैं, वहीं कई निजी बैंक आंतरिक लागत-मूल्यांकन के बहाने इसे लागू करने में देरी करते हैं। निजी बैंक द्वारा ब्याज दरों में कटौती का लाभ पहुंचाना सुनिश्चित करने के लिए फाडा ने आरबीआई से आग्रह किया कि वह 'सभी बैंकिंग संस्थानों में नीतिगत दरों में बदलावों की सख्त और समयबद्ध निगरानी करे और उन्हें लागू करे।'

भारत, मालदीव के बीच टूना उद्योग, जलीय कृषि को बढ़ावा देने के लिए मत्स्य पालन समझौता

नयी दिल्ली। भारत और मालदीव ने एक मत्स्य पालन सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इससे मालदीव को अपनी मछली प्रसंस्करण क्षमताओं को बढ़ाने और टिकाऊ तरीके से टूना मछली उद्योग को मजबूत करने में मदद मिलेगी। समझौते से भारत को रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हिंद महासागर क्षेत्र के गहरे समुद्र में मत्स्य पालन संसाधनों तक बेहतर पहुंच मिलेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मालदीव यात्रा के दौरान शुक्रवार को इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस दौरान दोनों देशों के बीच छह द्विपक्षीय समझौते हुए। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि भारत के मत्स्य विभाग और मालदीव के मत्स्य पालन एवं महासागर संसाधन मंत्रालय के बीच यह समझौता हुआ। इस समझौते का मकसद टिकाऊ तरीके से टूना उत्पादन और गहरे समुद्र में मत्स्य पालन को बढ़ावा देना।

बिहार में ऊर्जा विभाग ने चार बिजली उत्पादन कंपनियों के साथ समझौता ज्ञापन पर किया हस्ताक्षर

एजेंसी

पटना। बिहार में ऊर्जा विभाग ने बिजली उत्पादन क्षमता विकसित करने के लिए चार कंपनियों के साथ समझौता किया है। इस समझौते का मुख्य उद्देश्य राज्य में नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं को बढ़ावा देना है। इस समझौते के तहत, इन कंपनियों द्वारा विभिन्न प्रकार की नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं, जैसे सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, और अन्य को स्थापित किया जाएगा। बिहार ऊर्जा विभाग ने राज्य में 2,357 मेगावाट बिजली उत्पादन क्षमता विकसित करने के लिए चार कंपनियों के साथ समझौता किया है। इस समझौते का मुख्य उद्देश्य राज्य में नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं को बढ़ावा देना है। इस समझौते के तहत, इन कंपनियों द्वारा विभिन्न प्रकार की नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं, जैसे सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, और अन्य, को स्थापित किया जाएगा। बिहार में अक्षय ऊर्जा के विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ऊर्जा विभाग ने अक्षय ऊर्जा और पंप स्टोरेज के क्षेत्र में कार्यरत विभिन्न बिजली कंपनियों के साथ 2,357 मेगावाट बिजली उत्पादन के लिए चार समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं।

इन परियोजनाओं पर लगभग 5,337 करोड़ रुपये का निवेश होगा। राज्य के ऊर्जा मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव ने अपने संबोधन में कहा कि बिहार सरकार द्वारा जारी नवीकरणीय ऊर्जा प्रोत्साहन नीति-2025 एवं पंप्ड स्टोरेज परियोजना प्रोत्साहन नीति-2025 के माध्यम से राज्य देश-विदेश के ऊर्जा निवेशकों को आमंत्रित कर रहा है। ये नीतियां स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने, निवेश को आकर्षित करने और राज्य को नेट जीरो के राष्ट्रीय लक्ष्य में सक्रिय भागीदार बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

हम निवेशकों को हर आवश्यक सुविधा एवं सहयोग उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मौके पर उद्योग मंत्री नीतीश मिश्रा ने अपने कहा कि राज्य सरकार ऊर्जा क्षेत्र में तेजी से प्रगति कर रही है और हम इसे उद्योग विकास के साथ जोड़कर एक समग्र हरित विकास मॉडल स्थापित करना चाहते हैं। जल्द ही राज्य सरकार बिहार इंडस्ट्रियल पॉलिसी-2025 को लाने जा रही है, जिससे न केवल उद्योगों को प्रोत्साहन मिलेगा, बल्कि स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में निवेश को भी बढ़ावा मिलेगा।

पिछले साल की तुलना में पहली तिमाही में नौ गुना हुआ सेल को मुनाफा

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू उपभोग बढ़ने से भारतीय इस्पात निगम लिमिटेड (सेल) के मुनाफे में चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में जबरदस्त उछाल देखा गया। कंपनी के घोषित वित्तीय परिणामों के अनुसार, 30 जून 2025 को समाप्त तिमाही में उसे समेकित आधार पर 744.58 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ। यह पिछले साल की समान तिमाही के 81.78 करोड़ रुपये के मुकाबले नौ गुना से अधिक है। इस दौरान कंपनी का कुल राजस्व 24,174.80 करोड़ रुपये से बढ़कर 26,083.90 करोड़ रुपये पर पहुँच गया। कंपनी की प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि उसका कच्चा इस्पात उत्पादन 46.8 लाख टन से बढ़कर 48.5 लाख टन पर और विक्रय की मात्रा 40.1 लाख टन से बढ़कर 45.5 लाख टन हो गया।सेल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक अमरेंदु कुमार ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि पहली तिमाही के परिणाम परिचालन दक्षता में सुधार, बेहतर नकदी प्रवाह और घरेलू बाजार में विक्रय में मजबूत वृद्धि को दर्शाता है। साथ ही सरकार के सेफगार्ड शुल्क का असर भी दिखा रहा है। अनिश्चित वैश्विक कारकों के बीच घरेलू स्तर पर उपभोग बढ़ने और इस्पात क्षमता में विकास के कारण कंपनी सभी सेक्टरों को उच्च गुणवत्ता वाले स्टील उपलब्ध कराने में सक्षम रही है।

चावल-गेहूँ नरम, दालें सस्ती, अधिकतर खाद्य तेल महँगे

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में चावल और गेहूँ के भाव टूट गये। चीनी में तेजी रही। दालों में नरमी देखी गयी। मूँगफली तेल को छोड़कर अन्य तेलों के दाम बढ़ गये। घरेलू थोक बाजारों में चावल की औसत कीमत 41 रुपये घटकर 3,795.97 रुपये प्रति क्विंटल पर रही। गेहूँ भी तीन रुपये रुपये टूटकर 2,828.56 रुपये प्रति क्विंटल के भाव बिका। आटा करीब छह रुपये सस्ता होकर 3,282.98 रुपये प्रति क्विंटल रह गया। मूँगफली तेल की कीमत 149 रुपये प्रति क्विंटल उतर गयी। अन्य खाद्य तेलों में तेजी रही। सरसों तेल में 142 रुपये प्रति क्विंटल महँगा हो गया। सोया तेल में 43 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़त दर्ज की गयी। वनस्पति करीब आठ रुपये प्रति क्विंटल और सूरजमुखी तेल 46 रुपये प्रति क्विंटल ऊपर रहा। पाम ऑयल में चार रुपये प्रति क्विंटल की तेजी रही। दाल-दलहनों में तेजी रही। दलहन बाजार सस्ती हुई। उड़द दाल में 12 रुपये प्रति क्विंटल की तेजी देखी गयी। दाल मूँग नौ रुपये प्रति क्विंटल महँगी हुई।

में मसूर दाल में औसतन आठ रुपये की बढ़त दर्ज की गयी रही। चना दाल भी 20 रुपये प्रति क्विंटल महँगी हुई। तुअर दाल 32 रुपये प्रति क्विंटल

गुड़-चीनी : बाजार में गुड़ के औसत भाव करीब 15 रुपये प्रति क्विंटल सस्ता हुआ। वहीं, चीनी छह रुपये प्रति महँगी हुई।

कोटक महिंद्रा बैंक को पहली तिमाही में 4,472 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ

एजेंसी

मुंबई। निजी क्षेत्र के कोटक महिंद्रा बैंक को चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में समेकित आधार पर 4,472 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ है जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही के 4,435 करोड़ रुपये की तुलना में एक प्रतिशत अधिक है। बैंक ने जारी वित्तीय परिणामों में बताया कि पहली तिमाही में उसका कुल राजस्व 26,703.92 करोड़ रुपये रहा। पिछले साल की समान तिमाही में यह 25,075.87 करोड़ रुपये था। इस दौरान ब्याज से प्राप्त आय 8.91 फीसदी बढ़कर 17,248.31 करोड़ रुपये पर पहुँच गयी। पहली तिमाही के जारी परिणामों के अनुसार, 30 जून 2025 को समाप्त तिमाही में बैंक की परिसंपत्ति गुणवत्ता में गिरावट आयी है। उसका सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) का अनुपात 1.48 प्रतिशत हो गया। इस साल 31 मार्च को यह 1.42 प्रतिशत था। इसी अवधि में शुद्ध एनपीए 0.31 प्रतिशत से बढ़कर 0.34 प्रतिशत हो गया।तिमाही के दौरान उसके पास प्रबंधन के लिए मौजूद कुल परिसंपत्ति (एयूएम) 18 प्रतिशत बढ़कर 7,50,143 करोड़ रुपये पर पहुँच गयी। घरेलू म्यूचुअल फंड इक्विटी में 22 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 3,57,323 करोड़ रुपये रही। पहली तिमाही में इक्विटी पर लाभ 11.13 प्रतिशत रहा। बैंक द्वारा दिये गये शुद्ध ऋण में पहली तिमाही में 14 प्रतिशत का उछाल आया और यह 4,44,823 करोड़ रुपये हो गया। वहीं, कुल औसत जमा 13 प्रतिशत बढ़कर 4,91,998 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

ब्रिटेन के साथ पेंशन कोष अंशदान की नयी व्यवस्था में सेवा क्षेत्र की कंपनियों, कर्मचारियों का लाभः गोयल

एजेंसी

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने भारत और ब्रिटेन के बीच कर्मचारियों के ईपीएफ में दोहरे योगदान से बचाव के समझौते को दोनों देशों के बीच हुए व्यापक आर्थिक सहयोग एवं व्यापार समझौते (भारत-ब्रिटेन सेटा) का एक बड़ा अहम पहलू बताया और कहा कि यह सेवा क्षेत्र की भारतीय कंपनियों की प्रतिस्पर्धा क्षमता और कर्मचारियों दोनों के लिए बड़े लाभ का समझौता है।

श्री गोयल ने यहां कहा कि 'डब्ल कांट्रिब्यूशन कन्वेशन' ब्रिटेन के साथ व्यापार समझौते का एक बड़ा अहम हिस्सा है। इसके तहत कंपनी के काम से ब्रिटेन जाने वाले कर्मचारी को वहां सामाजिक सुरक्षा कोष में पहले तीन साल तक योगदान नहीं करना होगा। वाणिज्य मंत्री ने कहा कि फिलहाल भारतीय कंपनियों की ओर से ब्रिटेन में काम के लिए भेजे जाने वाले कर्मचारियों की आय का 25 प्रतिशत हिस्सा वहां के पेंशन

फंड (भारत के ईपीएफ कोष जैसी योजना) में चला जाता है। इसमें 12.5 प्रतिशत योगदान कर्मचारी और इतना ही कंपनी की ओर से दिया जाता है। उन्होंने कहा , ''कम अवधि के लिए वहां काम करने वाले कर्मचारियों का बड़ा पैसा व्यर्थ चला जाता है, क्योंकि लगातार 10 साल के योगदान के बाद ही वे उसे निकाल सकते थे। नया समझौता लागू होने पर भारतीय सेवा कंपनी की ओर से ब्रिटेन में काम करने गये कर्मी के वेतन से वहां के सामाजिक सुरक्षा कोष में अंशदान के लिए तीन साल तक कटौती नहीं होगी। उनका पैसा भारत में ही ईपीएफओ में जाएगा और वे उस पर 8.25 प्रतिशत का ब्याज भी कमाएंगे।'' श्री गोयल ने कहा, ''इससे सेवा क्षेत्र की भारतीय कंपनियों की लागत कम होगी और कर्मचारियों को भी नुकसान नहीं होगा।'' उन्होंने कहा कि इस समय ब्रिटेन के सेवा क्षेत्र में भारत के करीब एक लाख कर्मचारी कार्यरत हैं। वाणिज्य मंत्री ने कहा कि इस समझौते के बाद भारत की सेवा क्षेत्र की कंपनियां ब्रिटेन में और प्रतिस्पर्धी दर पर अपनी सेवाएं दे सकेंगी। उन्होंने कहा कि देश के निर्यात में सेवा क्षेत्र का बड़ा महत्व है। पिछले वित्त वर्ष में सेवाओं के निर्यात में 12 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी थी। 'भारत-ब्रिटेन सेटा' ब्रिटेन की संसद की मंजूरी की औपचारिकता के बाद लागू हो जाएगा। इस समझौते के अंतर्गत भारत से निर्यात होने वाले 99 प्रतिशत माल पर वहां आयात शुल्क शून्य या बहुत कम हो जाएगा। इससे कपड़ा, चमड़ा, कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण जैसे क्षेत्रों का निर्यात बढ़ने की संभावना है जो ज्यादा रोजगार देने वाले क्षेत्र हैं। भारत और ब्रिटेन का मौजूदा द्विपक्षीय व्यापार करीब 56 अरब डॉलर का है। इस समझौते के बाद 2030 तक इसके 112 अरब डॉलर वार्षिक तक पहुंचने की उम्मीद है।

एक सप्ताह में रुपया 40 पैसे टूटा

एजेंसी

मुंबई। डॉलर की तुलना में रुपया पिछले सप्ताह 40 पैसे टूट गया। दुनिया की अन्य प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर के मजबूत होने से रुपये पर दबाव रहा। घरेलू स्तर पर शेयर बाजारों में एक प्रतिशत की साप्ताहिक गिरावट से भी भारतीय मुद्रा टूटी है। बीते सप्ताह रुपया 40 पैसे टूटकर सप्ताहांत पर 86.56 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ जो करीब एक महीने का निचला स्तर है। जिस प्रकार दुनिया की अन्य छह मुद्राओं के मुकाबले डॉलर मजबूत हुआ है यदि यही क्रम जारी रहा तो रुपये में आगे भी गिरावट जारी रहने के आसार हैं। भारतीय पूँजी बाजार, विशेषकर इक्विटी में, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की बिकवाली का असर भी रुपये पर देखा गया। एफआईआई ने बीते सप्ताह 44.4 करोड़ डॉलर बाजार से निकाल लिये।

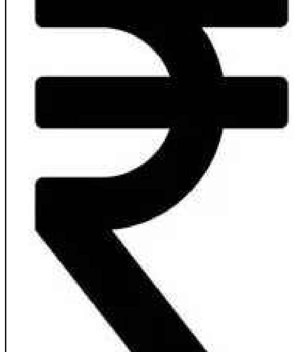

कॉर्पोरेट गिफ्टिंग में बढ़ रहा व्यक्तिगत रुचि के उत्पादों का चलन

एजेंसी

नई दिल्ली। लोगों की बदलती जीवनशैली और जिंदगी में टेक्नोलॉजी की मौजूदगी बढ़ने के साथ विभिन्न मौकों पर दिये जाने वाले उपहारों की प्रकृति भी बदली है।

दिल्ली के भारत मंडपम में 24 जुलाई से आयोजित तीन दिवसीय गिफ्ट वर्ल्ड एक्सपो में बड़ी संख्या में उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पाद, जीवनशैली से जुड़े उत्पाद, पूजा के सामान और अन्य धार्मिक उत्पाद, खेल के सामान, स्टेशनरी, बैग, किचन के सामान और घरेलू सजावट के उत्पाद बनाने वाली कंपनियाँ भी हिस्सा ले रही हैं।

एमईएक्स एग्जिबिशन्स की निदेशक हिमानी गुलाटी ने बताया कि आजकल गिफ्टिंग का दायरा इतना विस्तृत हो गया है कि हर चीज उपहार में दी जा सकती है। किचन का सामान भी उपहार में दिया जाता है, एक पेन भी उपहार है और मुकेश अंबानी के बेटे की शादी में सबने देखा कि एक जेट भी उपहार में दिया जा सकता है। यह आपके बजट, मौके और किसे उपहार दे रहे हैं, उस पर निर्भर करता है। पिछले कुछ समय में उपहारों की प्रकृति में बदलाव के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि पहले डायरी, पेन, टेबलटॉप आदि उपहार में दिये जाते थे। आजकल जीवनशैली से जुड़े उत्पाद जैसे चादरें, डेकोर और किचन के सामान और टेक्नोलॉजी से जुड़े उत्पाद जैसे स्पीकर, हेडफोन आदि का प्रचलन बढ़ा है। इसके अलावा लजीज व्यंजनों के गिफ्ट हैंपरों की भी खूब मांग है। ऑनलाइन गिफ्टिंग और गिफ्ट कार्ड के बढ़ते चलन के प्रभाव के बारे में पूछे जाने पर सुश्री गुलाटी ने कहा कि उपहार लेना और देना भावनाओं से जुड़ा हुआ है। ये भौतिक उपहार की जगह नहीं ले सकते। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन या गिफ्ट कार्ड वहाँ पसंद किये जाते हैं जहाँ लॉजिस्टिक्स की समस्या है। इसके अलावा कंपनियों की बिक्री पर इससे कोई प्रभाव नहीं पड़ता क्योंकि हर हाल में उनके उत्पाद बिक ही रहे हैं। पूजा के सामान और कीमती पत्थर, रुद्राक्ष आदि बनाने वाली स्टार्टअप कंपनी जपं स्प्रिचुअल प्राइवेट लिमिटेड के दीपेंद्र गोडारा ने बताया कि उनके यहाँ भी अच्छी संख्या में ग्राहक आ रहे हैं और उत्पादों की जानकारी ले रहे हैं। यह बी2बी प्रदर्शनी हे, इसलिए खुदरा बिक्री की अनुमति नहीं है। उन्होंने बताया कि अन्य सामानों के साथ पूजा के सामान और रुद्राक्ष, कीमती पत्थर तथा दूसरे रत्न उपहार के तौर पर देने का चलन बढ़ रहा है। पटसन (जूट) के सामान बनाने वाली कंपनी कॉन्सेप्ट होम के संस्थापक शोविक गुप्ता ने बताया कि वह विभिन्न प्रदर्शनियों में जाते रहते हैं। यह उत्पाद को नये ग्राहकों तक पहुँचाने में मददगार होता है। उनकी कंपनी में 15 लोग काम करते हैं। जूट का समान बनाने के काम में महिलाएँ ज्यादा हैं। जूट के बने बैग और घरेलू सजावट के सामान भी अब लोग उपहार में देते हैं। हरियाणा के पानीपत में स्थित उनकी कंपनी 2017 में अस्तित्व में आयी थी और फिलहाल उसका टर्नओवर 2.5 करोड़ रुपये है। प्रदर्शनी में लगभग 680 विक्रेता अपने उपहार बेच रहे हैं जिनमें 32 स्टार्टअप भी शामिल हैं।

अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता अच्छी तरह बढ़ रही आगे : वित्त मंत्री सीतारमण

एजेंसी

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता अच्छी तरह आगे बढ़ रही है। उनकी यह टिप्पणी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा 1 अगस्त से लागू होने वाले कंट्री-स्पेसिफिक टैरिफ से पहले आई है। राष्ट्रीय राजधानी में एक पुस्तक विमोचन कार्यक्रम के दौरान वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि अमेरिका और ब्रिटेन, दोनों के साथ व्यापार वार्ता अच्छी तरह आगे बढ़ रही है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा, मैं इस पर टिप्पणी नहीं कर सकती कि द्विपक्षीय व्यापार अच्छा है या बुरा, लेकिन हम द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ा रहे हैं। अमेरिका और यूरोपीय संघ के साथ बातचीत अच्छी तरह आगे बढ़ रही है। इससे पहले, ट्रंप ने कहा था कि उनका प्रशासन 1 अगस्त तक

अलग-अलग देशों के साथ अपने अधिकांश व्यापार समझौते पूरे कर लेगा। व्हाइट हाउस में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान, ट्रंप ने यह भी कहा कि उनका प्रशासन लगभग 200 देशों को उनके टैरिफ रेट्स पर एक पत्र भेज सकता है, जिसका मतलब होगा, उनके बीच समझौता हो गया है। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, स्कॉटलैंड की यात्रा पर रवाना होने से पहले ट्रंप ने संवाददाताओं से कहा, 1 अगस्त आने वाला है और सभी नहीं तो हमारे अधिकतर सौदे पूरे हो जाएंगे। उन्होंने कहा, ÷जब वे पत्र भेजे जाएंगे तो इसका मतलब होगा कि उनका सौदा पक्का हो गया है। इस बीच, भारत ने इस हफ्ते ब्रिटेन के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर किए। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने भारत-ब्रिटेन सीईटीए की सराहना करते हुए इसे एक 'गेम-चेंजिंग' समझौता बताया जो किसानों, व्यापारियों, एमएसएमई क्षेत्रों, युवा पेशेवरों और मछुआरों को अपार अवसर और लाभ प्रदान करता है।

एफपीआई निवेशकों ने जुलाई में किया 25.2 करोड़ डॉलर का निवेश

एजेंसी

मुंबई। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने इस साल जुलाई में भारतीय पूँजी बाजार में शुद्ध रूप से 25.2 करोड़ डॉलर का निवेश किया है। एफपीआई निवेशकों ने इस महीने इक्विटी में भारी बिकवाली की जबकि डेट में उन्होंने जमकर पैसा

लगाया। यही कारण है कि शेयर बाजारों में लगातार चौथे सप्ताह गिरावट के बावजूद भारतीय पूँजी बाजार में उनका निवेश सकारात्मक बना हुआ है। आधिकारिक आँकड़ों के अनुसार, एफपीआई निवेशकों ने जुलाई में इक्विटी से 75.6 करोड़ डॉलर निकाले जबकि डेट में 96.5 करोड़ डॉलर लगाये। म्यूचुअल फंड में भी वे शुद्ध रूप से लिवाल रहे। इससे पहले जून में एफपीआई निवेशकों ने भारतीय पूँजी बाजार से 90.4 करोड़ डॉलर की शुद्ध बिकवाली की थी। इस साल जनवरी, फरवरी, अप्रैल और जून में वे बिकवाल रहे हैं जबकि मार्च, मई और जुलाई में अबतक लिवाल रहे हैं। इस पूरे साल के दौरान उन्होंने भारतीय पूँजी बाजार से 726.6 करोड़ डॉलर की शुद्ध निकासी की है।

खाद की कालाबाजारी और नकली खाद बेचने वालों के विरूद्ध करें कठोर कार्रवाईः शिवराज सिंह चौहान

एजेंसी

रायसेन। केंद्रीय कृषि तथा किसान कल्याण एवं ग्रामीण विकास मंत्री एवं क्षेत्रीय सांसद शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में मध्य प्रदेश के रायसेन जिला मुख्यालय स्थित कलेक्टर कार्यालय में जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति (दिशा) की बैठक हुई। बैठक में केन्द्रीय कृषि मंत्री चौहान ने निर्देश दिए कि जिले में खाद की कालाबाजारी न हो, वितरण में भेदभाव न हो और नकली खाद का विक्रय न हो, यह सुनिश्चित कराएं। खाद की कालाबाजारी या नकली खाद बेचकर किसानों के साथ महापाप करने वालों के विरूद्ध सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए। इसमें किसी भी प्रकार की कोताही न बरती जाए। बैठक में स्वास्थ्य राज्यमंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल, सांसद दर्शन सिंह चौधरी, जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंत मीणा, विधायकगण डॉ. प्रभुराम चौधरी, सुरेन्द्र पटवा, स्थानीय जनप्रतिनिधी तथा समिति के सदस्यगण उपस्थित रहे। बैठक में कलेक्टर अरूण कुमार विश्वकर्मा, जिला पंचायत सीईओ अंजू पवन भदौरिया तथा जिला अधिकारियों द्वारा विभागवार संचालित योजनाओं तथा विकास कार्यों की प्रगति की जानकारी दी गई। बैठक के प्रारंभ में केन्द्रीय मंत्री चौहान ने कहा कि समाज को नशामुक्त बनाने की दिशा में सभी को अपने पूरी क्षमता से काम करना होगा। शासन द्वारा नशामुक्त समाज बनाने के लिए विभिन्न अभियान चलाए जा रहे हैं। यह अभियान या प्रयास नागरिकों तक पहुंचना चाहिए। जिले में जहां भी कार्यक्रम हों वहां नागरिकों को नशामुक्ति का संकल्प जरूर दिलाएं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि प्रशासन यह सुनिश्चित करे कि जिले में कही भी अवैध रूप से मदिरा का विक्रय ना हो, यदि कहीं बिकती है तो कठोर कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि सिर्फ मदिरा ही नहीं ड्रग्स और अन्य नशीले पदार्थो पर भी सख्ती से रोक लगाई जाए। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं और विकास कार्यो का लाभ आमजन तक पहुंचे। आमजन का कल्याण और विकास प्रमुख उद्देश्य होना चाहिए। इस बैठक के आयोजन का उद्देश्य यही है कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं तथा विकास कार्यों का लाभ सुगमता से समय से नागरिकों तक पहुंचे। इसी उद्देश्य को लेकर सभी समन्वित प्रयास करें। रायसेन जिले को विकास और जनकल्याण के मामले में मॉडल बनाएं। जनप्रतिनिधि और अधिकारी क्षेत्र में भ्रमण करें। जो भी पात्र व्यक्ति योजना के हितलाभ से वंचित रह गया है, तो उसे शीघ्र योजना का लाभ दिलाया जाए। इसी प्रकार विकास और निर्माण कार्यो पर नजर रखे, विकास के काम गुणवत्ता के साथ समय पर पूर्ण हों जिससे कि आमजन को उनका शीघ्र लाभ मिले। बैठक में केन्द्रीय मंत्री चौहान ने पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के तहत जिले में संचालित विकास कार्यों, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण, ग्रामीण आजीविका मिशन, प्रधानमंत्री सड़क योजना, मनरेगा आदि की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) आवास प्लस के कार्यो की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि योजना का क्रियान्वयन इस प्रकार हो कि हितग्राहियों को समय पर किश्त की राशि जारी हो। उन्हें अधिक समय तक इंतजार ना करना पड़े। सभी पात्र हितग्राहियों के नाम आवास सूची में शामिल हो। हितग्राहियों को निर्माण सामग्री सस्ती दर पर सुगमता से मिले, इसके लिए भी प्रयास किए जाएं। केन्द्रीय मंत्री चौहान ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के कार्यो की समीक्षा के दौरान कहा कि स्वसहायता समूह के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनें, उनका सर्वांगीण विकास हो! इसके लिए जिले में विशेष कार्य किए जाएं।

मौजूदा दौर में बल्लेबाजी करना 20-25 साल पहले की तुलना में आसानः पीटरसन

एजेंसी

नई दिल्ली। इंग्लैंड के अपने जमाने के दिग्गज बल्लेबाज केविन पीटरसन ने यह दावा करके नई बहस छेड़ दी है कि मौजूदा दौर में बल्लेबाजी 20-25 साल पहले की तुलना में काफी आसान हो गई है क्योंकि टेस्ट खेलने वाले देशों के गेंदबाजी स्तर में गिरावट आई है। पीटरसन की सोशल मीडिया पर यह टिप्पणी उस समय आई है जब एक दिन पहले ही इंग्लैंड के बल्लेबाज जो रूट ऑस्ट्रेलिया के रिकी पोंटिंग को पीछे छोड़कर टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर पहुंच गए। पीटरसन ने एक्स पर लिखा, 'मुझ पर चिल्लाइए मत, लेकिन आजकल बल्लेबाजी करना 20-25 साल पहले की तुलना में कहीं अधिक आसान हो गई है। शायद तब बल्लेबाजी करना आज की तुलना में दोगुना मुश्किल था। पीटरसन ने 2005 से 2013 के बीच इंग्लैंड के लिए 104 टेस्ट, 136 एकदिवसीय और 37 टी-20 मैच खेले। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 23 शतक और 35 अर्द्धशतकों के साथ 47.28 की औसत से 8,181 रन बनाए। पीटरसन ने अपने जमाने के कई गेंदबाजों के नाम लिए और अपने फॉलोअर्स को चुनौती दी कि वे 10 समकालीन गेंदबाजों के नाम बताएं जिनकी तुलना उनके साथ की जा सके। उन्होंने लिखा, 'वकार, शोएब, अकरम, मुश्ताक, कुंबले, श्रीनाथ, हरभजन, डोनाल्ड, पोलाक, क्लूजनर, गॉ, मैक्ग्रा, ली, वार्न, गिलेस्पी, बॉन्ड, विटोरी, केर्न्स, वास, मुरली, कर्टली, कर्टनी और यह सूची बहुत लंबी हो सकती है।

स्टीव स्मिथ की इंग्लैंड क्रिकेट टीम को चेतावनी, मुश्किल समय के लिए तैयार रहें

लंदन। इंग्लैंड के बल्लेबाज घरेलू मैदान पर 'सपाट' पिचों पर अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन इस साल के अंत में होने वाली एशेज सीरीज में बेन स्टोक्स की अगुवाई वाली टीम के ऑस्ट्रेलिया दौरे पर एक बिल्कुल अलग चुनौती होगी और दिग्गज बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने उन्हें चेतावनी दी है। भारत-इंग्लैंड के बीच मौजूदा श्रृंखला में बल्लेबाजी की सहजता बहस का विषय बन गई है और स्मिथ का मानना है कि ब्रिटिश बल्लेबाजों को बल्लेबाजी के अनुकूल पिचों की आदत नहीं डालनी चाहिए। दोनों टीमें कम से कम एक बार एक पारी में 500 से अधिक रन बनाने में सफल रही हैं और लगातार 400 से अधिक रन बनाए हैं। स्मिथ के हवाले से एक रिपोर्ट में कहा गया, उनके (इंग्लैंड के) बल्लेबाजों को इंग्लैंड में पिछले कुछ समय से देखी जा रही पिचों की तुलना में थोड़ी अलग चुनौती मिलेगी, जो काफी सपाट और बल्लेबाजी के लिए अच्छी रही हैं। स्मिथ ने कहा, पिछले तीन-चार सालों में ऑस्ट्रेलिया के विकेट शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों के लिए काफी मुश्किल रहे हैं। यह उनके लिए एक अच्छी चुनौती होगी। लेकिन यह एक शानदार सीरीज होने वाली है।

बेन स्टोक्स ने बड़ा रिकॉर्ड किया अपने नाम, कोई और इंग्लैंड का क्रिकेटर नहीं कर पाया यह कमाल

नई दिल्ली। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में भारत के खिलाफ चौथे टेस्ट मैच में अपना 14वां टेस्ट शतक जड़कर वह रिकॉर्ड बना दिया है जो अब तक इंग्लैंड का कोई क्रिकेटर नहीं बना पाया। बाएं हाथ के इस ऑलराउंडर ने जसप्रीत बुमराह की गेंद पर लेग ग्लांस से चौका लगाकर यह उपलब्धि हासिल की जिससे टेस्ट शतक के लिए उनका दो साल से ज़्यादा का इंतजार खत्म हुआ। चौथे दिन की शुरुआत नाबाद 77 रन पर करते हुए स्टोक्स ने संयम और दृढ़ संकल्प के साथ बल्लेबाजी की और 164 गेंदों में 9 चौकों की मदद से तिहरे अंक तक पहुंचे। इसके साथ स्टोक्स 7000 रन और 200 टेस्ट विकेट लेने वाले इंग्लैंड के पहले क्रिकेटर बन गए हैं। ओवलऑल की बात करें तो वह इस मामले में तीसरे स्थान पर है। यह रिकॉर्ड बनाने वाले पहले क्रिकेटर गैरी सोबर्स और दूसरे जैक्स कैलिस हैं।

एडम जम्पा ने सैंटनर की बराबरी की, टी20 में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले शीर्ष 10 खिलाड़ियों में शामिल

सेटेरे (सेंट किट्स एंड नेविस)। ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर एडम जम्पा ने न्यूज़ीलैंड के मिशेल सैंटनर की बराबरी कर ली है और अब तक के सबसे ज़्यादा टी20 अंतरराष्ट्रीय विकेट लेने वालों की सूची में शीर्ष 10 में जगह बना ली है। जम्पा ने वेस्टइंडीज के खिलाफ बैसेटेरे में चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान रैंकिंग में यह बढ़त हासिल की। अपने चार ओवर के स्पेल में जम्पा ने चार ओवर में 54 रन देकर तीन विकेट लिए। अब तक 99 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में जम्पा ने 21.14 की औसत से 124 विकेट लिए हैं जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 5/19 रहा है। दूसरी ओर, सैंटनर ने 114 मैचों में 22.57 की औसत से 124 विकेट लिए हैं जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 4/11 रहा है। वे दोनों इस प्रारूप में संयुक्त रूप से 10वें सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। शीर्ष तीन टी20आई विकेट लेने वाले गेंदबाजों न्यूजीलैंड के टिम साउथी (126 मैचों में 22.38 की औसत से 164 विकेट, 5/18 के सर्वश्रेष्ठ आंकड़े के साथ), अफगानिस्तान के राशिद खान (96 मैचों में 13.80 की औसत से 161 विकेट, 5/3 के सर्वश्रेष्ठ आंकड़े के साथ) और न्यूजीलैंड के ईश सोढ़ी (126 मैचों में 22.52 की औसत से 150 विकेट, 4/12 के सर्वश्रेष्ठ आंकड़े के साथ)।

मैनचेस्टर टेस्टः गिल-राहुल बने टीम इंडिया के संकटमोचक, पारी की हार से बचाने की उम्मीद

एजेंसी

मैनचेस्टर। इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर टेस्ट में जब टीम इंडिया पारी की हार के खतरे से जूझ रही थी, तब शुभमन गिल और केएल राहुल ने दमदार बल्लेबाजी करते हुए भारत को फिर से मुकाबले में वापस ला खड़ा किया। चौथे दिन का खेल समाप्त होने तक भारत ने दूसरी पारी में 2 विकेट पर 174 रन बना लिए हैं, लेकिन अब भी 137 रन पीछे है। चौथे दिन की शुरुआत इंग्लैंड ने 544/7 से की और अपनी पहली पारी को 669 रन पर समेटा। कप्तान बेन स्टोक्स (141) ने टेस्ट करियर का 14वां शतक लगाया और 5 विकेट भी लिए। वह ऐसा करने वाले इंग्लैंड के पहले और दुनिया के पांचवें कप्तान बन गए हैं। स्टोक्स और ब्रायडन कार्स (47) की साझेदारी ने भारत पर दबाव और बढ़ा दिया। भारत की ओर से रविंद्र जडेजा को चार विकेट मिले, जबकि

जसप्रीत बुमराह और वाशिंगटन सुंदर को दो-दो सफलता मिली। वहीं, अंशुल कम्बोज और मो. सिराज ने एक-एक विकेट चटकाए। भारत को पहली पारी में इंग्लैंड से 311 रनों का दबाव झेलना पड़ा। दूसरी पारी की शुरुआत बेहद खराब रही, पहले ही ओवर में यशस्वी जायसवाल शून्य पर आउट हुए और उनके तुरंत बाद साई सुदर्शन गोल्डन डक का शिकार बने। पहले ओवर में टीम का खाता भी नहीं खुला और उसके दो विकेट गिर गए थे। ऐसे समय में कप्तान शुभमन गिल को चौथे नंबर की बजाय पहले ही ओवर में बल्लेबाजी के लिए आना पड़ा। उन्होंने केएल राहुल के साथ मिलकर मोर्चा संभाला। दोनों के बीच अब तक नाबाद 174 रनों की साझेदारी हो चुकी है। स्टंप्स तक राहुल 87 और गिल 78 रन बनाकर क्रीज पर डटे हुए हैं। हालांकि गिल-राहुल की साझेदारी ने टीम इंडिया को राहत दी है, लेकिन अब भी भारत 137 रन पीछे है। अगर शेष बल्लेबाज टीम को इस घाटे से बाहर नहीं निकाल पाए, तो भारत को पारी की हार झेलनी पड़ सकती है।

दीक्षा महिला स्कॉटिश ओपन गोल्फ के कट में प्रवेश करने वाली इकलौती भारतीय

एजेंसी

नॉर्थ आयशर (स्कॉटलैंड)। दीक्षा डागर संयुक्त रूप से 59वें स्थान के साथ 2025 हांडा महिला स्कॉटिश ओपन गोल्फ टूर्नामेंट के कट में जगह बनाने वाली एकमात्र भारतीय रहीं। दीक्षा ने पार-72 के कोर्स पर दूसरे दिन चार ओवर 76 का कार्ड खेल कुल एक ओवर के स्कोर के साथ कट में प्रवेश किया। कट में कुल 71 खिलाड़ियों ने जगह बनाई। दीक्षा ने पहले दिन तीन अंडर 69 के कार्ड के साथ अच्छी शुरुआत की थी लेकिन दूसरे दिन लय बरकरार नहीं रख सकी। पेशेवर गोल्फ में पदार्पण कर रही इंग्लैंड की लॉटी वोड दूसरे दिन 65 का कार्ड खेलने के बाद कुल 12 अंडर के स्कोर के साथ तालिका में शीर्ष पर है। दीक्षा आखिरी दो होल में बर्डी लगाकर कट में प्रवेश करने में सफल रही। इस दौर के 16वें होल तक उनका स्कोर छह ओवर का था। टूर्नामेंट में खेल रही दो अन्य भारतीय खिलाड़ी प्रणवी उर्स (75-73) और त्वेसा मलिक (77-77) कट से चूक गईं।

बल्लेबाजी कोच ने ऋषभ पंत की चोट पर दिया अपडेट

एजेंसी

मैनचेस्टर (यूके)। भारत के बल्लेबाजी कोच सीतांशु कोटक ने भारतीय विकेटकीपर/बल्लेबाज ऋषभ पंत की चोट पर अपडेट दिया। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज क्रिस वोक्स की जोरदार यॉर्कर उनके दाहिने पैर में लगने के बाद उन्हें मैदान छोड़ना पड़ा। कोटक ने कहा कि पंत मैनचेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट के आखिरी दिन बल्लेबाजी करते हुए दिखाई देंगे। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज को दर्द साफ दिखाई दे रहा था और वह बल्लेबाजी जारी नहीं रख सके, जिससे उनके बाकी मैच में खेलने पर चिंता बढ़ गई। क्रिकेट के मैदान पर देखे गए सबसे साहसी प्रदर्शनों में से एक में पंत ने पैर के अंगूठे में फ्रैक्चर के तीव्र दर्द के बावजूद बल्लेबाजी करते हुए चौथे टेस्ट के दूसरे दिन भारत के लिए महत्वपूर्ण अर्धशतक बनाया। मीडिया से बात करते हुए कोटक ने कहा, ऋषभ, मुझे लगता है कि वह कल बल्लेबाजी करेंगे।कोटक ने भारतीय कप्तान शुभमन गिल और केएल राहुल की साझेदारी की भी प्रशंसा की। राहुल और गिल ने 174 रनों की धैर्यपूर्ण और शानदार साझेदारी करके भारत की पारी को संभाला। उन्होंने आगे कहा, मुझे लगता है कि केएल और गिल ने काफी विश्वास और दृढ़ संकल्प

दिखाया है। जाहिर है, जब आप दो शुरुआती विकेट खो देते हैं तो यह मुश्किल होता है। लेकिन मुझे लगता है कि लंच के समय भी उन्हें विश्वास था कि हम थोड़ा समय लेंगे। पहले 10-15 ओवर देखें और फिर आगे बढ़ें। जिस तरह से उन्होंने बल्लेबाजी की, वह वाकई शानदार थी।

भारत ने चौथे दिन का खेल 174/2 पर समाप्त किया और अब इंग्लैंड से 137 रन पीछे है। अगर भारतीय टीम रविवार को पांचवें और अंतिम दिन मैच बचा लेती है, तो यह अपने आप में एक उपलब्धि होगी। इंग्लैंड अंतिम सत्र में एक भी विकेट नहीं ले पाया क्योंकि भारतीय बल्लेबाजों ने अपने स्कोर में 126 रन जोड़े जिसमें केएल राहुल 87* और शुभमन गिल 78* रन बनाकर चौथे दिन के अंत तक नाबाद रहे।

गिल शायद शार्दुल को नहीं, कुलदीप को खिलाना चाहते थे : सुनील गावस्कर

एजेंस

मैनचेस्टर । महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर का मानना है कि शुभमन गिल को अंतिम एकादश चुनने में शायद अंतिम फैसला लेने का अधिकार नहीं था। उनका कहना है कि यह फैसला पूरी तरह से कप्तान का होना चाहिए और मुख्य कोच सहित किसी और का इस पर प्रभाव नहीं होना चाहिए। बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव को लगातार टीम में नहीं चुने जाने पर तीखी बहस छिड़ गई है, विशेषकर जो रूट के मौजूदा चौथे टेस्ट में रिकॉर्ड शतक के बाद जहां वह रिकी पोंटिंग को पीछे छोड़ते हुए टेस्ट क्रिकेट में दूसरे सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए। रूट के नाम अब 13,409 रन हैं और केवल सचिन तेंदुलकर (15,291 रन) उनसे आगे हैं। गावस्कर ने सोनी स्पोर्ट्स पर कहा, 'आखिरकार, यह कप्तान की टीम होती है। हो सकता है कि शुभमन शार्दुल को टीम में नहीं चाहते थे और कुलदीप को चाहते थे। रूट को 2018 में मैनचेस्टर और लॉर्ड्स में दो सीमित ओवरों के मैच तीन गेंद पर दो बार आउट करने के बावजूद कुलदीप अब तक पूरी टेस्ट श्रृंखला में बाहर रहे हैं। आम धारणा यह है कि मुख्य कोच गौतम गंभीर ने ऐसे गेंदबाजों पर जोर दिया है जो बल्ले से योगदान दे सकें, विशेषकर हेडिंग्ले टेस्ट में भारत के तीन विकेट पर 430 रन बनाने के बावजूद अगले 11 ओवर में 471 पर ऑल आउट होने के बाद। गावस्कर का मानना था कि कुलदीप को एकादश का हिस्सा होना चाहिए था। उन्होंने कहा, 'उसे टीम में वह मिलना चाहिए था। वह कप्तान है। लोग उसके और उसकी कप्तानी के बारे में बात करेंगे। इसलिए यह फैसला असल में उसका ही होना चाहिए। पूर्व भारतीय कप्तान का यह भी मानना था कि आंतरिक मतभेदों या चयन के मुद्दों को जानबूझकर छुपाया जा सकता है जिससे यह दिखाया जा सके कि ड्रेसिंग रूम में 'सब कुछ ठीक है। गावस्कर ने कहा, 'मुझे पता है कि सब कुछ ठीक-ठाक दिखाने के लिए ये बातें शायद सामने न आएं। सच तो यह है कि कप्तान जिम्मेदार है। वही एकादश का नेतृत्व करेगा। यह सामान्य सी बात है। गावस्कर ने कहा कि उनके कप्तानी कार्यकाल में चीजें अलग तरह से होती थीं, जब टीम का चयन पूरी तरह से कप्तान का विशेषाधिकार होता था और कोच की अवधारणा ही नहीं थी क्योंकि सब कुछ मैनेजर और सहायक मैनेजरों के बारे में था। उन्होंने कहा, 'हमारे पास कोच नहीं थे। हमारे पास सिर्फ पूर्व खिलाड़ी ही टीम के मैनेजर या सहायक मैनेजर हुआ करते थे।

ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को चौथे टी20 में तीन विकेट से हराया, सीरीज में 4-0 से अजेय बढ़त

एजेंसी

बस्सेटेरे (सेंट किट्स और नेविस)। ऑस्ट्रेलियाई टीम की वेस्टइंडीज के खिलाफ लगातार जीत का सिलसिला जारी है। मेहमान टीम ने वेस्टइंडीज को चौथे टी20 मैच में तीन विकेट से हरा दिया है। इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया ने पांच मैचों की टी20 सीरीज में 4-0 से अजेय बढ़त बना ली है। सेंट किट्स और नेविस के बस्सेटेरे में खेले गए इस मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी के लिए उतरी वेस्टइंडीज की टीम ने 20 ओवर में नौ विकेट के नुकसान पर 205 रन का बड़ा स्कोर बनाया। जवाब में ऑस्ट्रेलिया की टीम ने इस लक्ष्य को 19.2 ओवर में सात विकेट खोकर 206 रन बनाते हुए हासिल कर लिया है। लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया को पहले ही ओवर में कप्तान मिचेल मार्श के रूप में बड़ा झटका लगा। मार्श खाता भी नहीं खोल पाए। हालांकि, इसके बाद जोश इंगलिस और ग्लेन मैक्सवेल ने पारी को

ताबड़तोड़ अंदाज में आगे बढ़ाया। मैक्सवेल ने 18 गेंदों में 6 छक्के और एक चौके की मदद से ताबड़तोड़ 47 रन बनाए और इंगलिस ने 30 गेंदों में 10 चौकों और एक छक्के की मदद से 51 रन की अर्धशतकीय पारी खेली। इन दोनों का विकेट गिरने के बाद कैमरून ग्रीन ने मोर्चा संभाला और 35 गेंदों में 3 चौके और इतने ही छक्कों की मदद से नाबाद 55 रन की पारी खेलते हुए टीम को जीत दिला दी। इन बल्लेबाजों के अलावा आरोन हार्डी ने 16 गेदों पर 23 की उपयोगी पारी खेली। वेस्टइंडीज की ओर से जेडियाह ब्लेड्स ने तीन विकेट लिए, जबकि जेसन होल्डर, रोमारियो शेफर्ड और अकील होसेन ने एक-एक विकेट लिया। इससे पहले वेस्टइंडीज ने नौ विकेट के नुकसान पर 205 रन का स्कोर बनाया। टीम के बल्लेबाजों ने शुरुआत तो तेजी से की, लेकिन लगातार अंतराल पर विकेट भी गरते रहे। इससे टीम के 67 रन के स्कोर तक चार विकेट गिर गए। ब्रैंडन किंग 18 रन, कप्तान शाई होप 10 रन, शेरफेन रदरफोर्ड 31 रन और रोस्टन चेज बिना खाता खोले आउट हुए। बाद में रोवमैन पॉवेल ने शिमरोन हेटमायर के साथ 43 रन की साझेदारी कर टीम को संभाला। हेटमायर 16 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जबकि पॉवेल 28 रन की पारी खेलकर आउट हुए। इनके अलावा रोमारियो शेफर्ड ने 28 रन, जेसन होल्डर ने 26 रन, मैथ्यू फोर्ड ने 15 रन और अकील होसेन ने 16 रन जोड़े।

रायगढ़ स्टेडियम में अस्मिता सिटी लीग प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

एजेंसी

रायगढ़। संचालनालय खेल एवं युवा कल्याण विभाग छत्तीसगढ़ रायपुर के निर्देशानुसार जिले में संचालित खेलों इंडिया लघु केन्द्र रायगढ़ स्टेडियम बोईरदादर रायगढ़ में आज अस्मिता सिटी लीग का आयोजन किया गया। खेलो इंडिया योजना के तहत अस्मिता सिटी लीग की शुरूआत की गई है। इस योजना का उद्देश्य बालिकाओं को प्रेरित करना और उभरती हुई प्रतिभाओं को बढ़ावा देना है। अस्मिता सिटी लीग में खेलो इंडिया लघु केन्द्र (बैडमिंटन) रायगढ़ के बालिका खिलाड़ी एवं विभिन्न

स्कूलों के बालिका खिलाड़ियों ने उत्साह के साथ भाग लिया। उक्त सिटी लीग में बैडमिंटन के डबल्स प्रतियोगिता में रिंकी पटेल तथा काशिका ने प्रथम स्थान एवं सिमरन तथा अनुष्का ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया तथा बैडमिंटन एकल प्रतियोगिता में रिंकी पटेल ने प्रथम स्थान तथा सिमरन ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। उक्त कार्यक्रम में श्रीमती श्रेयम चन्द्रा व्यायाम शिक्षक शा.कन्या.उ.मा.विद्या रायगढ़, जितेश्वर प्रधान व्यायाम शिक्षक, दिलीप सिंह वरिष्ठ प्रशिक्षक एवं धरणीधर यादव व्यायाम शिक्षक शा.उ.मा.वि. चक्रधर नगर स्कूल रायगढ़ उपस्थित रहे।

पंजाब एफसी ने 134वें डूरंड कप के लिए की 25 सदस्यीय टीम की घोषणा

एजेंसी

मोहाली। पंजाब एफसी ने 134वें डूरंड कप के लिए अपनी 25 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट देश के विभिन्न शहरों में खेला जा रहा है। पंजाब एफसी को ग्रुप डी में रखा गया है और टीम अपने सभी ग्रुप मैच असम के कोकराझार स्थित एसएआई स्टेडियम में खेलेगी। और ऊर्जावान टीम का चयन किया है, जिसमें अधिकांश खिलाड़ी पिछले सीजन से बनाए रखे गए हैं। इसके अलावा हमने कई अकादमी खिलाड़ियों को भी टीम में शामिल किया है, जिन्होंने रिजर्व और जूनियर स्तर पर बेहतरीन प्रदर्शन किया है। मेरा मानना है कि हमारे पास एक संतुलित टीम है जो टूर्नामेंट में आगे तक जाने की क्षमता रखती है और हम नए सीजन की सकारात्मक

शुरुआत की उम्मीद कर रहे हैं। टीम में मुहम्मद उवैस और बिजॉय वर्गीज जैसे नए साइनिंग्स के साथ राकेश मैतेई भी शामिल हैं, जिनका लोन पीरियड केरला ब्लास्टर्स से एक और सीजन के लिए बढ़ाया गया है। रंजीत पांडे भी टीम में लौटे हैं, जो पिछला सीजन गोकुलम केरल एफसी (आई-लीग) में लोन पर बिताकर आए हैं। डिल्मपेरिस ने कुल 11 अकादमी खिलाड़ियों को टीम में शामिल किया है, जिनमें आयुष देशवाल, परमवीर सिंह, मैंगलेंथांग किपगेन, सिंगामायुम शामी, मुहम्मद सुहैल, ओमांग डोडुम, विशाल यादव और लाइश्राम ऋषिकांत मैतेई शामिल हैं। ये सभी पिछले सीजन में पदार्पण कर चुके हैं। पंजाब एफसी के तकनीकी निदेशक निकोलाओस टोपोलिआतिस ने कहा, इतने अधिक अकादमी खिलाड़ियों को शामिल करना हमारे उस विजन का हिस्सा है, जिसमें हम क्लब के साथ आगे बढ़ने वाले युवाओं की एक मजबूत नींव बनाना चाहते हैं। मुझे विश्वास है कि यह टीम पिछले सीजन से बेहतर प्रदर्शन कर सकती है और मैं सभी खिलाड़ियों को सीजन की शानदार शुरुआत के लिए शुभकामनाएं देता हूं।

पंजाब एफसी की टीमः

गोलकीपरः आयुष देशवाल, मुहीत शब्बीर, रविकुमार

डिफेंडरः बिजॉय वर्गीज, खैमिंगथांग लुंगदिम, मानव सिंह, मुहम्मद उवैस, नोंगमैकपम सुरेश मैतेई, परमवीर सिंह, लिकमाबाम राकेश मैतेई, उशम थौंगम्बा सिंह

मिडफील्डरः लियोन ऑगस्टीन, मैंगलेंथांग किपगेन, निखिल प्रभु, प्रिंसटन रेबेलो, रिक्की शाबोंग, लाइश्राम ऋषिकांत मैतेई, सिंगामायुम शामी, विनीत राय।

बैडमिंटन एशिया जूनियर चैंपियनशिप में तन्वी शर्मा, वेन्नाला कलागोटला ने जीते कांस्य पदक

एजेंसी

नई दिल्ली। बैडमिंटन एशिया जूनियर चैंपियनशिप में भारत का अभियान इंडोनेशिया के सोलो में तन्वी शर्मा और वेन्नाला कलागोटला की महिला एकल सेमीफाइनल में हार के साथ समाप्त हो गया। तन्वी और वेन्नाला दोनों ने कांस्य पदक जीते। प्रतियोगिता के इतिहास में पहली बार, भारत ने एक ही संस्करण में दो महिला एकल पदक हासिल किए हैं।दो गैरवरीयता प्राप्त खिलाड़ियों के बीच पहले सेमीफाइनल में चीन की सी या लियू ने वेनाला को 37 मिनट में 21-15, 21-18 से हराया। लियू ने पहले गेम में 14-7 की बढ़त बना ली थी, लेकिन वेनाला ने अगले 11 में से 8 अंक जीतकर अंतर कम कर दिया। हालांकि, लियू ने लगातार 4 अंक जीतकर पहला गेम जीत लिया। दूसरा गेम भी कड़ा मुकाबला रहा, जब तक स्कोर 15-14 था, फिर लियू ने बढ़त बना ली और आखिरकार अपना चौथा मैच पॉइंट गोल में बदलकर फाइनल में जगह पक्की कर ली।दूसरे सेमीफाइनल में जूनियर विश्व नंबर एक खिलाड़ी तन्वी शर्मा ने महत्वपूर्ण क्षणों में कुछ अप्रत्याशित गलतियां कीं और इसकी कीमत उन्हें चुकानी पड़ी, क्योंकि वह 8वीं वरीयता प्राप्त चीनी खिलाड़ी यिन यी किंग से 35 मिनट में 21-13, 21-14 से हार गई। तन्वी पहले गेम में 13-13 की बराबरी पर थीं, लेकिन जूनियर विश्व रैंकिंग में 73वें स्थान पर रहीं यिन ने

लगातार 8 अंक जीतकर बढ़त बना ली। पिछले माह यूएस ओपन सुपर-300 टूर्नामेंट में उपविजेता बनकर सुर्खियों में आईं 16 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी ने दूसरे गेम में 6-1 की बढ़त बना ली, लेकिन यिन ने वापसी करते हुए गेम के मध्यांतर तक एक अंक से पिछड़ने का प्रयास किया। चीनी खिलाड़ी ने जल्द ही तन्वी को पीछे छोड़ दिया और फिर बिना पीछे मुड़कर देखे फाइनल में अपनी हमवतन लियू से भिड़ंत की तैयारी में लग गईं।

रोवमैन पॉवेल ने क्रिस गेल को पीछे छोड़ा, टी20 में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले क्रिकेटर बने

एजेंसी

बैसेटेरे (सेंट किट्स एंड नेविस)। वेस्टइंडीज के बल्लेबाज रोवमैन पॉवेल दिग्गज बल्लेबाज क्रिस गेल को पीछे छोड़कर टी20आई में टीम के दूसरे सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए। पॉवेल ने यह उपलब्धि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बैसेटेरे में खेले गए चौथे टी20ढ्ढ मैच के दौरान हासिल की। पहले तीन मैचों में 1, 12 और 9 रन के खराब स्कोर के बाद पॉवेल ने 22 गेंदों में दो चौकों और दो छक्कों की मदद से 28 रन बनाकर अपनी बल्लेबाजी क्षमता की झलक दिखाई। अब तक 99 टी20आई मैचों में उन्होंने 87 पारियों में 25.66 की औसत और 141 से ज़्यादा के स्ट्राइक रेट से 1,925 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और नौ अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 107 है। गेल ने अपने शानदार टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर में जिसमें उन्होंने दो टी20 विश्व कप जीते, 79 मैचों की 75 पारियों में 27.92 की औसत और 137.50 के स्ट्राइक रेट से 1,899 रन बनाए। उन्होंने दो शतक और 14 अर्धशतक लगाए, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 117 रहा। अब संन्यास ले चुके निकोलस पूरन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में वेस्टइंडीज के लिए शीर्ष पर हैं जिन्होंने 106 मैचों की 97 पारियों में 26.14 की औसत और 136 से अधिक के स्ट्राइक रेट और 13 अर्धशतकों के साथ 2,275 रन बनाए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 98 है।

एयरफोर्स स्कूल बना अंतर विद्यालीय शतरंज प्रतियोगिता का चैम्पियन

एजेंसी

गोरखपुर। युवा चेतना समिति के रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित डॉ. एसपी अग्रवाल अंतर विद्यालीय शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन नवजीवन मिशन इंटरनेशनल स्कूल में हुआ। तीन वर्गो में आयोजित इस प्रतियोगिता में कुल 175 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया, जिसमें 10 फिडे रेटेड खिलाड़ी शामिल रहे। रैपिड आधार पर पांच चक्रों में खेले गए इस मैच में 38.5 अंक बनाकर एयरफार्स स्कूल ने अंतर विद्यालीय शतरंज के चैम्पियन का खिताब अपने नाम किया। वहीं 34 अंक बनाकर मेजबान नवजीवन मिशन इंटरनेशनल स्कूल उपविजेता बना। वहीं 32 अंक बनाकर एकेडमिक ग्लोबल तीसरे स्थान पर रहा।व्यक्तिग स्पर्धा में सब जूनियर वर्ग में टाइब्रेक के आधार पर लिटिल फ्लावर स्कूल धर्मपुर के सम्यक सिंह ने 5 अंक बनाकर पहला स्थान हासिल किया। वहीं सेंट जुड स्कूल के हिमांशु कुमार ने 5 अंक बनाकर दूसरे स्थान पर रहे। एयरफोर्स स्कूल के अर्थव मिश्रा 4 अंक बनाकर तीसरे स्थान पर रहे। इसी वर्ग में बालिका वर्ग में सेंट जुड स्कूल की आरना त्रिपाठी ने 4 अंक बनाकर पहले स्थान पर रहीं। वहीं दूसरे स्थान पर 4 अंक बनाकर एचपी स्कूल की अदविका पांडेय रहीं। तीसरे स्थान पर 2 अंक बनाकर पीएन नेशनल पब्लिक स्कूल की अंतरा पाठक रहीं। जूनियर वर्ग के बालक वर्ग में टाइब्रेक के आधार पर लिटिल फ्लावर स्कूल के रक्षित शेखर द्विवेदी 4.5 अंक बनाकर विजेता बने। वहीं केद्रीय विद्यालय के आर्यन 4.5 अकं बनाकर दूसरे स्थान पर रहे। जीएन नेशनल पब्लिक स्कूल के आदित्य कुमार गुप्ता 4.5 अंक बनाकर तीसरे स्थान पर रहे। इसी ग्रुप के बालिका वर्ग में लिटिल फ्लावर स्कूल चरगांवा की तुषिता तेजस्वी 4 अंक बनाकर पहले स्थान पर, केद्रीय विद्यालय की प्रगति 3 अंक बनाकर दूसरे स्थान तथा तीसरे स्थान पर केद्रीय विद्यालय की शालिनी 3 अंक लेकर रहीं। सीनियर वर्ग के बालक वर्ग में टाइब्रेक के आधार पर विरेन्द्र नाथ गांगुली मेमोरियल स्कूल के लक्ष्मीनारायण द्विवेदी 5 अंक बनाकर पहले स्थान पर, जेपी एजुकेशन एकेडमी के मो. अरमान खान 5 अंक बनाकर दूसरे स्थान पर एवं सेंट पॉल स्कूल के शाश्वत सिंह 4 अंक बनाकर तीसरे स्थान पर रहे। वहीं इसी वर्ग के बालिका वर्ग में पीएन नेशनल स्कूल की सलोनी 3 अंक बनाकर पहले स्थान, नवजीवन स्कूल की सलोनी शर्मा 3 अंक बनाकर दूसरे स्थान पर तथा सेंट जोसफ स्कूल की अन्नया जायसवाल 3 अंक बनाकर तीसरे स्थान पर रहीं। अंतर विद्यालय शतरंज प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि अतुल सर्राफ प्रबंध निदेशक एस्प्रा जेम्स एंड ज्वेल्स, प्रो. अनुभूति दूबे अधिष्ठाता छात्र कल्याण गोरखपुर विश्वविद्यालय, आशुतोष अग्रवाल, प्रो शिव शरण दास संरक्षक युवा चेतना समिति, डॉ एपी गुप्ता प्रतियोगिता चेयरमैन, मांधाता सिंह अध्यक्ष युवा चेतना समिति,जितेंद्र सिंह सचिव गोरखपुर जिला शतरंज संघ ने शील्ड, ट्रॉफी और मेडल देकर सम्मानित किया। वहीं व्यक्तिगत स्पर्धा के विजयी प्रतिभागियों को अतिथियों ने शील्ड, ट्रॉफी ओर मेडल देकर सम्मानित किया। प्रतियोगिता के चीफ आर्बिटर एसएनए नितेश श्रीवास्तव रहे। इसके पूर्व प्रतियोगिता के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि अतुल सर्राफ ने कहा कि जीवन में सरल एवं साकरात्मक रहना हमे शतरंज का खेल सिखाता है द्य विशिष्ट अतिथि प्रो अनुभूति दुबे ने कहा की शतरंज से मानसिक तर्क शक्ति का विकास होता है और भविष्य की योजनाओ को बनाने मे मदद मिलती है। प्रतियोगिता के समापन पर धन्यवाद ज्ञापन सिरिल कोस्टा, प्रिंसिपल नव जीवन मिशन इंटरनेशनल स्कूल ने किया। मंच संचालन विनोद पांडेय और शिक्षिका आयुषी ने किया। प्रतियोगिता का सफल बनाने में डॉ आलोक सिह, महेश गर्ग, प्रेमदत्त कालिया, अजीत यादव, करिश्मा भाटिया, अनूप कुमार, खुशबू निषाद, कोमल सिंह अमितेश आनंद, निहाल सोनकर, मंजीत, मनोरमा, आदि का सराहनीय योगदान रहा।

सौन्दर्य के संसार में खूबसूरत करियर

खूबसूरत दिखना हर कोई चाहता है। लोगों की यही चाहत ऐसे बहुत से रोजगार पैदा कर जाती है, जिसकी आमतौर पर सामान्य छात्र कल्पना नहीं करता। कॉस्मेटोलॉजी ऐसा ही क्षेत्र है। इसमें अनेक शाखाएं हैं, जहां भविष्य की संभावनाएं तलाशी जा सकती हैं। आप हेयर स्टाइलिस्ट, शैम्पू टेक्नीशियन, नख प्रसाधक, इस्थेटिशियन, ब्यूटी थेरेपिस्ट, नेल टेक्नीशियन और इलेक्ट्रोलॉजिस्ट तक बन सकते हैं और जॉब के रूप में हजारों तथा खुद का काम करके लाखों कमा सकते हैं।

सुन्दर दिखने की चाहत और उसके लिए तरह-तरह के नुस्खों की आजमाइश जोरों पर है। इसके लिए बाजार में सौन्दर्य प्रसाधनों व लाइफ स्टाइल के उत्पादों की बाढ़ सी आ गई है। शेविंग क्रीम हो या टूथ पेस्ट, फेस क्रीम, स्क्रीन क्रीम या फिर शैम्पू, साबुन और तेल-ये सभी आम जीवन की जरूरतों में शामिल हैं। बाजार में रोजमर्रा की मांग ने इस क्षेत्र में रोजगार के अवसर भी खूब पैदा किए हैं। कॉस्मेटोलॉजी का कोर्स इन अवसरों के बीच ही ले जाता है। इसकी मांग को देखते हुए दिल्ली विश्वविद्यालय में भी इस कोर्स को करवाया जा रहा है।

कॉस्मेटोलॉजी के रंग

इस कोर्स में छात्रों को पहले कॉस्मेटोलॉजी की विभिन्न ब्रांच और उसके विविध रूपों की जानकारी दी जाती है। ये ब्रांच हैं हेयर स्टाइलिस्ट, शैम्पू टेक्नीशियन, नख प्रसाधक, इस्थेटिशियन, ब्यूटी थेरेपिस्ट, नेल टेक्नीशियन और इलेक्ट्रोलॉजिस्ट। इसके बाद इन क्षेत्रों में काम आने वाले विभिन्न प्रोडक्ट्स के निर्माण के बारे में बताया जाता है। मसलन शेविंग क्रीम, टूथ ब्रश, पेस्ट, फेस क्रीम, सन्सक्रीम, नेल पॉलिश आदि। कोर्स से जुड़े विशेषज्ञों की मानें तो लाइफ स्टाइल और सौन्दर्य प्रसाधन से जुड़े जितने भी प्रोडक्ट प्रचलन में हैं, चाहे वे त्वचा संबंधी हों या आंख, नाक, कान, बाल, मुंह या शरीर के किसी और अंग से, इन सबके बारे में इस कोर्स में बताया जाता है। हेयर स्टाइलिस्ट को बालों के विभिन्न रूप, उनकी कटिंग और उनमें काम आने वाले कैमिकल्स की जानकारी दी जाती है। बालों को सुंदर बनाने की कला से भी रूबरू कराया जाता है।

शैम्पू टेक्नीशियन को आमतौर पर शैम्पू बनाने की विधियां, उसमें इस्तेमाल होने वाले रसायन और उसके इस्तेमाल की तरकीबें बताई जाती हैं। नख प्रसाधन के क्षेत्र में हाथ और पैर को सुन्दर बनाने वाली पॉलिश और क्रीम आदि के बारे में बताया जाता है। साथ ही देखभाल के बारे में जानकारी दी जाती है।

इस्थेटिशियन को आमतौर पर त्वचा की देखभाल की कला सिखाई जाती है। उसे नई तकनीक के इस्तेमाल से अंग लेपन, फेशियल मसाज आदि से अवगत कराया जाता है। इसमें दक्ष इस्थेटिशियन चाहे तो स्वतंत्र रूप से सैलून या स्पा में काम कर सकता है। वह चाहे तो किसी डॉक्टर को इस क्षेत्र की प्रैक्टिस में सहायता भी प्रदान कर सकता है। इस्थेटिशियन को त्वचा की देखभाल संबंधी उत्पाद की जानकारी के साथ-साथ उसके नफे-नुकसान के बारे में बताया जाता है। त्वचा की पूरी तरह से देखभाल के कारण इसे स्किन केयर थेरेपिस्ट भी कहा जाता है।

ब्यूटी थेरेपिस्ट को मशीन द्वारा बालों को हटाना, आंखों की पुतलियां सजाना, ठीक करना जैसी चीजों के बारे में दक्ष बनाया जाता है। इलेक्ट्रोलॉजिस्ट को इलेक्ट्रोलिसिस का इस्तेमाल करना सिखाया जाता है। विद्युत तरंगों से लैस मशीन से बाल को उखाड़ना या उसे उगाना जैसे काम इसमें बखूबी किए जाते हैं। कोर्स में छात्रों को सामान्य मेडिसिन की जानकारी भी दी जाती है। हालांकि डॉक्टर की तरह इलाज करना उसका काम नहीं होता। उसे सौन्दर्य प्रसाधन से जुड़े प्रोडक्ट्स का क्या-क्या असर होगा, यह भी पढ़ाया जाता है। मोटापा बढ़ने पर वजन कम करने और आकर्षक लुक व सुडौल शरीर कैसे बने, इसका भी ज्ञान दिया जाता है। यही नहीं, उसे मानव साइकोलॉजी का भी पाठ पढ़ाया जाता है। कोर्स में एनेलिटिकल कैमिस्ट्री का भी पाठ शामिल है।

दाखिले की प्रक्रिया

दाखिले के लिए कहीं 12वीं पास तो कहीं बीएससी या स्नातक की मांग की जाती है। कैमिस्ट्री की पढ़ाई करने वालों के लिए यह और फायदेमंद हो जाता है। यह कोर्स सरकारी और गैर-सरकारी, दोनों तरह के संस्थानों में चल रहे हैं।

रोजगार कहां

कोर्स को करने के बाद छात्र चाहे तो खुद बॉडी केयर सेंटर खोल सकते हैं। दिल्ली जैसे शहर में इस तरह के सेंटर से लोग प्रति माह हजारों रुपए कमा रहे हैं। आप ब्यूटीशियन के लिए बतौर कंसलटेंट काम कर सकते हैं। कॉस्मेटिक प्रोडक्ट बनाने वाली कंपनियों में भी काफी अवसर हैं। छात्र चाहे तो कॉस्मेटिक निर्माण की यूनिट भी लगा सकता है। जहां तक आय का सवाल है, कोई चाहे तो किसी के यहां काम करके 20 से 30 हजार रुपए भी कमा सकता है और स्वरोजगार में लाख, दो लाख रुपए महीना भी।

क्या कहता है आपका एप्टीटयूड

विषय अनेक और करियर भी अनेक, इतने कि किसे चुनें, किसे नहीं। इसी ऊहापोह में छात्र भटक कर रह जाते हैं। अपनी दुविधा लेकर काउंसलरों के पास आने वाले छात्रों के आंकड़े बताते हैं कि हाल-फिलहाल में छात्रों में यह असमंजस की स्थिति कहीं ज्यादा बढ़ी है। आपके इस असमंजस को सही दिशा दे सकता है एप्टीटयूड टैस्ट। किस-किस तरह के हैं ये एप्टीटयूड टैस्ट?

अमोल संगीतज्ञ बनना चाहता है, लेकिन उसके माता-पिता उसे इंजीनियर के रूप में देखना चाहते हैं। पिता और अमोल के बीच करियर के चुनाव को लेकर काफी दिन तक खींचतान चलती रही। घर में इस कलह को दूर करने के लिए उसे काउंसलरों ने एप्टीटयूड टैस्ट कराने की सलाह दी। अमोल के एप्टीटयूड टैस्ट के बाद ही यह पता लगाया गया कि वह एक सफल संगीतज्ञ बन सकता है। टैस्ट में उसमें क्रिएटिव इनोवेशन के लक्षण ज्यादा पाए गये। इस क्षेत्र में उसकी विशेष रुचि भी देखी गई। अमोल अकेला ऐसा छात्र नहीं। उसकी तरह कई और भी छात्र हैं, जिनके जीवन को सही दिशा देने के लिए माता-पिता अब एप्टीटयूड टैस्ट कराने लगे हैं। किसी व्यक्ति की क्षमता का आकलन एप्टीटयूड टैस्ट से ही हो पाता है। उसमें इंजीनियर बनने की क्षमता है या ड्राइवर या कलाकार, इसे पता लगाने का सटीक उपाय है एप्टीटयूड टैस्ट। दिल्ली विश्वविद्यालय में मनोविज्ञान के प्रो. एनके चड्ढा कहते हैं, करियर का सही चुनाव और उसमें मौजूद क्षमता के आकलन के लिए एप्टीटयूड के साथ बच्चे की रुचि भी देखी जाती है। ऐसा करने पर करियर के चुनाव में खासी मदद मिलती है। एप्टीटयूड और इंटरेस्ट, दोनों एक-दूसरे के साथ जुड़े हैं और साथ-साथ चलते हैं। अगर एक है और दूसरा नहीं तो करियर को सही दिशा नहीं मिलती।

काउंसलर गीतांजलि कुमार करियर और जीवन को सही दिशा देने में एप्टीटयूड और इंटरेस्ट के साथ व्यक्ति के व्यक्तित्व और शारीरिक क्षमता को भी एक कड़ी मानती हैं। वह कहती हैं, इन सबको मिला कर ही किसी को करियर या जीवन में कोई राह चुनने की सलाह दी जाती है। अगर किसी में किसी कार्य के प्रति एप्टीटयूड है, पर रुचि या करने की इच्छा नहीं तो उस दिशा में भेजना बेकार है। इसी तरह पहली दोनों चीजें हैं, लेकिन शारीरिक क्षमता या व्यक्तित्व नहीं तो ऐसे करियर के चुनाव की सलाह देना बेकार है। वह कहती हैं, व्यक्तित्व भी पॉजिटिव मोटिव देता है, इसलिए तीनों को देखना जरूरी है।

क्यों है जरूरी

एप्टीटयूड टैस्ट ही किसी छात्र या व्यक्ति के करियर और काम की दिशा बताता है। उसकी क्षमता और रुचि को बताता है। इसके बाद उसे सही प्रोफेशन चुनने की सलाह दी जाती है। विशेषज्ञों के मुताबिक अगर ऐसा नहीं होता तो अमुक व्यक्ति में आगे चल कर कुंठा का जन्म होता है। वह काम को एन्जॉय नहीं कर पाता। ऐसी स्थिति में उसके अंदर नकारात्मक सोच हावी हो जाती है। वह विध्वंसात्मक दिमाग का हो जाता है। उसमें पहचान का संकट भी पैदा होने लगता है। एप्टीटयूड, रुचि और व्यक्तित्व के हिसाब से काम नहीं मिलने पर वह अपने पेशे में उतना सक्षम साबित नहीं होता, जितना दूसरे लोग। ऐसे में वह दूसरों को नीचा दिखाने के लिए कई बार उलटे-सीधे हथकंडे भी अपनाता है। सफलता नहीं मिलने पर वह कई बार अवसाद की स्थिति में आ जाता है और आत्महत्या को मजबूर हो जाता है, इसलिए शिक्षण संस्थानों को सरकार ने बच्चों के करियर की दिशा तैयार करने को कहा है। शिक्षण संस्थाओं में करियर एंड काउंसलिंग सेंटर आए दिन इसी वजह से खोले जा रहे हैं। यह हर संस्थान और काम की जगह की जरूरत बनती जा रही है। प्रो. चड्ढा कहते हैं, भारत में इस तरह की समस्याओं के लिए निजी प्रैक्टिशनर की ओर से जगह-जगह नगरों व महानगरों में काउंसलिंग सेंटर खुल गए हैं, लेकिन इसे चलाने वाले लोग आमतौर पर क्वालिफाइड नहीं होते। काउंसलिंग के लिए कौन सा व्यक्ति उपयुक्त है या नहीं, इसके लिए नेशनल एजेंसी बनी है। वह क्वालिफिकेशन तय करती है। गाइडलाइंस भी तैयार किए हैं।

एप्टीटयूड टैस्ट के रूप-रंग

लॉजिकल रीजनिंग- एप्टीटयूड टैस्ट के कई आयाम हैं, जिनमें एक है लॉजिकल रीजनिंग। इसके तहत कार्य-कारण संबंध पर जोर होता है। किसी व्यक्ति में मानसिक स्तर पर कैलकुलेशन की क्षमता कितनी है, इसका आकलन लॉजिकल रीजनिंग के माध्यम से किया जाता है। अगर वह लॉजिकल रीजनिंग में ज्यादा स्कोर करता है तो इससे पता चलता है कि वह कायदे-कानून में रह कर कठिन से कठिन समस्याओं को हल कर सकता है। इस क्षमता से लैस युवा मैनेजर, वैज्ञानिक और व्हाइट कॉलर जॉब में जाने के उपयुक्त होते हैं।

एब्सट्रेक्ट रीजनिंग - इसके तहत खरा उतरने वाला युवा बिखरी हुई चीजों को एकत्रित करके प्लान के साथ काम करने में विशेष हुनर रखता है। इसमें एप्टीटयूड किस तरफ जा रहा है, उसकी दिशा क्या है, वह एक एरिया से दूसरे एरिया में लिंक कर रहा है या नहीं, यह भी देखा जाता है। सिविल और इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग में बेहतर करने वाले युवाओं में एब्सट्रेक्ट रीजनिंग हल करने की क्षमता ज्यादा पाई जाती है।

न्यूमेरिकल रीजनिंग - यह किसी व्यक्ति की गणितीय क्षमता की जानकारी देता है। वह गुणा-भाग करने और सांख्यिकीय सवालों को हल करने की कितनी क्षमता रखता है, इसका आकलन इसके द्वारा किया जाता है। इसे देख कर ही उसे इस विषय या क्षेत्र से जुड़े करियर में जाने की सलाह दी जाती है। मसलन सीए, गणितज्ञ और लेखाकार आदि बनने के लिए न्यूमेरिकल रीजनिंग में बेहतर होना चाहिए।

आई-हैंड कोऑर्डिनेशन - आमतौर टेक्निकल काम मसलन ड्राइविंग हो, पायलट या फिर किसी मशीन को चलाने के लिए मशीनमैन हो, उसमें यह एप्टीटयूड जरूर होना चाहिए। इसमें कोई व्यक्ति हाथ, पैर व आंख को काम करते वक्त कितना केन्द्रित कर पाता है, यह देखा जाता है। ऐसा व्यक्ति दुर्घटनाओं को कम करने में काफी मददगार साबित होता है। ड्राइवर, पायलट, मशीनमैन और मैकेनिकल जॉब के लिए यह एप्टीटयूड बढ़िया माना जाता है।

क्रिएटिव इनोवेशन - इसमें किसी व्यक्ति की रचनात्मक क्षमता का आकलन किया जाता है। उसमें कलात्मक रुझान व रुचि का पता लगाया जाता है। आमतौर पर व्हाइट कॉलर जॉब में इस तरह के लोगों की जरूरत पड़ती है। इसके तहत यह भी देखा जाता है कि वह निर्णय कितना शीघ्र और सही रूप में लेता है। उसमें फ्लेक्सिबिलिटी भी होनी चाहिए। कोई व्यक्ति स्वभाव में अड़ियल तो नहीं है। अगर उसमें फ्लेक्सिबिलिटी का स्तर बेहतर है तो उसे उच्चतम पदों की जिम्मेदारी दी जाती है। इसमें उसके अंदर बड़प्पन कितना है, इसका आकलन भी किया जाता है। एप्टीटयूड टैस्ट में ओरिजनेलिटी और मौलिकता को भी देखा जाता है। ऐसे चंद ही व्यक्ति होते हैं, जो अलग किस्म के आइडिया से लैस होते हैं। इस टैस्ट में ओरिजनल आइडिया को देखा व समझा जाता है। इसे बहुविध सोच के रूप में भी देखा जाता है। यह गुण जिसमें है, उसमें अध्यापक, लेखक, अभिनेता, संगीतज्ञ और आविष्कारक बनने की क्षमता होती है।

प्रोफेशनल लाइफ में रख रहे हैं कदम अपनाएं ये टिप्स

कॉलेज लाइफ को अलविदा कहकर प्रोफेशनल वर्ल्ड में कदम रखने कम चुनौतीपूर्ण नहीं हैं। कई युवाओं के लिए कॉलेज ग्रेजुएशन पूरा होने और अपने पहले जॉब की शुरुआत काफी तनावपूर्ण होती है। कॉलेज पूरा करने के बाद आपको जॉब हंटिंग, इंटरव्यू देना होता है और वास्तविकता का सामना करना इतना आसान नहीं है। कॉलेज स्टूडेंट से एक प्रोडक्टिव एम्प्लॉई बनने का यह ट्रांजिशन सफल बनाने के लिए कुछ बातों को समझना जरूरी है। इन मुद्दों को समझकर और उनके लिए तैयार रहकर इस बदलाव को आसान बना सकते हैं।

कॉलेज जाने और नौकरी पर जाने में बहुत फर्क है। आप जॉब में बंक नहीं मार सकते। आप पैसे देकर ट्यूशन नहीं ले रहे बल्कि आपको पे किया जा रहा है। इसलिए ट्यूशन की तरह मन न होने पर आप काम पर नहीं जाने का मन नहीं बना सकते। आपको नौकरी में आठ घंटे तो काम करना ही पड़ता है।

कॉलेज का समय प्रयोग का समय होता है। हम यहां थोड़ा गैर जिम्मेदार हुए तो चलेगा लेकिन प्रोफेशनल लाइफ में ऐसा नहीं है। कॉलेज में गैर जिम्मेदार होने का मतलब खराब ग्रेड लेकिन वर्कप्लेस पर अनप्रोफेशनल होना मतलब आपके नौकरी की छुट्टी। प्रोफेशनल का मतलब ही सेल्फ-स्टार्टर होता है। कॉलेज से ज्यादा डेडलाइन का सामना आपको प्रोफेशनल वर्ल्ड में करना होगा।

ग्रेजुएशन या पोस्ट ग्रेजुएशन के बाद आपके दिमाग में अपना स्पष्ट करियर पाथ होना चाहिए लेकिन अगर आपका पहला जॉब अपनी योजना से मेल नहीं खाता है तो घबराइए नहीं।

कॉलेज छोड़ने और प्रोफेशनल दुनिया में कदम रखने में बहुत चीजें बदलती है। हां, अगर आप दोपहर तक सोते रहते हैं या देर रात फिल्में देखते हैं तो यह सब आपको बंद करना पड़ेगा। आपकी डाइट भी बदलेगी। लाइफस्टाइल के बदलावों के लिए तैयार रहें।

कॉलेज लाइफ खत्म होने का मतलब नहीं कि आपकी लाइफ से फन गायब हो गया। आप अभी भी ट्रेवल कर सकते हैं, दोस्तों के साथ समय बिता सकते हैं और नए व रोमांचक चीजें सीख सकते हैं। इस समय आपको देखना होगा कि किस तरह से मनोरंजन करें ताकि आप अपनी जॉब की जिम्मेदारी भी अच्छे से निभा पाएं।

सबकी नाक में दम कर देंगे प्रभास

तृप्ति डिमरी

पहले दिन कमाएगी 150 करोड़? स्पिरिट पर आया बड़ा अपडेट

संदीप रेड्डी वांगा अपने बॉलीवुड डेब्यू के साथ ही चर्चा का विषय बन गए थे. उनकी फिल्म एनिमल ने बॉक्स ऑफिस पर धमाकेदार कमाई भी की और उनकी इसी फिल्म का देशभर में भारी विरोध भी हुआ. फिल्म को लेकर लोगों की दोराय नजर आई. अब डायरेक्टर एनिमल के बाद अपनी अपकमिंग फिल्म स्पिरिट के जरिए एक बार फिर से दुनियाभर के बॉक्स ऑफिस पर छा जाने के लिए तैयार हैं. उनकी फिल्म स्पिरिट को लेकर डायरेक्टर ने हाल ही में कुछ जरूरी अपडेट दिया है जो प्रभास और तृप्ति डिमरी के फैंस को खुश कर सकता है.

कब शुरू होगी स्पिरिट की शूटिंग ?

स्पिरिट फिल्म में पहले प्रभास के अपोजिट बॉलीवुड की सबसे सुपरहिट एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण नजर आने वाली थीं. लेकिन उनके फिल्म से हटने के बाद अब इसमें न्यू सेंसेशन तृप्ति डिमरी लीड रोल करती नजर आएंगी. फिल्म के डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा की मानें तो इस कास्ट के साथ ही वे फिल्म में आगे बढ़ना चाहते हैं. वे जल्द ही फिल्म की शूटिंग शुरू करना चाहते हैं. इस फिल्म की शूटिंग लीड कास्ट के साथ सितंबर के महीने से ही शुरू कर दी जाएगी. मेकर्स की ऐसी भी प्लानिंग है कि इसकी शूटिंग को कॉन्टिन्यूअस रखा जाएगा. डायरेक्टर की मानें तो पहले से ही इस फिल्म की म्यूजिकल कंपोजीशन्स पूरी कर दी गई हैं. इस फिल्म के गाने कंपोजर हर्षवर्धन रामेश्वर ने लिखे हैं.

क्या बजट वसूल पाएगी स्पिरिट ?

स्पिरिट फिल्म का बजट काफी ज्यादा माना जा रहा है. रिपोर्ट्स की मानें तो फिल्म का बजट 300 करोड़ से 500 करोड़ के बीच में हो सकता है. ऐसे में फिल्म को शुरुआती दिनों की कमाई से काफी उम्मीदें होंगी. जब स्पिरिट के डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा से इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा- मुझे ऐसा लगता है कि जितना बजट प्रड्यूसर ने इस फिल्म के लिए लगाया है वो पूरी तरह से सेफ हैं. इसकी वजह सिर्फ उनका और प्रभास का डेडली कॉम्बिनेशन ही नहीं है बल्कि फिल्म के सेटेलाइट और डिजिटल राइट्स भी हैं.संदीप ने कहा कि टीजर, ट्रेलर और सॉन्ग रिलीज को लेकर अगर सबकुछ ठीक रहा तो ये फिल्म ओपनिंग डे पर 150 करोड़ रुपए तक का कलेक्शन कर सकती है. आमतौर पर फिल्मों की शूटिंग के दौरान कई शेड्यूल्स फिक्स किए जाते हैं और टुकड़ों में शूटिंग की जाती है. लेकिन इस फिल्म की शूटिंग भी अलग तरह से की जाएगी. फिल्म की शूटिंग को एक साथ खत्म करने की तैयारी है और इसके शूटिंग प्लान्स भी तय कर लिए गए हैं.

900 करोड़ी एक्टर के साथ डेब्यू करने वाली थीं करिश्मा कपूर, जानें फिर कहां आ गई दिक्कत?

बॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस करिश्मा कपूर ने अपने कपूर परिवार की विरासत को आगे बढ़ाने का काम किया है. महज 16-17 साल की उम्र में बतौर लीड एक्ट्रेस डेब्यू करने वाली करिश्मा की पहली फिल्म थी 'प्रेम कैदी'. इसमें उनकी एक्टिंग की काफी तारीफें हुई थीं. वहीं पहली ही फिल्म में एक्ट्रेस ने स्विमसूट पहनकर भी तहलका मचा दिया था. करिश्मा ने डेब्यू फिल्म में अभिनेता हरीश कुमार के साथ काम किया था. लेकिन, उनका डेब्यू एक 900 करोड़ी फिल्म देने वाले अभिनेता के साथ हो सकता था.पहली ही फिल्म से दर्शकों के दिलों में जगह बनाने वाली करिश्मा कपूर को कपूर खानदान से होने के चलते कई एक्टिंग ऑफर मिले थे. हरीश कुमार के साथ बॉलीवुड में अपना करियर शुरू करने वाली करिश्मा का डेब्यू कभी दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र के बेटे बॉबी देओल संग होने वाला था. दोनों को लेकर एक फिल्म बनने वाली थी.

बॉबी संग होने वाला था करिश्मा का डेब्यू

'प्रेम कैदी' से पहले करिश्मा कपूर जिस फिल्म के साथ डेब्यू कर सकती थी वो थी 'बाल ब्रह्मचारी'. बॉबी और करिश्मा को लेकर मेकर्स ने इस पिक्चर का ऐलान किया था. हालांकि फिल्म उस समय बन ही नहीं पाई और फिर करिश्मा को दूसरी फिल्म से अपने एक्टिंग करियर का आगाज करना पड़ा. बाल ब्रह्मचारी बाद में बनी थी और साल 1996 में रिलीज हुई थी. इसमें करिश्मा के अपोजिट अभिनेता राज कुमार के बेटे पुरु राजकुमार ने काम किया था. ये पुरु की पहली फिल्म थी.

बॉबी की डेब्यू फिल्म में भी कास्ट हुई थीं करिश्मा

करिश्मा ने जहां 'प्रेम कैदी' से डेब्यू किया था तो वहीं बॉबी का डेब्यू साल 1995 में आई फिल्म 'बरसात' से हुआ था. इसके लिए भी मेकर्स ने करिश्मा को कास्ट किया था. पहले शेखर कपूर ने बॉबी और करिश्मा के साथ 20 दिन की शूटिंग कर ली थी. लेकिन, बाद में इस पिक्चर से करिश्मा और शेखर अलग हो गए.फिर इसका डायरेक्शन राजकुमार संतोषी ने किया और इसमें बॉबी के अपोजिट ट्विंकल खन्ना को कास्ट किया था. ये फिल्म सुपरहिट साबित हुई थी. बॉबी ने अपने करियर में शुरुआती सालों में 'गुप्त', 'बादल' और 'सोल्जर' जैसी फिल्मों से पहचान बनाई थीं. लेकिन, फिर उन्होंने कई फ्लॉप फिल्में दीं. हालांकि साल 2023 में आई 900 करोड़ कमाने वाली फिल्म 'एनिमल' से अभिनेता ने दमदार वापसी की थी.

'बॉर्डर 2' के सेट से दिलजीत दोसांझ की विदाई, वरुण धवन ने बांटे लड्डू

पंजाबी एक्टर और सिंगर दिलजीत दोसांझ कुछ वक्त पहले तक अपनी फिल्म सरदार जी 3 को लेकर लोगों के बीच सुर्खियां बटोर रहे थे. हालांकि, अब उन्होंने अपनी दूसरी मोस्ट अवेटेड फिल्म 'बॉर्डर 2' की शूटिंग खत्म कर ली है. शूटिंग के आखिरी दिन दिलजीत लोगों के बीच काफी प्यार भरे अंदाज में नजर आए. उनका ये अंदाज सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है. वो सेट के आखिरी दिन को अपने को-स्टार वरुण धवन और अहान शेट्टी के साथ संलिब्रेट करते नजर आ रहे हैं.

'बॉर्डर 2' में फिल्मी दुनिया के कई जाने माने नाम शामिल हैं. फिल्म में दिलजीत की शूटिंग पूरी होने पर फिल्म की स्टार कास्ट ने इस पल को शानदार तरीके से सिलब्रेट किया. दिलजीत ने वरुण और अहान के साथ ही साथ सेट पर सभी टीम मेंबर को लड्डू बांटी. एक्टर ने खुद के अकाउंट पर इस वीडियो को शेयर किया है, इसमें सबसे कमाल की बात ये रही है कि वीडियो में बॉर्डर फिल्म का फेमस गाना संदेशं आते हैं बज रहा था. दिलजीत सेट पर मस्ती करते दिख रहे हैं.

'बॉर्डर 2... की शूटिंग खत्म'

दिलजीत ने अपने अकाउंट पर वीडियो को पोस्ट करते हुए कैप्शन में लिखा कि 'बॉर्डर 2' की शूटिंग खत्म. फिल्म का लोग बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. फिल्म में दिलजीत के किरदार की बात की जाए, तो उन्होंने इस बात का खुलासा किया है कि वह भारतीय वायु सेना के एक अधिकारी निर्मल जीत सिंह सेखों की भूमिका निभा रहे हैं, जिन्हें मरणोपरांत परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया था. उन्हें इस रोल में देखने के लिए उनके फैंस काफी खुश हैं.

फिल्म से हटाने की मांग

हालांकि, सरदार जी 3 के विवाद के बीच दिलजीत को फिल्म से हटाने की मांग की जा रही थी. कई जगह ऐसी अफवाह भी थी कि उन्हें 'बॉर्डर 2' से रिप्लेस किया जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ. अफवाह के बीच दिलजीत ने अपने सोशल मीडिया पर फिल्म की शूटिंग के दौरान की कुछ तस्वीरें शेयर की, जिससे लोगों को उनके फिल्म में होने की कंफर्मेशन हो गई. सरदार जी 3 की बात करें, तो फिल्म में पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया आमिर के शामिल होने से फिल्म को भारत में बैन कर दिया गया था.

IPS ऑफिसर बनना चाहती थीं

रवीना टंडन

इस दिग्गज हस्ती की थीं बहुत बड़ी फैन

साल 1991 से लेकर अब तक रवीना टंडन फिल्मी दुनिया में काम कर रही हैं. 90 के दशक की सबसे पॉपुलर एक्ट्रेस में से एक रहीं रवीना का जलवा आज तक जारी है. फिल्मी दुनिया में वो अमिट छाप छोड़ चुकी हैं. हालांकि कभी रवीना एक्ट्रेस नहीं बनना चाहती थीं. बचपन में रवीना के अंदर देश सेवा का जज्बा था और वो IPS अधिकारी बनने के ख्वाब देखा करती थीं. लेकिन, उनकी किस्मत को ये मंजूर नहीं था.रवीना टंडन ने बॉलीवुड में अपना डेब्यू साल 1991 में आई फिल्म 'पत्थर के फूल' से किया था. इसमें उनके अपोजिट अभिनेता सलमान खान नजर आए थे. इसके बाद एक्ट्रेस ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा और वो 90 के दशक की सबसे बेहतरीन एक्ट्रेस के तौर पर अपनी पहचान बनाने में सफल रहीं. लेकिन, एक्टिंग फील्ड में आने से पहले वो जाने-माने ऐड डायरेक्टर प्रहलाद कक्कड़ के अंदर इंटर्नशिप करती थीं. जबकि आईपीएस ऑफिस बनने के ख्वाब भी देखा करती थीं.

किरण बेदी की जबरा फैन थीं रवीना

कभी किरण बेदी, रवीना टंडन की इंस्पिरेशन हुआ करती थीं. किरण बेदी भारत की पहली महिला आईपीएस के रूप में जानी जाती हैं. भारत की पहली महिला आईपीएस अधिकारी बनकर उन्होंने इतिहास रच दिया था. रवीना भी उनके जैसी बनना चाहती थीं और उनकी बहुत बड़ी फैन थीं. लेकिन, बाद में वो प्रहलाद कक्कड़ के कहने पर बॉलीवुड में आ गईं.

रवीना टंडन का वर्कफ्रंट

रवीना टंडन के पिता रवि टंडन बॉलीवुड के मशहूर डायरेक्टर थे. बाद में एक्ट्रेस ने भी पिता की तरह बॉलीवुड में ही अपना करियर बनाया. 'पत्थर के फूल' से डेब्यू करने के बाद रवीना ने अपने करियर में 'दिलवाले', 'लाडले', 'मोहरा', 'खिलाड़ियों का खिलाड़ी', 'जिद्दी', 'गुलाम ए मुस्तफा, 'दूल्हे राजा', 'बड़े मियां छोटे मियां', 'अनाड़ी नंबर 1' और 'चत्तस्न 2' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्में दीं.रवीना के वर्कफ्रंट की बात करें तो अब वो फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' में नजर आएंगी. अहमद खान के डायरेक्शन में बन रही ये पिक्चर इसी साल रिलीज होने वाली है.